मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.2	24.1
जमशेदपुर	35.5	24.8
डालटनगंज	33.3	24.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● रविवार, 08 अक्टूबर 2023 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 09, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 173 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मोर्टार हमले में 100 इजरायली नागरिक मरे हमास के भी 200 ढेर, दोनों तरफ भारी तबाही

एक और जंग...

नेतन्याहू ने अपनी जनता से कहा-हम युद्ध में हैं दुश्मन को कीमत चुकानी होगी

हमास ने 20 मिनट में दागे 5000 रॉकेट, इजरायली सीमा में कई जगह घुसे, मचा रहे उत्पात व गुरिल्ला युद्ध

अब इजरायल का 'ऑयरन स्वोर्ड्स' से लड़ाकू विमानों ने संभाला मोर्चा, गाजा पट्टी हुई धुआं-धुआं, कई इलाकों में बमबारी से तबाही

एजेंसियां। तेल अवीव

रूस और यूक्रेन युद्ध चल ही रहा है कि इसी बीच इजरायल और फिलिस्तीन के बीच भी एक और जंग छिड़ गई. पिछले एक वर्ष से अधिक समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध में भारी तबाही हो रही है. अब इजरायल और फिलिस्तीन के बीच शुरू हुई जंग भी तबाही की नई इबारत लिखेगी. बता दें कि इजरायल के कई इलाकों पर शनिवार को गाजा पट्टी से रॉकेट हमले किए गए. जवाब में इजरायल ने भी युद्ध का ऐलान करते हुए हमले शुरू कर दिए हैं. फिलिस्तीनी विद्रोही गुट हमास के लड़ाके दक्षिण की तरफ से इजरायल के भीतर तक घुस आए हैं और छापामार युद्ध लड़ रहे हैं. वहीं, इजरायली सेना छापामारों से जमीनी लड़ाई लड़ रही और उसके लड़ाकू विमान लगातार गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर बम बरसा रहे हैं. इजरायल में इमरजेंसी लगा दी गई है.

इजरायली सरकार ने बताया कि हमास के हमले में अब तक 100 से अधिक नागरिकों की मौत हुई है, एक हजार घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. हमास ने भी दावा किया है कि गाजा पट्टी पर बमबारी में उसके 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग घायल हैं. हर तरफ तबाही का मंजर है. रिपोर्ट है कि शनिवार अलसुबह हमास ने इजरायल पर कम से कम 5000 रॉकेट दागे. इसमें अधिकतर रॉकेट को इजरायली डिफेंस ने हवा में ही मार गिराया, लेकिन कुछ आबादी वाले इलाकों में आकर गिरे, जिससे भारी तबाही हुई है. हमास ने गाजा पट्टी से सटी पूरी इजरायली सीमा पर एक साथ हमला बोला है. हमला इतना तेज था कि इजरायली बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को संभलने का मौका नहीं मिला. इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि यह एक कम्बाइंड ग्राउंड अटैक था, जिसे पैराग्लाइडर, समुद्री और जमीनी माध्यम से किया गया.

मोसाद पर उठे सवाल : फिलिस्तीन में मोसाद समेत कई इजरायली खुफिया एजेंसियां ऑपरेट करती हैं. मोसाद को दुनिया की सबसे ताकतवर इंटेलिजेंस एजेंसी माना जाता है. इसने पूरी दुनिया में इजरायल के दुश्मनों को ढूंढ़-ढूंढ़ कर मारा है. ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि मोसाद को आखिर इस प्लानिंग की भनक क्यों नहीं लगी. मोसाद जैसी एजेंसी पर सवाल उठाए जा रहे हैं.

हम इजरायल के साथ खड़े हैं: पीएम मोदी

इजरायल पर हमास के आतंकी हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि इजराइल में आतंकवादी हमलों की खबर से गहरा सदमा लगा है. हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं. हम इस कठिन समय में इज़रायल के साथ एकजुटता से खड़े हैं.

क्या है गाजा पट्टी-इजरायल विवाद

गाजा पट्टी एक छोटा- सा फिलिस्तीनी क्षेत्र है, यह मिस्र और इजरायल के मध्य भूमध्य सागरीय तट पर स्थित है. फिलिस्तीन अरबी और बहुसंख्य मुस्लिम बहुल इलाका है. इस पर हमास का शासन है, जो इजरायल विरोधी आतंकी समूह है. फिलिस्तीन और कई अन्य मुस्लिम देश इजरायल को यहूदी देश मानने से इनकार करते हैं. 1947 के बाद जब यूएन ने फिलिस्तीन को एक यहूदी और एक अरब राज्य में बांट दिया था, उसके बाद से फिलिस्तीन और इजरायल के बीच संघर्ष जारी है, जिसमें अहम मुद्दा यहूदी देश के रूप में स्वीकार करना है. गाजा पट्टी इजरायल की स्थापना के समय से ही इजरायल और दूसरे अरब देशों के बीच संघर्ष का कारण रहा है.

भारत बोला- इजरायल के साथ हैं पाकिस्तान ने दी हमास को शाबासी

इजरायल पर फिलिस्तान के आतंकी संगठन हमास द्वारा दिए गए हमले पर दुनियाभर के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं. भारत, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन समेत दुनिया भर के तमाम बड़े देशों के नेताओं ने इजरायल का समर्थन किया है. अमेरिका ने इस लड़ाई में इजरायल का साथ देने की घोषणा की है. युद्ध झेल रहे यूक्रेन ने भी इजरायल का समर्थन किया है. वहीं ईरान ने हमास को इस हमले के लिए बधाई दी है. कतर ने इजरायली सेना को फिलिस्तानी लोगों के साथ हिंसा करने का जिम्मेदार ठहराया है, तो पाकिस्तान ने भी हमास के हमले का खुल कर समर्थन किया है.

मेघालय के 27 ईसाई येरुशलम में फंसे, सीएम ने लगाई गुहार

इस बीच, मेघालय के सीएम कोनराड के संगमा ने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच युद्ध जैसे हालात में फंसे राज्य के 27 लोगों को बचाने के लिए शनिवार को विदेश मंत्रालय से मदद मांगी है. संगमा ने कहा कि वह इन लोगों को राज्य में वापस लाने के लिए मंत्रालय के संपर्क में हैं. उन्होंने 'एक्स' पर कहा, पवित्र तीर्थयात्रा के लिए येरुशलम गए मेघालय के 27 नागरिक इजरायल और फिलिस्तीन के बीच मौजूदा तनाव के कारण बेथलहम में फंस गए हैं. मुख्यमंत्री ने कहा, मैं उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में हूं. येरुशलम यहूदी धर्म, ईसाई धर्म और इस्लाम धर्म तीनों की ही पवित्र नगरी है. मेघालय के ईसाई धार्मिक यात्रा पर वहां जाते हैं.

नेतन्याहू बोले- दुश्मन से हम युद्ध में हैं

हमले के तुरंत बाद 'युद्ध की स्थिति' की घोषणा करते हुए इजरायल ने हमास के खिलाफ ऑपरेशन आयरन स्वोड्र्स लॉन्च किया है. इजरायली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि हम युद्ध में हैं और हम इसे जीतेंगे, हमारे दुश्मन (हमास) को ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी, जिसके बारे में उसने सोचा भी नहीं होगा. हमास ने घुसपैठ की है. उन्होंने निर्दयतापूर्वक निर्दोष पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को मार डाला और हत्या कर दी. कम से कम 35 इजरायलियों को बंधक भी बना लिया गया है. इजरायल में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है.

हमास का ऑपरेशन 'अल अक्सा स्टॉर्म'

इजरायल पर हमले के बाद हमास के नेता मो.डेफ ने कहा कि हमने इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया है. इस ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन अल अक्सा स्टॉर्म है. डेफ ने कहा, अब बहुत हो गया. हम फिलिस्तीनियों से सामना करने का आग्रह करते हैं. डेफ ने दावा किया कि यह ऑपरेशन येरुशलेम में टेम्पल माउंट पर अल-अक्सा मस्जिद को अपवित्र करने का बदला है. उधर, कुछ इजरायली सैनिकों को बंधक बनाने के बाद गाजा पट्टी में हमास के आतंकियों को जश्न मनाते देखा गया है.

अबकी बार 100 पार

एशियाड 2023 में भारत ने कुल 107 मेडल जीते

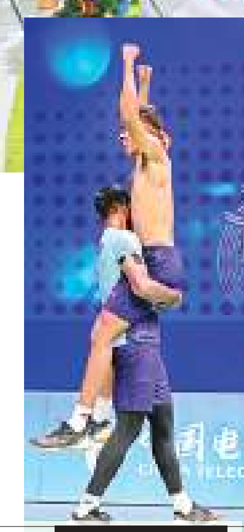

हांगझोउ। चीन के हांगझाऊ में चल रहे 19वें एशियाई खेल में भारत के एथलीटों ने अपने वादे को पूरा करते हुए पदकों के आंकड़े का शतक पूरा करने में कामयाबी हासिल की. भारत ने अब तक हुए एशियाई खेलों में इस बार सबसे ज्यादा एथलीट भेजे थे, जिनकी कुल संख्या 655 थी. भारत ने अपनी शुरुआत शानदार तरीके से करते हुए रोइंग के इवेंट से अपने मेडल का खाता खोला था. इसके बाद शूटिंग के विभिन्न इवेंट्स में भारत ने कई मेडल अपने नाम किया. वहीं देश ने अपने पदकों का शतक गोल्ड मेडल के साथ पूरा किया जो महिला कबड्डी के इवेंट में आया. भारत ने 19वें एशियाई खेलों में अब तक 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए हैं.

स्वर्णः 28 | रजतः 38 | कांस्यः 41 | कुलः 107

महिला अपराध के मामलों में संवेदनशील रहें अदालतें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार करने के दोषी ठहराए जाने के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया. महिला की जहर देने के कारण मौत हो गई थी. अपील को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतों से महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों में संवेदनशील होने की उम्मीद की जाती है. न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा की पीठ ने कहा, उम्मीद है कि अदालतें अपराधियों को प्रक्रियात्मक तकनीकीताओं, अपर्याप्त जांच या सबूतों में महत्वहीन कमियों के कारण भागने की अनुमति नहीं देंगी, अन्यथा आरोपियों को सजा नहीं मिलने से पीड़ित पूरी तरह से से हतोत्साहित हो जाएंगे. पीठ ने कहा, ऐसी परिस्थितियों में अदालतों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है और उम्मीद की जाती है कि अदालतें ऐसे मामलों से अधिक यथार्थवादी तरीके से निपटेंगी और अपराधियों को प्रक्रियात्मक तकनीकी, निष्क्रिय जांच या साक्ष्य में महत्वहीन कमियों के कारण बचने की अनुमति नहीं देंगी.

कम हुआ जीएसटी आटा व शराब सस्ते

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव से पहले वस्तु और सेवा कर परिषद ने आटा और शराब सस्ता कर दिया है. दोनों पर 18 फीसदी कर की जगह अब पांच फीसदी कर लगेगा. शीरा पर भी अब पांच फीसदी ही जीएसटी लगेगा. दिसंबर में राजस्थान, एमपी, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम में चुनाव प्रस्तावित हैं. ऐसे में जल्द ही आचार संहिता लगा दी जाएगी. वस्तु और सेवा कर परिषद की 52वीं बैठक में हुए इस फैसले से दीवाली से पहले बिस्किट, ब्रेड सहित मिश्रित आटा सस्ता होगा. आटा अगर खुला बिकेगा, तो कोई भी कर देय नहीं होगा. वहीं शराब उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाले शीरे पर कर की दर सस्ते होने से शराब भी सस्ती मिलेगी.वस्तु और सेवाकर परिषद की 52वीं बैठक शनिवार को सुषमा स्वराज भवन में हुई. इस परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की. इस बैठक में राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्री, केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ वित्त अधिकारियों के अलावा केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी शामिल रहे.

नक्सली से संबंध रखने वाले 5 संगठनों की निगरानी

सौरभ सिंह। रांची

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

झारखंड के पांच संगठनों व उनके लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है. इन संगठनों पर प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी से संबंध होने के संदेह हैं. पुलिस इन पांचों संगठनों के वरिष्ठ नेताओं की पहचान कर रही है. पुलिस मुख्यालय ने इसकी जानकारी सरकार को दी है. उल्लेखनीय है कि पिछले माह झारखंड पुलिस के खुफिया विभाग ने जिलों के एसपी को पत्र लिखा था. इसमें झारखंड में काम कर रहे 64 संगठनों की जांच का निर्देश दिया था. जांच के बाद पांच संगठनों पर कार्रवाई की बात कही गई है. 64 संगठनों का नाम प्रकाशित होने के बाद सगंठनों की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी. संगठनों के नेताओं ने पुलिस के अधिकारियों से मिल कर खुफिया विभाग की शिकायत की थी. साथ ही कार्रवाई की मांग की थी.

कार्यक्षेत्र नक्सल प्रभावित क्षेत्र में : रिपोर्ट के मुताबिक जिन संगठनों पर कड़ी नजर रखी जा रही है, उन संगठनों का कार्यक्षेत्र नक्सल प्रभावित इलाकों में हैं. केंद्रीय जन संघर्ष समिति का कार्य क्षेत्र गुमला व लातेहार जिला में है. झारखंड क्रांतिकारी मजदूर यूनियन का कार्यक्षेत्र बोकारो, धनबाद, पूर्वी व पश्चिम सिंहभूम आदि जिले है. विस्थापन विरोधी जन विकास आंदोलन का पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह व बोकारो है. झारखंड जन संघर्ष मोर्चा का कार्य क्षेत्र बोकारो और झारखंड जन अधिकार महासभा का कार्यक्षेत्र संपूर्ण झारखंड है.

ये हैं वो पांच संगठन

1. झारखंड जनअधिकार महासभा
2. झारखंड जन संघर्ष मोर्चा
3. विस्थापन विद्रोही जन विकास आंदोलन
4. झारखंड क्रांतिकारी मजदूर यूनियन
5. केंद्रीय जन संघर्ष समिति

राज्य के 16 जिले हैं नक्सल प्रभावित : जानकारी के मुताबिक राज्य के 24 में से 16 जिले नक्सल प्रभावित है. इनमें रांची, खूंटी, बोकारो, चतरा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं. आठ जिले चतरा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम अति उग्रवाद प्रभावित श्रेणी में शामिल हैं.

वर्ल्ड कप आज का मैच
भारत vs ऑस्ट्रेलिया
दोपहर 2:30 बजे से

ब्रीफ खबरें

863 पदों के लिए निकलीं रिक्तियां

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने झारखंड इंटर स्तर संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के लिए आवेदन मांगा है. कुल 863 पदों के लिए आवेदन मांगा गया है. परीक्षा का आवेदन शुल्क 100 निर्धारित किया गया है. इसके लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास होनी चाहिए. उम्र सीमा जनरल के लिए 35 वर्ष बीसी1 के लिए वह बीसी के लिए 37 वर्ष महिला 38 वर्ष और अनुसूचित जनजाति वह अनुसूचित जाति के लिए 40 वर्ष है. इच्छुक उम्मीदवार जीसीसी के आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन को ऑनलाइन भर सकते हैं.

चुनावी सर्वेक्षण इंडिया टीवी-सीएनएक्स ओपिनियन पोल : देश में अभी लोकसभा चुनाव हुए, तो

झारखंड, दिल्ली समेत छह राज्यों में भाजपा को बड़ी बढ़त

शुभम संदेश नेटवर्क। नई दिल्ली

अभी चुनाव हुए तो झारखंड समेत छह राज्यों में भाजपा को भारी बढ़त मिल सकती है. इनमें दिल्ली, हरियाणा, एमपी, राजस्थान व गुजरात शामिल हैं. वहीं दक्षिण भारत के राज्यों के साथ पंजाब में उसे शिकस्त मिल सकती है. देश के पांच प्रमुख राज्यों में विस और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया टीवी-सीएनएक्स ने वोटरों का मूड जानने और यह अनुमान लगाने के लिए एक जनमत सर्वेक्षण किया है. इसके तहत यह जानने की कोशिश की गयी कि अगर आज चुनाव होते हैं, तो किस नेता के पीएम बनने की संभावना है. देश में किस की सरकार बनेगी. पोल 20 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच आयोजित किया गया था.

झारखंड में भाजपा को 12 लोस सीटें मिल सकती हैं

ओपिनियन पोल के अनुसार झारखंड में भाजपा को 53 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस को 17% वोट मिलने की संभावना है. हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झामुमो को राज्य में सिर्फ 13% वोट मिल सकते हैं. सर्वेक्षण में झारखंड में भाजपा के लिए 12 लोकसभा सीटें, आजसू और झामुमो के लिए 1-1 लोकसभा सीट की भविष्यवाणी की गयी है.

कुल 54,250 लोगों ने अपनी राय दी : सर्वे में कुल 54,250 ने अपनी राय दी, जिनमें से 28,309 उत्तरदाता पुरुष और 25,941 महिलाएं थीं. यह सर्वेक्षण 310 लोस क्षेत्रों में किया गया.

दक्षिण भारत व पंजाब में भाजपा साफ

गुजरात में भाजपा का परचम

गुजरात में भाजपा को 61 फीसदी वोट मिलने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस 28 फीसदी वोट शेयर हासिल कर सकती है. सर्वेक्षण में आम आदमी पार्टी को राज्य में सिर्फ 8% वोट मिलने का अनुमान लगाया गया है. सर्वेक्षण के अनुसार, भगवा पार्टी राज्य की सभी 26 सीटें जीत कर गुजरात में क्लीन स्वीप कर सकती है. ओपिनियन पोल के मुताबिक, गोवा में बीजेपी को 56% वोट मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस को 35% वोट मिलने की संभावना है. भगवा पार्टी को राज्य की दोनों लोकसभा सीटें जीतने की भी उम्मीद है. हिमाचल प्रदेश में भाजपा को 53 प्रतिशत वोट जबकि कांग्रेस को 37 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है.

- पंजाबः आप 6, कांग्रेस 5 सीटें
- **महाराष्ट्रः राजग 28, इंडिया 20 सीटें**
- उत्तराखंड की पांचों सीटों पर फिर होगा भाजपा का कब्जा
- **बीजेडी को ओड़िशा में बढ़त**
- भाजपा को राजस्थान में 23 सीटें
- **एमपी में भाजपा को 25 सीटें**
- छत्तीसगढ़ः भाजपा 7, कांग्रेस 4 सीटें
- **कर्नाटक में भाजपा 16, कांग्रेस 10 और जेडीएस 2 सीटें**
- तेलंगानाः बीआरएस 8, बीजेपी को 6 सीटें मिलने का अनुमान
- **तमिलनाडु में डीएमके को 21, एआईएडीएमके को 6 ,कांग्रेस को 7 सीटें**
- आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी को 15, टीडीपी को 10 सीटें, कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा

सावधान, लाखों के चक्कर में ले डूबेगा आपका लालच!

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेजन और फ्लिपकार्ट फेस्टिव सेल का आगाज कर चुके हैं. लोग इस सेल का बेसब्री से इंतजार करते हैं. क्योंकि कई प्रोडक्ट्स पर भारी डिस्काउंट दिया जाता है. अब जैसे ही सेल शुरू होगी वैसे की स्कैमिंग भी शुरू हो जाएगी. सेल के दौरान स्कैमर्स खूब एक्टिव रहते हैं. लोगों को फेक डील्स के जाल में फंसाते हैं और फिर उनके पैसे चोरी कर लेते हैं. ऐसे में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से शॉपिंग करते समय सावधान रहें.

ऑनलाइन शॉपिंग करते समय इन 4 बातों का रखें ख्याल

- अगर आपके पास कोई ऐसा मैसेज आता है, जिसमें आपको कोई डील दी जा रही है, तो उससे सावधान रहें. ऐसे फॉरवर्डेड लिंक आपका अकाउंट खाली करने के लिए काफी होते हैं.
- अगर आपने ऑनलाइन कोई प्रोडक्ट खरीदा है और पेमेंट करने जा रहे हैं, तो ऑनलाइन पेमेंट करते समय डीटेल्स को ठीक से चेक करें. जिससे आपके साथ कोई धोखा न हो जाए.

- पेमेंट के लिए अगर आप डेबिट या क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो ध्यान रखना होगा कि कार्ड की डीटेल्स को सेव न करें.
- सबसे अहम बात कि जब भी ऑनलाइन शॉपिंग करें तो आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ही करें. लालच में आकर कहीं से भी शॉपिंग न करें. अगर कोई पेमेंट के लिए ओटीपी मांगता है, तो ओटीपी न दें.

वीमेंस यूनिवर्सिटी में 'नैक एक्रेडिटेशन प्रोसेस-ऑपर्च्युनिटीज एंड चैलेंज' विषयक कार्यशाला आयोजित

नैक एक्रेडिटेशन क्वालिटी एजुकेशन की ट्रेडमार्क : डॉ मंजूश्री

संवाददाता | जमशेदपुर

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में आईक्यूएसी सेल ने 'नैक एक्रेडिटेशन प्रोसेस-ऑपर्च्युनिटीज एंड चैलेंज' पर वर्कशॉप का आयोजन किया. कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता ने की. डॉ. अंजिला गुप्ता, रिसोर्स पर्सन गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज, अजमेर की आईक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर प्रो (डॉ) मंजूश्री गुप्ता, यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. राजेंद्र कुमार जायसवाल तथा आईक्यूएसी डायरेक्टर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला की शुरुआत की. अतिथियों का स्वागत झारखंड राज्य की संस्कृति के अनुरूप चित्रित शॉल, प्रतीक चिन्ह एवं जीवंत पौधों के साथ किया गया. स्वागत भाषण आईक्यूएसी डायरेक्टर डॉ. रत्ना मित्रा ने किया. कार्यशाला की रिसोर्स पर्सन का परिचय यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर डॉ. सुधीर कुमार साहू ने कराया.

कार्यशाला में मंचासीन कुलपति, अतिथि व अन्य.

अच्छे ग्रेड के लिए सभी को मिल कर काम करना होगा : रिसोर्स पर्सन प्रो (डॉ) मंजूश्री गुप्ता ने नैक के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि नैक एक्रेडिटेशन यूनिवर्सिटीज के क्वालिटी एजुकेशन की ट्रेडमार्क होती है. विद्यार्थियों को पता चल जाता है कि किन संस्थानों में बेस्ट प्रैक्टिसेज चल रहीं हैं और नामांकन के बाद कहां उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पायेगी. साथ ही नैक एक्रेडिटेशन संस्थानों के फंडिंग के लिए भी आवश्यक होती है.

उन्होंने फ्लोचार्ट के माध्यम से पहले चरणबद्ध प्रक्रिया को समझाया एवं सात क्राइटेरिया को यूनिवर्सिटी के फैकल्टीज के सामने प्रस्तुत किया. प्रत्येक क्राइटेरिया को विस्तार से पीपीटी के माध्यम से समझाते हुए उन्होंने आगाह किया कि क्राइटेरिया पर खरा उतरने की जिम्मेदारी केवल आईक्यूएसी सेल की नहीं, बल्कि संस्थान के सभी विभागों, अधिकारियों एवं कर्मियों की है. सब मिलकर कार्य करेंगे तभी अच्छे ग्रेड की आशा की जा सकती है. उन्होंने इस बात के लिए प्रशंसा की कि जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी अपनी स्थापना के केवल एक साल में ही न केवल नैक के अनुरूप कार्य कर रही है, बल्कि डॉक्यूमेंटेशन पर भी ध्यान दे रही है. उन्होंने जियोटैग के साथ फोटो की आवश्यकता बतायी और मोबाइल में भी सबको इसके साथ फोटो खींचना सिखाया. उन्होंने बताया कि केयर लिस्टेड जर्नल में पब्लिकेशन, एक्टिविटीज, सेमिनार, कांफ्रेंस का रिकॉर्ड रखना अवश्य है. डाटा वैलीडेशन एंड वेरिफिकेशन (डीवीवी) के साथ सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एसएसआर) एवं एनुअल क्वालिटी एश्यूरेंस रिपोर्ट (एक्यूएआर) के संबंध में भी उन्होंने विस्तार से बताया.

सभी सात क्राइटेरिया पर खरा उतरेंगे : कुलपति

अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता ने यूनिवर्सिटी के शुरुआत से ही नैक की जरूरतों के मुताबिक कार्य करने के लिए सभी अधिकारियों, प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाओं को बधाई दी और भविष्य में भी सभी तरह की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के साथ ही डॉक्यूमेंटेशन के लिए प्रोत्साहित किया. उन्होंने बताया कि नैक की सभी सात क्राइटेरिया के लिए यूनिवर्सिटी में अलग-अलग प्रभारियों को नियुक्त कर दिया गया है. आईक्यूएसी के साथ को-ऑर्डिनेशन करते हुए हम सभी सात क्राइटेरिया पर आदर्श स्थिति को प्राप्त करेंगे, ऐसा पूर्ण विश्वास है. मंच संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापक डॉ. नूपुर अंविता मिंज तथा धन्यवाद ज्ञापन अंगेजी विभाग की प्राध्यापक डॉ. मनीषा टाईटस ने किया.

आपकी बात

"गरीब व असहायों की सेवा करने से आत्मिक सुख की अनुभूति होती है. लोगों की मदद कर सुकून महसूस होता है."

नाम : अनिल कुमार पांडे
पद : समाजसेवी
जन्मस्थल : हजारीबाग
कार्य क्षेत्र : हजारीबाग

सामाजिक कार्यों में हर वक्त सक्रिय रहने वाले शहर के जाने माने समाजसेवी अनिल कुमार आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं. अपने आसपास के मोहल्ले में अगर कोई जरूरतमंद या असहाय हो, तो उसकी मदद करना इनके रोजमर्रा के कार्यों में शुमार है. इन्होंने मैट्रिक की पढ़ाई 1995 में हिंदू स्कूल और इंटर अन्नदा कॉलेज से किया. वर्ष 2000 में रांची विश्वविद्यालय से इतिहास प्रतिष्ठा में स्नातक की डिग्री ली. अनिल पिछले 25 वर्षों से समाजसेवा कार्य से जुड़े हैं. वर्ष 1998 में इनके मन में समाज के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा जगा और तब से समाजिक कार्यों में पूरी सक्रियता के साथ सेवा भाव से जुटे हुए हैं. अपने पिता के इकलौते पुत्र रहे अनिल कुमार अबतक अपने वार्ड में सैकड़ो लोगों को इंदिरा आवास, वृद्धा पेंशन समेत कई सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवा चुके हैं. समाज हित के कार्यों में इनका अहम योगदान रहा है. किसी भी क्षेत्र में अगर कोई अपनी समस्या बताता है, तो वह अपने निजी खर्च से सहयोग करने से भी पीछे नहीं हटने हैं. इन्होंने पंचायत स्तर पर भाजपा से जुड़कर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की. वर्तमान में सदर पूर्वी मंडल के महामंत्री के रूप में पार्टी को मजबूत करने में जुटे हुए हैं. इस पद पर अनिल विगत पांच वर्षों से काबिज हैं. इसके अलावा वह संस्कार भारती के हजारीबाग कोषाध्यक्ष का पद वर्ष 2021 से पदभार संभालते हुए लोगों को संस्कार भारती से जोड़ते रहे हैं. अनिल कुमार कहते हैं आम आदमी से लेकर गरीब व असहायों की सेवा करने से उन्हें आत्मिक सुख की अनुभूति होती है. लोगों की मदद करने के बाद उन्हें दिली सुकून महसूस होता है.

ब्रीफ खबरें

लिटरेसी क्लब में बच्चों को दी कानूनी जानकारी

पाकुड़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में जिला जज बाल कृष्ण तिवारी के निर्देश पर 7 अक्टूबर को जिदातो गर्ल्स हाई स्कूल, रहसपुर उत्क्रमित हाई स्कूल व आरजे गर्ल्स हाई स्कूल के लिटरेसी क्लब में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. रानी जोर्तिमय गर्ल्स हाई स्कूल में नुकुमुद्दीन शेख ने छात्राओं को शिक्षा अधिकार से संबंधित जानकारी दी. बताया कि मौलिक अधिकार के रूप में छह से चौदह वर्ष के आयु समूह में सभी बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है. पीएलवी कमला राय गांगुली ने छात्राओं को जन्म व मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 व अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत जानकारी दी.

दोमुहानी नदी तट पर चलाया स्वच्छता अभियान

जमशेदपुर। रोट्रेक्ट क्लब ऑफ डीबीएमएस कॉलेज, डीबीएमएस ईको क्लब और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा संयुक्त रूप से शनिवार को दोमुहानी नदी तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया. घाट पर फेंके हुए प्लास्टिक के बोतल, पॉलीथिन बैग एवं अन्य कचरे को इकठ्ठा किया गया. कॉलेज की छात्रा शैलजा और रंजना रोसलिन किसपोट्टा के नेतृत्व में छह बोरा कचरा इकठ्ठा किया गया. नदी की तरफ जाने वाली सीढ़ियों की सफाई की गई. कॉलेज की छात्रा शैलजा और रंजना ने पोस्टर के माध्यम से लोगों को बताया कि जैसे अपने घर को साफ रखते हैं वैसे ही अपने आसपास भी सफाई रखें.

सेंट जोसेफ कॉन्वेंट से निकाली गई रैली

घाटशिला। स्वच्छ भारत अभियान के तहत शनिवार को सेंट जोसेफ कॉन्वेंट हाई स्कूल कशीदा से बच्चों ने जागरूकता रैली निकाली. जागरुकता रैली प्रिंसिपल सिस्टर अन्ना के नेतृत्व में निकाली गई. इसमें स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के सहयोग से स्कूली छात्रों ने क्षेत्र के लोगों को सफाई को लेकर जागरूक किया. प्रिंसिपल सिस्टर अन्ना ने बताया कि अपने घर के आस-पास साफ-सफाई रखना बहुत जरूरी है. बर्तन में या गड्ढे में जल जमा नहीं होने दे. इससे मच्छर का लार्वा बनता है. मौके पर मुख्य रूप से सिस्टर रोजा, सिस्टर आरोकिया, तथा शिक्षक शिक्षिकाओं में आशीष, मृत्युंजय, आलोक, रुबीना, कनक, मेनका, प्रीति, फ्लोरा, किरण और मोनालिसा उपस्थित थी.

क्लासिफाइड

करीम सिटी कॉलेज के भूगोल विभाग में रंगारंग फ्रेशर्स पार्टी आयोजित

नृत्य और संगीत के साथ हुआ स्वागत

संवाददाता | जमशेदपुर

साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज में भूगोल विभाग में शुक्रवार को सत्र 2023-27 में नवनामांकित प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रियाज एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. आले अली उपस्थित थे. भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. आले अली ने सभी का स्वागत किया. इसी क्रम में प्रथम, द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने विभाग के अध्यापकों के साथ एवं भूगोल के विद्यार्थी के रूप में अपने अनुभवों को साझा किया. आयुष मित्रा एवं इस्मत फातिमा ने संगीत प्रस्तुत किये. साथ ही प्रिंस प्रसाद ने नृत्य प्रस्तुत किया. कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रमुख डॉ. अनवर शाहब ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया. इसके बाद विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी मिशबा अली, अभिनाश, प्रिया, कुमारी निशा, रॉकी दास, फलक नाज, रौनक काबरा को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रमुख डॉ. अनवर शाहब, भूगोल विभाग की शिक्षक डॉ. फरजाना अंजुम, डॉय पासारुल इस्लाम, हिंदी विभाग के डॉ. फिरोज आलम, दर्शन शास्त्र के अध्यापक डॉ. मुजाहिदुल हक, डॉ. अब्दुल लतीफ, इतिहास विभाग के डॉ. मो शहनवाज राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक सैयद साजिद परवेज एवं भूगोल विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे.

कार्यक्रम में शामिल शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी.

नैतिकता और कॉर्पोरेट संस्कृति पर हुई चर्चा

करीम सिटी कॉलेज के डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से शुक्रवार को ''सोल 2.0'' व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया. इसमें नैतिकता और कॉर्पोरेट संस्कृति के महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृच चर्चा की गई. सत्र में विशेष आमंत्रित अतिथि अबुसाद अहमद सिद्दीकी ने छात्रों को कॉर्पोरेट दुनिया में युक्त होने की सलाह दी. कॉर्पोरेट दुनिया में नैतिकता के महत्व को समझाया और कॉर्पोरेट संस्कृति के संदर्भ में ज्ञान साझा किया. सत्र की अध्यक्षता मास कम्युनिकेशन विभाग की हेड डॉ. नेहा तिवारी ने की. इसमें मुख्य रूप से कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बीएन त्रिपाठी भी उपस्थित थे. सत्र का संचालन उम्मे हबीबा और आफिफा जमान ने किया. उन्होंने कॉलेज के मैनेजमेंट क्लब की दायित्वों पर प्रकाश डाला. ताजबीन ने धन्यवाद ज्ञापन किया. व्यापार प्रबंधन विभाग के हेड डॉ. आफताब आलम ने छात्रों को भविष्य में भी इस तरह के सत्रों का आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें समर्थन दिया कि वे नैतिकता और कॉर्पोरेट संस्कृति के मामले में आत्म-संज्ञान की सीख दी. इस सत्र के माध्यम से कॉलेज ने छात्र-छात्राओं को नैतिक दृष्टिकोण और समरसता के साथ कॉर्पोरेट दुनिया में कदम आगे बढ़ाने के प्रति प्रेरित किया गया.

मानसिक तनाव व बचाव पर चर्चा

करीम सिटी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में शुक्रवार को एक गोष्ठी का आयोजन किया गया. इसमें आमंत्रित रिसोर्स पर्सन वर्कर्स कॉलेज से सेवानिवृत्त प्रो. एस सोरेन ने व्याख्यान प्रस्तुत किया. व्याख्यान का विषय था- मानसिक तनाव. उन्होंने मानसिक तनाव के लक्षणों, कारणों तथा उसके दुष्परिणाम की विस्तृत चर्चा की तथा उसे सुरक्षित रखने के कुछ उपाय भी बताये. उन्होंने बताया कि हमें अपनी दिनचर्या में तथा अपने जीवन के प्रति दृष्टिकोण में भी परिवर्तन लाना चाहिए. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. फिरोज इब्राहिम ने की. उन्होंने कहा कि मानसिक तनाव दो प्रकार के होते हैं. एक मानसिक तनाव तो वह है जो विद्यार्थियों के अंदर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए होता है और यह हानिकारक नहीं है लेकिन जीवन की उलझनों को लेकर जब मनुष्य के अंदर मानसिक तनाव बढ़ता है और वह अधिकतम सीमा तक पहुंचता है तो शारीरिक रूप से उसे बीमार कर देता है. वह स्वास्थ्य के लिए घातक साबित होता है.

छात्रों का बीए इंजीनियरिंग कॉलेज ने किया मार्गदर्शन

संवाददाता | घाटशिला

संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में शनिवार को विद्यालय के करियर मार्गदर्शन विभाग द्वारा कक्षा 12वीं साइंस के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम हुआ. बीए इंजीनियरिंग कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज से आए परामर्शदाताओं ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया. सत्र की शुरुआत शिक्षक प्रभारी अनूप कुमार पटनायक ने दोनों काउंसलर प्रियंका सिंह और टीना महतो का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों से परिचय करवाया. विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए टीना महतो ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में बच्चे जल्दी-जल्दी बड़े हो जाते हैं. युवा अवस्था को सही दिशा में ले जाने की चिंता भी बढ़ जाती है. छोटी कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने सभी को अपने जीवन का सही लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया.

खास बातें

- परामर्शदाताओं ने बताया युवा कैसे रहे स्वस्थ
- जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए किया प्रेरित

बीबीएमकेयू में पीजी के 43% विद्यार्थी हुए फेल

संवाददाता | धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के पीजी सेमेस्टर-4 सत्र 2021-23 और ओल्ड सेशन की परीक्षा में लगभग 43% विद्यार्थी एनसीएल (नॉट क्लीयर्ड) की श्रेणी में शामिल हैं. कुल 57.44% विद्यार्थी ही पास हुए हैं. यह घोषणा बीबीएमकेयू परीक्षा बोर्ड की बैठक के बाद की गई. 7 अक्टूबर को बैठक में चर्चा के बाद रिजल्ट की घोषणा की गई. बैठक की जानकारी देते हुए पीआईओ डॉ. अजय कुमार ने बताया कि पीजी सेम-4 की परीक्षा में 2627 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 1509 विद्यार्थी पास हुए हैं. जबकि 669 विद्यार्थी एनसीएल व बाकी विद्यार्थी फेल हैं. बैठक में परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुमन कुमार बरनवाल, प्रभारी डीएसडब्ल्यू डॉ. सुधीनता सिन्हा के अलावा सभी डीन, सभी हेड, पीआईओ और ओएसडी मौजूद थे.

पीएचडी कोर्स वर्क में 50% अंक वाले होंगे पास

बैठक में पीएचडी कोर्स वर्क में प्रत्येक पत्र में 50% अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व 55% एग्रीगेट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पास करने पर भी मुहर लगाई गई. बैठक में निर्णय लिया गया कि बदले नियम के आधार पर कोर्स वर्क का संशोधित परीक्षा फल प्रकाशित किया जाएगा. साथ ही बाघमारा कॉलेज के यूजी सेमेस्टर सिक्स बॉटनी विषय के 6 छात्रों का परीक्षा फल प्रकाशित करने का भी निर्णय लिया गया. इंटरनल मार्क्स के अभाव में इन विद्यार्थियों का रिजल्ट लंबित था. बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ. शुकदेव भोई ने की.

रोटरी क्लब की ओर से मिले हैंड वाश के टिप्स

जमशेदपुर। रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर की ओर से शुक्रवार को स्वच्छता अभियान के तहत बागबेड़ा कॉलोनी स्थित राजेंद्र मध्य विद्यालय में स्वयं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें विषय विशेषज्ञ डॉ. सौरभ बनर्जी ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भोजन करने से पहले और शौच के बाद हाथों को बहुत अच्छी तरह धोने की जरूरत पर बल दिया. डॉ. सौरभ ने बच्चों को ब्रश करने के सही तरीके भी समझाये. इसके बाद उपस्थित लगभग 200 छात्र-छात्राओं को हैंडवाश की बोतल और टूथपेस्ट दी गयी. इस अवसर पर कमेटी के चेयरमैन कौस्तुभ कुमार ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापिका शीला ने किया. कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन प्रमोद दुबे, सचिव डॉ वीएसपी सिन्हा, शिक्षक पशुपति मिश्रा समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

बाल विवाह करने वाले भी जा सकते हैं जेल : शंकर रवानी

संवाददाता | गोमो

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट व कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन की ओर से शनिवार को केंद्रीय विद्यालय गोमो में बाल विवाह मुक्त धनबाद निर्माण विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार को संबोधित करते हुए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक प्रो. शंकर रवानी ने कहा कि बाल विवाह करने व कराने वाले दोनों समान रूप से दोषी हैं. उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है.

प्रो. रवानी ने छात्र व छात्राओं को बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल यौन शोषण पर विस्तार से बताया. उन्होंने बच्चों की भाषा में उदाहरण देकर बाल विवाह के दुष्परिणाम, बाल यौन शौषण वबाल तस्करी से बचाव, गुड टच व बैड टच की जानकारी दी. उन्होंने बाल विवाह अधिनियम 2006, लैंगिग अपराध अधिनियम 2012 के बारे में छात्रों व शिक्षकों को बताया. इस अवसर पर प्राचार्य विभूति पांडेय ने कहा कि जागरूकता से ही बाल विवाह, बाल यौन शौषण व तस्करी से बचा जा सकता है. उन्होंने सभी छात्रों को प्रो. रवानी की बातों पर अमल करने की अपील की. अंत में सभी छात्रों व शिक्षकों ने बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण की शपथ ली. मौके पर शिक्षक राजा कुणाल, के चक्रवर्ती, सुमित घोषाल, अभय कुमार, सुजीत कुमार महतो, रोहित कुमार मंडल, राकेश पोद्दार, शिव आशीष रंजन, रेणु कुमारी, उषा कुमारी, शमा प्रवीण, नीलम कुमारी, श्वेता गुप्ता, अदिति मुखर्जी, कुमारी प्रतिभा, डी पार्वती आदि मौजूद थे.

खास बातें

- केंद्रीय विद्यालय गोमो में शिक्षकों व छात्रों ने ली शपथ
- बाल तस्करी और बाल यौन शोषण पर भी किया जागरूक

प्रदर्शनी | 500 बाल वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किये 360 सृजनात्मक प्रदर्श, अतिथियों ने सराहा

ज्ञान, गणित व संगणक प्रदर्श मेले में दिखा हुनर

संवाददाता | कतरास

सरस्वती शिशु मंदिर श्यामडीह में विज्ञान, गणित एवं संगणक प्रदर्श मेला का आयोजन किया गया. उद्घाटन विद्यालय के अध्यक्ष प्रदीप खेमका एवं सचिव विक्रम कुमार राजगढ़िया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर एवं तिलक लगाकर किया गया. इस मौके पर विद्यालय के 500 बाल वैज्ञानिकों ने अपने 360 सृजनात्मक प्रदर्श प्रस्तुत किये. आईआईटी आईएसएम व सिम्फर धनबाद के वैज्ञानिकों द्वारा सभी प्रदर्श का मूल्यांकन किया गया. विद्यालय के प्राचार्य अभिमन्यु कुमार, उप प्राचार्य श्रीमती श्रेया सरकार, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा. प्राचार्य ने बताया कि बच्चों के बीच इस तरह के मेले से उनमें खोज की प्रवृत्ति व सीखने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में आवश्यक है. विद्यालय के अध्यक्ष प्रदीप खेमका ने मेले में शामिल सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया व सभी को नई खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया. सचिव विक्रम कुमार राजगढ़िया ने आईआईटी आईएसएम एवं सिम्फर के वैज्ञानिकों का आभार प्रकट किया.

प्रतियोगिता में विजयी छात्रा को किया गया सम्मानित

गिरिडीह। सिरसिया स्थित बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल की छात्रा प्रगति सिन्हा ने तृतीय झारखंड स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रतियोगिता 2023 के अंडर-17 वर्ग में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया. छात्रा के विद्यालय आने पर प्रातः प्रार्थना स्थल पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी हाजरा की उपस्थिति में जीव विज्ञान के शिक्षक डॉ. एनपी राठौर ने छात्रा को सम्मानित किया. यह प्रतियोगिता रांची में 30 सितंबर से 2 अक्टूबर को संपन्न हुई. इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशक सह प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल झारखंड जोन-एच डॉ. पी हाजरा ने कहा कि समय-समय पर होने वाली राज्य स्तरीय व जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में हमारे विद्यालय के छात्र बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं.

जामाडोबा डिग्री कॉलेज का भवन निर्माण पूरा

- 9 अक्टूबर को रोल नंबर वितरण, 11 से शुरू होंगी कक्षाएं

संवाददाता | जोड़ापोखर

झरिया विधानसभा क्षेत्र के एकमात्र डिग्री कॉलेज जामाडोबा में 9 अक्टूबर के बाद छात्र-छात्राओं की पढ़ाई की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. शनिवार को भवन निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अभियंता अमर कुमार व समीर तिगा ने डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल आरपी सिंह को भवन सुपुर्द कर दिया. सिंह ने बताया कि बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति शुकदेव भोई से शिक्षकों की कमी को दूर करने की मांग की गई है. उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 14 कॉलेज में सिर्फ गणित के तीन ही शिक्षक हैं. दूसरे कॉलेजों से शिक्षक मंगा कर पढ़ाई पूरी की जाएगी. फिलहाल लैब के लिए कंट्रोलर व वर्कर के अलावा दो लिपिक की जरूरत है. उन्होंने बताया कि टाटा स्टील फाउंडेशन ने कहा है कि जल्द ही कॉलेज में अनुसूचित जाति-जनजाति की छत्रवृत्ति के लिए परीक्षा ली जाएगी. प्राचार्य ने कहा कि सोमवार को 654 छात्र छात्राओं के बीच रोल नम्बर वितरण किया जाएगा व बुधवार से क्लास शुरू हो जाएंगे.

चुनाव में ठोक रही है ताल, पर अंदरूनी विवाद व अनुशासनहीनता सतह पर, पार्टी में मचा है घमासान

धनबाद कांग्रेस में चल रहा 'गाछे कटहल होंठे तेल' का खेल

अमित सिन्हा। धनबाद

लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव में बुरी तरह पिटने वाली कांग्रेस भाजपा को आगामी लोकसभा चुनाव में शिकस्त देने के लिए ताल ठोंक रही है, जबकि पार्टी का अंदरुनी विवाद नेताओं को आपस में ही भिड़ने को विवश कर रहा है. विवशता दोनों ओर है. भाजपा से लड़ना जरूरी है, मगर पार्टी में कोई ओहदा न मिले तो सब कुछ बेकार लगता है. नेता दुविधा में हैं, तो पार्टी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही. हालांकि कांग्रेस के नेता कह रहे कि पार्टी में सब ठीक ठाक है, मगर ऐसा लग नहीं रहा है. लोकसभा चुनाव के लिए बूथ कमेटी बनाना टेढ़ी खीर साबित हो रही है तो टिकट के लिए अभी से एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ भी मची हुई है. कुल मिला कर पार्टी 'गाछे कटहल होठे तेल' वाली कहावत को चरितार्थ करती दिख रही है.

इस्तीफा व मान-मनौव्वल : शुक्रवार 6 अक्टूबर को उस समय स्थिति विचित्र हो गई, जब लोकसभा समन्वय समिति की पहली बैठक में ही प्रभारी मंत्री बन्ना गुप्ता ने इस्तीफे की घोषणा कर दी. फिर तो मान-मनौव्वल का दौर भी शुरू हो गया, मगर जिले में पार्टी के अंदरूनी विवाद के साथ अनुशासनहीनता सतह पर आ गई. शायद इस बैठक में विरोध का अंदेशा प्रदेश अध्यक्ष को पहले ही लग गया था, जिससे वह बैठक में शामिल ही नहीं हुए.

खास बातें

- अंदरुनी विवाद से नेता आपस में भी भिड़ने को विवश
- लोकसभा चुनाव के लिए बूथ कमेटी बनना टेढ़ी खीर

लगातार हो रहा जिलाध्यक्ष का विरोध

लोकसभा चुनाव समन्वय समिति की बैठक में सबसे पहले मनोज यादव ने जिलाध्यक्ष संतोष सिंह का विरोध शुरू किया. इसके बाद मदन महतो व रविंद्र वर्मा सहित कई नेताओं ने जिलाध्यक्ष पर आरोपों की झड़ी लगा दी. मनोज ने कहा कि जिसने विधानसभा चुनाव में झरिया के कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध किया, उसे किस आधार पर जिलाध्यक्ष बना दिया गया. विधानसभा चुनाव में पार्टी विरोधी काम करने के लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था. विरोध में कांग्रेसियों ने यह भी कह दिया कि जिलाध्यक्ष अंदरूनी रूप से भाजपा के लिए काम कर रहे हैं.

मंत्री ने क्यों की इस्तीफे की घोषणा

प्रभारी मंत्री बन्ना गुप्ता का धनबाद में लगातार कार्यक्रम हो रहा है. इससे पार्टी नेताओं को आभास होने लगा है कि बन्ना गुप्ता धनबाद से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. शुक्रवार को लोकसभा चुनाव समन्वय समिति की बैठक में नेताओं ने एक स्वर में कहा कि स्थानीय नेता को ही लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया जाए. इस बार हैलीकॉप्टर उम्मीदवार नही चलेगा. जिलाध्यक्ष व बाहरी उम्मीदवार का विरोध देख कर मंत्री को शायद अपनी दाल गलती हुई नहीं दिखी, तो उन्होंने इस्तीफे की घोषणा कर दी.

ददई दुबे की एंट्री से भी मचा है घमासान

सूत्रों की मानें तो लोकसभा चुनाव से पहले धनबाद में पूर्व लोकसभा सदस्य ददई दुबे की सक्रियता से भी खलबली मची हुई है. स्थानीय नेताओं के बीच आशंकाओं व संभावनाओं का मंथन जारी है. ददई दुबे के समर्थक इस बार बाबा के टिकट और जीत दोनों को सुनिश्चित समझ रहे हैं, जबकि अन्य नेता, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में पार्टी का उम्मीदवार बनने की लालसा पाल रखी है, उनकी आंखों की किरकिरी बन गए हैं.

आओ जानें

गोमिया से कब कौन जीतकर पहुंचा विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	निर्दलीय	माधव लाल सिंह
2005	भाजपा	छत्रू राम महतो
2009	कांग्रेस	माधव लाल सिंह
2014	झामुमो	योगेंद्र प्रसाद
2018	झामुमो	बबीता देवी
2019	आजसू	लंबोदर महतो

ब्रीफ खबरें

झामुमो की बैठक में प्रखंड इकाई का गठन

कोडरमा। झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रखंड इकाई के गठन को लेकर शनिवार को यहां बैठक की गई. बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष मो. खलील ने की, बैठक में अध्यक्ष साकीर अहमद, सचिव मों सोहराब, उपाध्यक्ष समीम अंसारी यासीन अंसारी, जावेद अंसारी, संगठन सचिव रफीक अंसारी संयुक्त सचिव फयाज अंसारी, एरकान अहमद,कोषाध्यक्ष साहजहां अंसारी व निगरानी समिति मे समसुल अंसारी, मंजूर आलम, शाबीर अली सुलेमान अंसारी का चयन किया गया.

ऐतिहासिक होगी मरांडी की जनसभा : डॉ गोस्वामी

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा शाखा मैदान में 12 अक्तूबर को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की सभा होने वाली है. इस जनसभा के लिए शनिवार को बहरागोड़ा के झांजिया स्थित शिशु भवन परिसर में भाजपा बड़शोल मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष आशीष महापात्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई . बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार अपने चार वर्षों के कार्यकाल में झारखंड को काफी पीछे ढकेल दिया है.जिसकी भरपाई में काफी समय लगेगा.

जल्द हो जातीय जनगणना : लालचंद

रांची। पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष और झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री लालचंद महतो ने झारखंड में भी जल्द जातीय जनगणना कराने की मांग की है. उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में जातीय जनगणना करने का साहसिक कदम उठाया है, जिसका पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा सराहना करता है. झारखंड में फिलहाल इंडिया गठबंधन की ही सरकार है. ऐसे में झारखंड में भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सभी दलों को विश्वास में लेकर अविलंब जातीय जनगणना कराने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्ताव पास कराना चाहिए.

आजसू पार्टी संगठन विस्तार पर होगी बैठक

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की अध्यक्षता में रविवार को संगठन विस्तार को लेकर बैठक होगी. इसमें पार्टी के सांसद, विधायकों, पूर्व मंत्रियों, जिला परिषद अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों एवं प्रमुख नेताओं के साथ संगठन विस्तार पर चर्चा होगी. बैठक हरमू स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में होगी. बैठक में हाल में हुए महाधिवेशन में लिए गए नवनिर्माण संकल्प समागम के निर्णयों पर चर्चा होगी.

इस्तीफे की घोषणा पर पुनर्विचार करें

धनबाद। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव रवींद्र वर्मा के आवासीय कार्यालय में शनिवार को बैठक हुई. जिसमें शुक्रवार को समन्वय समिति की बैठक पर चर्चा की गई. स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा विभिन्न समितियों से इस्तीफे की घोषणा पर उनसे पुनर्विचार करने का आग्रह करने का निर्णय लिया गया. श्री वर्मा ने कहा कि प्रभारी मंत्री के इस्तीफे की घोषणा से सभी कार्यकर्ता आहत हैं. उनके द्वारा पार्टी के हित में किए गए कार्यों से सभी कार्यकर्ता संतुष्ट हैं. उनके कार्यों से संगठन सशक्त हुआ है.

पीपीए और जेएसईआरसी एप्रूवल लेटर का अध्ययन करवा लेना चाहिए

बाबूलाल के आरोप पर ऊर्जा एमडी केके वर्मा ने रखा पक्ष

संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के आरोप पर ऊर्जा विभाग ट्रांसमिशन निगम के एमडी केके वर्मा ने पक्ष रखा है. एमडी ने ऊर्जा संचरण निगम के एक टेंडर को लेकर उठाए गए सवाल और भ्रष्टाचार को पक्ष रखा है. उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी पूर्व सीएम रह चुके हैं, यह आरोप लगाने से पहले उन्हें पूरा पीपीए एक बार पढ़ लेना चाहिए, या फिर किसी जानकार से पढ़वा लेना चाहिए. उनसे इतनी हल्की बात की उम्मीद नहीं की जा सकती है.

वर्मा ने कहा कि आरोप लगाने से पहले बिजली अफसरों से बात कर लेनी चाहिए थी. उन्होंने कहा कि पतरातू के पूरे प्रोजेक्ट की कड़ी मॉनिटरिंग होती है. 2016 में ही नियामक आयोग ने इसे रूल एंड रेगुलेशन के तहत एप्रुव कर दिया था. बिजली दर और टैरिफ की रेट 3.10 रुपये तक फिक्स हो चुका है. मेहता भी अभी हैं, उनसे भी बात की जा सकती थी. मगर बिना जाने या समझे किसी तरह का आरोप लगा देना पूरी तरह से गलत है.

वर्मा ने कहा कि बाबूलाल ने आरोप लगाया है कि जेएसईआरसी के अनुमोदन के बिना टेंडर निकला है, और यह सरकारी राशि का दुरपयोग है. अगर भविष्य में बिजली दर निर्धारण के समय यह खर्च न्यायसंगत नहीं हुआ तो जेएसईआरसी टैरिफ निर्धारण पर कोई विचार नहीं करेगा. वर्मा ने कहा कि बहुत अजीब बात है बिना जानकारी लिए यह बातें कही गईं.

वर्मा ने झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग का 26 फरवरी 2016 का एप्रुवल लेटर जारी किया और कहा कि बाबूलाल को इस पत्र को पढ़ना चाहिए था. आयोग के एप्रुवल लेटर को मंगवा लेना चाहिए था. पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड जेबीवीएनएल की ज्वाइंट वेंचर कंपनी है. एक-एक चीज का काम सेंट्रल स्तर पर कड़ी मॉनिटरिंग के तहत किया जा रहा है. एनटीपीसी राज्य की कंपनी नहीं बल्कि एक सेंट्रल पावर सेक्टर की कंपनी है.

ऊर्जा विभाग के एमडी केके वर्मा (बाएं), दाएं विभाग द्वारा जारी किया गया पत्र.

बाबूलाल मरांडी ने सीएम को चिट्ठी लिख कर कहा

टेंडर निकालने में ऊर्जा विभाग ने की बड़ी गड़बड़ी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चिट्ठी लिख कर कहा है कि ऊर्जा विभाग में भ्रष्टाचार है. उसपर कार्रवाई का आदेश दें. बाबूलाल ने चिट्ठी में लिखा है कि झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड (जेयूएसएनएल) ने एक टेंडर निकाला है. लेकिन इसके लिए झारखंड राज्य विद्युत विनियामक आयोग (जेएसईआरसी) से स्वीकृति नहीं ली गई है. विनियामक आयोग के मुताबिक, अभी इस टेंडर की कोई जरूरत नहीं है. बाबूलाल ने बताया कि चांडिल और कोडरमा ग्रिड सब स्टेशन के लिए टेंडर निकला है, जिसकी अनुमानित लागत 169 और 213 करोड़ रुपये है. कहा कि जेएसईआरसी के अनुमोदन के बिना टेंडर निकालना सरासर सरकारी राशि का दुरुपयोग है. क्योंकि अगर भविष्य में बिजली दर निर्धारण के समय यह खर्च न्यायसंगत नहीं हुआ, तो जेएसईआरसी टैरिफ निर्धारण में कोई विचार नहीं करेगा.

खास बातें

- ऊर्जा विभाग में भ्रष्टाचार सीएम कार्रवाई का आदेश दें
- टेंडर निकाल कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया

बलियापुर और अन्य जगहों के लिए भी टेंडर निकाला गया था

बाबूलाल ने सीएम को बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक, जेएसईआरसी के द्वारा 175 करोड़ रुपये का थ्रेस होल्ड लिमिट तय किया गया है. अगर उसके ऊपर कोई कार्य का निष्पादन होना है तो उसे टीबीसीबी के माध्यम से होना है, न कि आरटीएम के जरिये. फिर भी नियम के विरुद्ध 213 करोड़ रुपये का काम कराया जा रहा है. बाबूलाल ने कहा कि बलियापुर और अन्य जगहों के लिए भी टेंडर निकाला गया. जिसपर जेएसईआरसी की स्वीकृति नहीं ली गई है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ऊर्जा विभाग के भी मंत्री हैं और उनकी कृपा दृष्टि के बिना अधिकारी इतनी बड़ी गड़बड़ी नहीं कर सकते हैं.

अगर पाक साफ हैं तो ईडी का सामना करें सीएम : बाबूलाल

आशीष टैगोर। लातेहार

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं झारखंड सरकार पर जमकर हमला बोला. कहा कि अगर मुख्यमंत्री इतना ही पाक साफ हैं तो ईडी के सवालों का सामना क्यों नहीं कर रहे हैं. जवाब देने की बजाय अदालतों में गुहार लगाते फिर रहे हैं. मरांडी शनिवार को बरवाडीह हाई स्कूल में आयोजित संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है. वह इस भ्रष्ट सरकार के बॉस हैं और खुद भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. ऐसे में कैसे ईडी का सामना करेंगे. सरकार बालू, पत्थर, कोयला व लोहा तस्करों को संरक्षण दे रही है. पुलिस के माध्यम से वसूली में लगी हुई है. उन्होंने आगामी चुनाव में इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की. कहा कि अब भ्रष्ट व अपराध मुक्त झारखंड बनाने की जरूरत है. इससे पहले मरांडी के अलावा संगठन महामंत्री कर्मवीर, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, संगठन प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा, प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह, जिप अध्यक्ष पूनम देवी व जिप सदस्य संतोषी शेखर समेत अन्य अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट करके सम्मानित किया गया.

प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं की तारीफ की

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार की सराहना की. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा समाज के हर तबके के लोगों के लिए योजनाएं चलायी जा रही है. केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, शौचायल योजना, आवास योजना, पेंशन योजना व गरीबों के लिए राशन दिया जा रहा है .सरकार ने इस बार लोकसभा व विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया है.

बीजेपी का थामा दामन

कार्यक्रम में कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष संजय जायसवाल व उनके तकरीबन डेढ़ सौ लोगों ने बीजेपी का दामन थामा. बाबूलाल मरांडी ने उन्हें भाजपा की पट्टी भेंट कर स्वागत किया. बता दें कि संजय जायसवाल पूर्व में भाजपा में थे. उन्होंने कहा कि आज उनकी घर वापसी हुई है. इसके अलावा मनिका विधायक रामचंद्र सिंह के समर्थक रहे शिबू साव औऱ खुरा मुखिया जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में तकरीबन एक सौ से ज्यादा लोगों ने भाजपा का दामन थामा.

संकल्प यात्रा को लेकर भाजपाइयों ने की बैठक

घाटशिला। भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ चक्रवर्ती के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों की एक बैठक स्थानीय एक होटल में शनिवार को आयोजित हुई. बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की 12 अक्टूबर को घाटशिला के राजस्टेट मैदान में आयोजित होने वाली संकल्प यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई. संकल्प यात्रा कार्यक्रम में पंचायत से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता शामिल होंगे. कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू एवं जिला प्रभारी नंदजी प्रसाद ने जिला अध्यक्ष सौरभ चक्रवर्ती सहित अन्य पार्टी के पदाधिकारी के साथ विस्तृत चर्चा की.

जदयू प्रवक्ता ने की चादरपोशी

संवाददाता। रांची

उर्स के मौके पर शनिवार को जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा की दरगाह में चादरपोशी कर राज्यवासियों के लिए खुशहाली की दुआ की. दरगाह कमेटी के नव निर्वाचित सदर अय्यूब गद्दी द्वारा पगड़ी बांध कर उनका इस्तकबाल किया गया. इस दौरान उन्होंने दरगाह कमेटी के पदधारियों से मुलाकात की और उर्स मेला से सम्बंधित चर्चा की. मौके पर समाजसेवी मो. सरफराज, दरगाह कमेटी के बेलाल अहमद, प्रवक्ता महबूब भाई, जावेद खान एवं अन्य उपस्थित थे.

हेमंत सरकार संवेदनहीन : पवन साहू

संवाददाता। हजारीबाग

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू शनिवार को हजारीबाग पहुंचे. मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार संवेदनहीनता की प्रकाष्ठा को पार कर चुकी है. आज के समाचार ने पूरे झारखंड वासियों का हृदय को तार-तार कर दिया है. मुख्यमंत्री के क्षेत्र में एक ही परिवार से तीन पहाड़िया जनजाति की मौत हो जाना और बीच कीचड़ में चार-पांच घंटे तक लाश का पड़े रहना, यह मुख्यमंत्री के लिए दुर्भाग्य की बात है.

खास बातें

- झाखंडवासियों के दिल को तार तार कर दिया
- आदिवासियों के हित में भी कोई काम नहीं किया

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने आप को आदिवासियों का नेता समझते हैं और आदिवासियों के प्रति की संवेदना मर चुकी है. उनके अपने विधानसभा जिला क्षेत्र की घटना है. पहाड़िया जनजाति समाज को बचाने के लिए भारत सरकार के अनेक योजना चलाकर उन्हें संरक्षित किया जा रहा है. वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार उन्हें अनदेखी कर रही है. इसका प्रमाण एक ही परिवार से तीन लोगों की मौत से समझा जा सकता है. उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि पीड़ित परिवार वालों को एक व्यक्ति पर 10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा करें.

प्रदेश मंत्री मनमीत अकेला ने कहा है कि इस घटना ने सरकारी सिस्टम की पोल खोल दी है. सरकार विलुप्त होती हुई जनजाति को भी संरक्षित नहीं कर पा रही है. सरकार को अविलंब पीड़ित परिवार को मुआवजा देना चाहिए.

कांग्रेस पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक, नाराज कार्यकर्ताओं ने कहा-

कांग्रेस के मंत्री संगठन के प्रति उदासीन

संवाददाता। घाटशिला

कांग्रेस पार्टी की घाटशिला में विधानसभा स्तरीय मंडल एवं प्रखंड अध्यक्षों की बैठक शनिवार को आयोजित की गई. बैठक में घाटशिला विधानसभा प्रभारी देबू चटर्जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए. उन्होंने विभिन्न प्रखंड एवं मंडल के अध्यक्षों से संगठन के विकास पर विस्तृत से चर्चा की. प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार में शामिल कांग्रेस पार्टी के मंत्री भी संगठन के प्रति काफी उदासीन हैं. पार्टी के किसी भी कार्यक्रम में मंत्री कार्यकर्ताओं से नहीं मिलते हैं और न ही क्षेत्र की समस्याओं पर गंभीर हैं. कई कार्यकर्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता निष्क्रिय हो चुके हैं. वैसे कर्मठ और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को बिना किसी मतभेद के संगठन से जोड़ना होगा.

मिलकर संगठन को मजबूत करना है

देबू चटर्जी ने कहा कि हम सब एक साथ मिलकर संगठन को मजबूत करें ताकि 2024 में होने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूरे राज्य में परचम लहरा सके. बैठक प्रमुख रूप से जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष अमित राय, प्रखंड अध्यक्ष सत्यजीत सीट, बारागोड़ा विधानसभा प्रभारी तापस चटर्जी, मोहम्मद फारूक, शिवाजी चटर्जी, संजय साव उपस्थित थे.

आदित्यपुर | जनता दल यूनाइटेड महिला प्रकोष्ठ का कार्यकर्ता सम्मेलन, बोले खीरू महतो

नीतीश कुमार ने महिलाओं को दिया सबसे ज्यादा सम्मान

संवाददाता। आदित्यपुर/रांची

झारखंड जनता दल यूनाइटेड महिला प्रकोष्ठ का कार्यकर्ता सम्मेलन आदित्यपुर में आयोजित किया गया. कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरु महतो ने कहा कि महिलाओं के बारे में अगर किसी ने सोचा है तो वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं.कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला जदयू की कार्यकारी अध्यक्ष रेनू गोपीनाथ पणिकर ने किया. मौके पर जोहर जीविका परिवार के नाम से संस्था का शुभारंभ किया गया. रेनू ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक रूप से महिलाओं को सशक्त करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.

महिलाओं को अपने हक के लिए लड़ना होगा. वे संगठन की नीति सिद्धांत पर चलते हुए समाज को सशक्त करने में महिलाएं अपनी अहम भूमिका निभाए.

खास बातें

- महिलाओं को अपने हक के लिए लड़ना होगा
- भाजपा ने महिलाओं को ठगने का काम किया है

महिलाओं के हित में काम किया

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरु महतो ने कहा कि भाजपा ने महिलाओं को ठगने का काम किया है. महिलाओं के विषय में अगर किसी ने सोचा है तो वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं. जिन्होंने बेटियों को रोजगार में 35 प्रतिशत, शिक्षा में 50 प्रतिशत और पंचायती राज में 50 प्रतिशत आरक्षण देकर एक मिसाल कायम किया है. महिला हित में जितना कम नीतीश कुमार ने किया है, वह पूरे भारत में आज तक किसी ने नहीं किया.

झारखंड में भी हो शराबबंदी : निर्मल सिंह

वहीं जदयू युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सिंह ने समाज के लोगों को नशा छोड़ने का आह्वान किया और झारखंड में भी शराबबंदी की मांग की. मौके पर युवा जदयू के प्रदेश महासचिव अजय कुमार, प्रदेश महासचिव अंजली सिंह, संजय ठाकुर, कौशल कुमार, प्रदेश सचिव कमल चौबे, युवा जदयू के प्रदेश महासचिव बृजमोहन सिंह, प्रदेश सचिव रोशन शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे.

जांच एजेंसियां राज्य सरकारों को परेशान कर रही हैं : सुनील

संवाददाता। बोकारो

बोकारो निवासी इंजीनियरिंग प्रशिक्षु सुनील मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से कई राज्यों की सरकार को ईडी व सीबीआई परेशान कर रही है, जबकि उनकी जांच में क्या आता है, यह सब को जानकारी है. केंद्रीय एजेंसी का दुरुपयोग बंद होना चाहिए. इन एजेंसियों को स्वत्रंत होकर काम करने की छूट मिलनी चाहिए, लेकिन सभी जांच एजेंसी केंद्र सरकार के प्रभाव में काम करती है. ऐसे में अगर राज्य सरकार को परेशान किया जाता है, तो इसका सीधा असर राज्य के विकास पर पड़ता है.

विपक्षी दलों को परेशान कर रही है : रक्षिता कुमारी

बोकारो निवासी बीएड प्रशिक्षु रक्षिता कुमारी ने कहा कि केंद्र सरकार को चाहिए कि जांच एजेंसी ईडी व सीबीआई को स्वत्रंत होकर काम करने दें. अक्सर देखा जाता है कि यह एजेंसी उन राज्यों ने ही जांच करने पहुंचती हैं, जहां पर केंद्र की पार्टियों की सरकार होती है. इससे स्पष्ट है कि विपक्ष की पार्टी को केन्द्र सरकार परेशान करवाती है. इन एजेंसी को किसी भी राज्य में जांच के लिए पहुंचने से पहले राज्य सरकार को सूचित करना चाहिए.

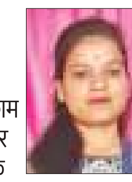

ब्रीफ खबरें

बिना प्रभार लिए ही नए बीडीओ वापस लौट गए

बालूमाथ (लातेहार)। झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सोमा उरांव शनिवार को बतौर बीडीओ बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय में पदभार ग्रहण करने पहुंचे. लेकिन काफी इंतजार के बाद भी निवर्तमान प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री बाखला प्रभार देने प्रखंड कार्यालय नहीं पहुंची. काफी इंतजार के बाद बिना प्रभार लिए नव पदस्थापित बीडीओ सोमा उरांव वापस लौट गए. यह प्रखंड मुख्यालय में चर्चा का विषय बना हुआ है.

अभिकर्ता संघ ने दिल्ली के जंतर मंतर पर दिया धरना

हुसैनाबाद (पलामू)। राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ के आह्वान पर 2 से 6 अक्टूबर तक आयोजित धरना कार्यक्रम में पलामू व गढ़वा जिला के सैकड़ों अभिकर्ताओं ने भाग लिया. संघ के राष्ट्रीय महासचिव मनोज मिश्रा ने सभा स्थल पर उपस्थित अभिकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि सरकार एक ओर महिला सम्मान की बात करती है तो दूसरी ओर डाकघर की महिला अभिकर्ताओं को महिला सम्मान योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, पीपीएफ और वरिष्ठ नागरिक योजना में कमीशन से अलग रखकर भेदभाव कर रही है.

दुर्गा पूजा में रात को भी होगा कचरे का उठाव

धनबाद। दुर्गा पूजा को लेकर डीसी वरुण रंजन ने शनिवार को पूजा समितियों के साथ बैठक की. बैठक में साफ सफाई, पानी, बिजली, सड़क सहित अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की. पूजा समितियों ने सफाई कर्मियों की संख्या बढ़ाने, भूली ए ब्लॉक के पंडाल के पास शौचालय की सफाई कराने, केंदुआ में नियमित जलापूर्ति, करकेंद, केंदुआ, वासेपुर आरा मोड़, भूली थाना से नया बाजार सुभाष चौक व श्याम नगर से भूली ए ब्लॉक तक स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त करने और भूली से कुसुंडा तक की सड़क को ठीक कराने का सुझाव दिया.

टाटा मोटर्स यूनियन के रिटायर कर्मचारी सम्मानित

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन में शनिवार को सेवानिवृत्त हुए छह कर्मचारियों को यूनियन के अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया. जिसमें फाउंड्री के सौमित्र बख्शी, ट्रांसमिशन के मोहम्मद शहजाद, पीपीसी के प्रदीप सरकार, व्हिकल फैक्टरी के सुशांत दत्ता, फ्रेम फैक्टरी के पवन, इंजन के प्रेम प्रकाश गुप्ता शामिल थे. इस दौरान अध्यक्ष ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया. मौके पर अध्यक्ष गुरमित सिंह ने कहा कि आप स्वस्थ रहें.

जेल में कैदी की मौत मामले की जांच की मांग

जमशेदपुर। परसुडीह स्थित घाघीडीह सेंट्रल जेल में 30 सितंबर को विचाराधीन कैदी विश्वनाथ सोरेन की मौत के मामले में शनिवार को परिजन एसएसपी से मिलने पहुंचे. परिजनों ने हत्या का शक जताते हुए एसएसपी से उचित जांच की मांग की है. परिजनों ने बताया कि 30 सितंबर को जेल प्रशासन ने फोन पर बताया कि विश्वनाथ की सीढ़ियों से गिरने से मौत हो गई है. परिजनों ने बताया कि जेल में जब विश्वनाथ से मिलने जाते थे तो वह रुपयों की मांग करता था.

किशोरी का अपहरण सड़क पर उतरे लोग

बालूमाथ (लातेहार)। शनिवार को बालूमाथ में एक नाबालिग किशोरी के अपहरण का मामला सामने आया है. इसके विरोध में लोग सड़क पर उतरे और थाना के पास रांची-चतरा राष्ट्रीय उच्च मार्ग को जाम कर दिया. छात्रा के पिता ने बालूमाथ थाना में आवेदन देकर बालूमाथ के ही तरुण यादव, पिता विपिन यादव पर उनकी पुत्री का अपहरण करने का आरोप लगाया है. उन्होंने बताया कि छह अक्टूबर को छात्रा के साथ उक्त युवक ने छेड़छाड़ किया था. उसे उठा लेने की धमकी दी थी.

मेरी माटी कार्यक्रम के तहत निकली कलश यात्रा

बेरमो। गोमिया प्रखंड मुख्यालय गोमिया में शनिवार को मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रखंड के 36 पंचायत के सभी राजस्व ग्राम के हर एक घर से संग्रहित मिट्टी कलश के साथ लाया गया. इस कलश के साथ जिला परिषद के अध्यक्ष सुनीता देवी के नेतृत्व में गोमिया प्रखण्ड मुख्यालय से मून लाइट चौक तक कलश यात्रा निकली गई. गाजे- बाजे के साथ यात्रा वापस प्रखंड मुख्यालय लौटी.

पिछले साल टहल कंपनी को हटाने के बाद से बंद है काम, टेंडर फाइनल होने में अब भी विलंब

अधर में लटकी है निरसा-गोविंदपुर मेगा जलापूर्ति योजना

संवाददाता । धनबाद

निरसा-गोविंदपुर मेगा जलापूर्ति योजना का बुरा हाल है. टहल कंपनी को हटाने के बाद 13 माह से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग सोया पड़ा है. नवंबर 2022 के बाद नई एजेंसी का चयन ही नहीं हो सका है. 50 प्रतिशत से अधिक अधूरे पड़े काम धूल फांक रहे हैं. पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता भिखराम भगत से जब पूछा गया तो उन्होंने जवाब देने में असमर्थता जाहिर की. हालाकि विभागीय कर्मियों ने बताया कि टेंडर अब अंतिम चरण में है. एक सप्ताह के अंदर फाइनल हो जाएगा. हालांकि काम शुरू होने में अब भी एक से डेढ़ माह लग जाएगा. ज्ञात हो कि यह योजना वर्ष 2017 में शुरू हुई थी. योजना का काम इजराइल की कंपनी टहल को दिया गया था. एनओसी के पेच, स्थानीय लोगों के विरोध, छुटभैय्ये नेताओं का दखल तथा कंपनी की लापरवाही के कारण योजना पांच साल पीछे चली गई. 2019 में काम पूरा होना था मगर वर्ष 2022 तक 50 प्रतिशत से भी कम काम हुआ. अंततः डीसी के आदेश के बाद कंपनी को हटा दिया गया.

टहल को हटाने के बाद फरवरी 2023 में पेयजल विभाग में टेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई थी. मई में काम शुरू होने के भी दावे किए जा रहे थे. परंतु सारे दावे फेल हो चुके हैं. योजना का बजट भी 274 करोड बढ़ गया. निरसा नार्थ और साउथ मिलाकर योजना का कुल बजट 667 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 941 करोड़ हो चुका है. पुरानी कंपनी को 150 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका है. शेष राशि का काम बाकी है. यह योजना डीएमएफटी की राशि से संचालित हो रही है. शुरू हो भी गई तो पूरा होने में दो साल से अधिक समय लगेगा.

मेगा जलापूर्ति योजना की पाइप.

काम अधूरा

- नवंबर 2022 के बाद नई एजेंसी का चयन नहीं हुआ
- यह जलापूर्ति योजना वर्ष 2017 में शुरू की गई थी

ये काम रह गए हैं अधूरे

पेयजल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उत्तरी और दक्षिण जोन मिलाकर कुल 39 पानी टंकी का निर्माण होना था. लेकिन मुश्किल से 40 प्रतिशत ही काम पूरा हुआ है. मैथन और पंचेत डैम के पास दो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनना है, जिसका 70-80 फीसदी काम पूरा हो चुका है, शेष काम नई कंपनी करेगी. मैथन व पंचेत डैम में इनटेकवेल का काम बाकी है. पाइपलाइन भी 15-20 प्रतिशत ही बिछी है. इस योजना के पूरा होने के बाद 475 गांवों को पानी मिलने की उम्मीद है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- स्वतंत्रता सेनानी मोपना मांझी की मृत्यु कहां हुई थी - पटना
- किस देश ने परमाणु ऊर्जा वाली महाशक्तिशाली मिसा-ल 7 बनाई - रूस
- किसने वर्नाकुलर प्रेस अधिनियम को रद्द कर दिया था - लार्ड रिपन
- नाबाकलेबर त्यौहार किस प्रदेश से संबंधित है - ओडिशा
- हाइसेंस के नए ब्रांड एम्बेसडर कौन बने - रवींद्र जडेजा
- आंग सान सू ची की पार्टी का नाम - नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी
- लेगहीमोग्लोबिन किसमें पाया जाता है - सोयाबीन
- डोकलो शोहार शासन व्यवस्था में पाहन को किस नाम से जाना जाता है - कालो
- किस राज्य सरकार ने कोनोकार्पस संयंत्र पर प्रतिबंध लगाया - गुजरात
- पौधों में रस आरोहण किसके द्वारा होता है - जाइलम

अनुबंध पर बहाल ही नहीं होना चाहते हैं डॉक्टरः बन्ना गुप्ता

एसएनएमएमसीएच में 9 विभाग में प्रोफेसर ही नहीं

संवाददाता । धनबाद

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में फैकल्टी की कमी बरकरार है. इधर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का कहना है कि डॉक्टर मिलते ही नहीं हैं. किसी को नियुक्ति में दिलचस्पी नहीं है. कई विभागों में फैकल्टी है ही नहीं. रेडियोलॉजी, साइकेट्रिक और स्कीन डिमार्टमेंट में छात्रों को पढाने के लिए एक भी फैकल्टी नहीं है. नौ ऐसे विभाग हैं, जहां प्रोफेसर नहीं हैं. सारे विभाग असिस्टेंट, एसोसिएट प्रोफेसर व ट्यूटर के भरोसे चल रहे हैं. दूसरे विभाग की फैकल्टी से विषय की जानकारी प्राप्त हो रही है.

शुभम संदेश से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि डॉक्टर बहाली में रुचि ही नहीं लेते हैं. लंबे समय से एसएनएमएमसीएच में चिकित्सकों की कमी बनी हुई है. स्थायी नियुक्ति नहीं होने से डॉक्टरों को नौकरी में कोई दिलचस्पी नहीं है. सवाल यह भी है कि राज्य का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल आखिर डॉक्टरों की कमी कब तक झेलता रहेगा. बताते चलें कि फैकल्टी की कमी के कारण मेडिकल कॉलेज की मान्यता पर भी सवाल खड़ा हो रहा है. इस बार भी एनएमसी ने सशर्त 100 सीटों पर नामांकन की अनुमति दी है, जिसमें फैकल्टी की कमी को दूर करने की शर्त शामिल है.

बिना प्राध्यापक के छात्र ले रहे डिग्री : विभागों में शिक्षक नहीं होने से छात्र उस विषय से अनभिज्ञ रह जाते हैं या दूसरे विभाग के शिक्षक से जानकारी प्राप्त करते हैं. एमबीबीएस छात्र संबंधित विषय में गहरे नॉलेज नहीं ले पाते हैं. मतलब एमबीबीएस की डिग्री तो मिल जाती है, गुणवत्ता नहीं मिलती. शिक्षकों की कमी पर नेशनल मेडिकल कमीशन भी घोर आपत्ति जता चुका है. पेडियाट्रिक, फीजियोलॉजी, पीएसएम, एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री, फामार्कोलॉजी, एफएमटी और ऑप्थॉल्मोलॉजी डिपार्टमेंट में प्राध्यापक (प्रोफेसर) नहीं हैं.

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता.

एसएनएमएमसीएच, धनबाद.

अनुबंध पर बहाली के लिए सात बार हो चुका प्रयास

झारखंड सरकार लगातार सात बार अनुबंध पर डॉक्टरों की बहाली करने का प्रयास कर चुकी है. लेकिन डॉक्टर आगे बढ़ कर बहाली में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं. गिने-चुने आवेदन ही विभाग को मिलते हैं. जुलाई 2019 से अब तक मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए सात बार प्रयास किया गया. नियुक्तियां दो साल के अनुबंध पर की जानी हैं. गौरतलब है कि पिछली 6 बार की बहाली प्रक्रिया में डॉक्टरों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई थी. इंटरव्यू के लिए कभी 3, तो कभी 5 डॉक्टर ही पहुंचते रहे. हर बार प्रक्रिया को रद्द कर चार-छह महीने पर पुनः नियुक्ति का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन सभी प्रयास विफल होते दिख रहे हैं.

बहाली नहीं

- एसएनएमएमसीएच में 30 फीसदी फैकल्टी की कमी
- स्कीन डिमार्टमेंट में एक भी फैकल्टी नहीं है
- कई विभाग असिस्टेंट और ट्यूटर के भरोसे है

साहिबगंज में डायरिया से 3 की मौत

संवाददाता। साहिबगंज

बरहेट प्रखंड अंतर्गत मेटर गांव के केतका टोला पहाड़िया गांव में डायरिया से तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि दर्जनाधिक लोग बीमार हो गए हैं. इनमें सात की हालत चिंताजनक बनी हुई है. मालूम हो कि गत 5 अक्टूबर से ही यहां डायरिया ने कहर बरपाना शुरु कर दिया. इस बीच मौत की खबरों के सूखियों में आने पर डीसी राम निवास यादव के निर्देश पर 7 अक्टूबर को यहां मेडिकल टीम पहुंची. मुखिया देव सोरेन व पंचायत समिति सदस्य खगेंद्र शाह की सूचना पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट से मेडिकल टीम प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हेमंत मुर्मू की अगुवाई में गांव पहुंची और ग्रामीणों की स्क्रीनिंग कर दवा दी.

इधर, डीसी के निर्देश पर अपर समाहर्ता विनय मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. अरविंद कुमार व बीडीओ सोमनाथ बनर्जी गांव पहुंचकर मृतक के परिजनों व पीड़ित से मिलकर स्थिति का जायजा लिए. इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी हेमंत मुर्मू ने जांच के बाद सभी की स्थिति सामान्य बताई. बताया कि दो परिवार से कुल तीन सदस्यों की मौत डायरिया से हुई है. जिसमें बोबी मैसा चार दिनों से तथा सोनी पहाड़ीन 7 दिनों से पीड़ित थी. लेकिन इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को नहीं मिली थी.

वहीं उपायुक्त ने डायरिया से आदिम जनजातीय ग्रामीणों की मृत्यु पर दुख जताया. कहा कि जिला प्रशासन डायरिया से पीड़ित ग्रामीणों का बेहतर से बेहतर इलाज कर रही है. आवश्यकता पड़ी तो बीमार लोगों को सदर अस्पताल में भर्ती कराकर इनका उपचार कराया जाएगा. जिला प्रशासन यह भी सुनिश्चित करेगा की आगे डायरिया से गांव में कोई मृत्यु न हो.

इनकी हुई हैं मौतें : मृतकों में 20 वर्षीय सुरजी पहाड़ीन, 50 वर्षीय बोबी मैसा पहाड़िया व 65 वर्षी सोनी पहाड़ीन शामिल हैं. दूसरी ओर 40 वर्षीय जलिया पहाड़ीन, 19 वर्षीय सखी पहाड़ी, 40 वर्षीय सुरजी पहाड़ीन, 10 वर्षीय खुशबू पहाड़ीन, 30 वर्षीय चांदी पहाड़ीन, 40 वर्षीय धर्मी पहाड़िन, 20 वर्षीय कादरी पहाड़ीन, 20 वर्षीय चंदा पहाड़िया, 11 वर्षीय मगले पहाड़िया व 8 वर्षीय छोटा सुरेश पहाड़िया की हालत गंभीर बताई जा रही है.

गांव में पहुंचे अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन व अन्य.

संकल्प सप्ताह के अवसर पर शिक्षा मेला

बेरमो । गोमिया प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय हजारी व उत्क्रमित मध्य विद्यालय खुदगड्डा में शनिवार को संकल्प सप्ताह के अंतर्गत शिक्षा मेला का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी नंदलाल महतो खास तौर पर मौजूद थे. शिक्षा मेला में बच्चों के बीच जॉय लर्निंग, वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता व चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन कर सफल विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया.

मंत्री बेबी देवी ने अतकी में किया पथ का शिलान्यास

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

स्थानीय विधायक-सह-सूबे की मंत्री बेबी देवी ने शनिवार को अतकी पंचायत के बरहमसिया में बजरंग बली मंदिर से गट्टीगढ़हा तक बनने वाले पथ के निर्माण कार्य का शिलान्यास नारियल फोड़ कर किया. मौके पर उन्होंने कहा कि इस पथ के बन जाने से ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुगमता होगी. इसके बन जाने से ग्रामीणों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो जाएगी. मौके पर ग्रामीणों ने मंत्री का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया साथ ही अपने क्षेत्र के अन्य समस्याओं को रखा. इस दौरान मंत्री पुत्र अखिलेश महतो राजू, जगदीश व अन्य उपस्थित थे.

सिदो-कान्हू क्लब और वन अधिकार समिति का गठन

ग्रामसभा की बैठक में शामिल लोग.

संवाददाता। कसमार (बोकारो)

खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने, गांव की खेल प्रतिभा को अवसर देकर उनका कैरियर निर्माण करने को लेकर कसमार प्रखंड के कई पंचायतों में सिदो- कान्हू क्लब का गठन किया जा रहा है.

पोंडा व दांतू पंचायत में क्लब के पदाधिकारियों का चुनाव हुआ. इसमें सिदो कान्हू क्लब में पोंडा पंचायत के पोंडा गांव ने सोनाराम सोरेन को अध्यक्ष, प्रदीप करमाली को सचिव व राहुल कपरदार को उपाध्यक्ष बनाया गया. इसी तरह कमलापुर राजस्व गांव में मुकेश हेम्ब्रम, दिलीप तुरी व रामदेव हेम्ब्रम का चुनाव किया गया. मोचरो में लालमोहन रजवार, सकील अहमद व बाबूचंद बास्के, धधकिया में मुकेश मुंडा, प्रदीप करमाली व राहुल कपरदार का चुनाव अध्यक्ष, सचिव व उपाध्यक्ष के लिए किया गया है.

दांतू पंचायत के दांतू में मोहन कुमार नायक, अजीत कुमार नायक व विश्वनाथ नायक, हंसलता में राजेंद्र कुमार, उमेश सिंह व संदीप महतो का चुनाव किया गया है. इसी तरह दोनों पंचायत में वन अधिकार समिति गठित की गयी.

ग्रामीण अब 9 अक्टूबर को करेंगे चक्का जाम

कतरास । बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी माइनप के कर्मियों व रैयत ग्रामीणों ने लंबित भुगतान की मांग को लेकर शनिवार को कंपनी के वर्कशॉप के समक्ष प्रेस वार्ता की. प्रेस वार्ता में कंपनी पर वादाखिलाफ़ी का आरोप लगाते हुए 9 अक्टूबर से बरोरा क्षेत्र में उत्पादन ठप करने की चेतावनी दी. है. प्रेस वार्ता में दीपक कुमार चौहान व महादेव कुम्हार ने बताया कि कंपनी प्रबंधन के साथ विगत 15 मार्च को त्रिपक्षीय वार्ता में मासिक 6000 रुपये देने पर सहमति बनी थी. परंतु प्रबंधन ने रैयत व मजदूरों को ठगने का काम किया है. कहा गया कि भुगतान के अभाव में मजदूरों का परिवार आर्थिक तंगी व भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है. पर्व त्योहार पर भी कंपनी के नकारात्मक रवैये से कंपनी मजदूरों व रैयतों में रोष है. इन्हीं सब कारणों से 9 अक्टूबर को चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा. प्रेस वार्ता में महेन्द्र, वीरलाल किस्कू, शंकर महतो, चरकु महतो, निताथ, दिपक किस्टु, राज चौहान, पंकज, धर्मेश्वर और अनिल मौजूद थे.

प्रतुल के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त

निर्दोष व्यक्ति को फर्जी मुकदमे में गलत नीयत से फंसाने पर हस्तक्षेप करना पड़ता है : हाईकोर्ट

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव को बड़ी राहत मिली है. उनके खिलाफ लातेहार के बालूमाथ थाने में दर्ज प्राथमिकी को हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है. प्रतुल शाहदेव पर मंटू राम नामक व्यक्ति ने मारपीट करने, जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने व हत्या के प्रयास को लेकर प्राथमिकी दर्ज करायी थी.

गवाहों की सूची में एजाज अंसारी, पूर्व पत्रकार आदर्श रविराज आदि का नाम दिया था. इसके खिलाफ प्रतुल शाहदेव ने झारखंड हाईकोर्ट का रुख किया था. उन्होंने अपनी याचिका में खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था कि चंदवा के अभिजीत प्लांट में स्क्रैप की लूट के खिलाफ आवाज उठाने के कारण प्रशासन व स्क्रैप माफिया की शह पर फर्जी मुकदमा कराया गया है. प्रतुल की ओर से वरीय अधिवक्ता और पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार ने दलील देते हुए इस पूरी प्राथमिकी को स्क्रैप माफिया की साजिश बताया. दस्तावेज पेश कर कोर्ट में शिकायतकर्ता और गवाहों के आपराधिक इतिहास को भी दिखाया. उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करने में छह महीने के विलंब पर भी बड़ा सवाल उठाया था.

हाईकोर्ट ने इस मामले में प्रतुल शाहदेव को निर्दोष बताते हुए दर्ज प्राथमिकी को फर्जी पाया और उसे निरस्त करने का आदेश दिया. कहा कि अगर किसी निर्दोष व्यक्ति को अदालत के सामने बदनीयती से गलत प्राथमिकी दर्ज कर फंसाया जाएगा, तो अदालत को हस्तक्षेप करना ही पड़ता है. उच्च न्यायालय ने कहा कि पूरी प्लानिंग कर शिकायतकर्ता ने प्राथमिक में ऐसी घटनाओं का उल्लेख किया है, जिससे लगाई गई धाराओं को बल मिल सके. अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह प्राथमिकी एक सोची समझी प्लानिंग के तहत की गयी है. मामले की सुनवाई जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत में हुई. प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार व अपराजिता भारद्वाज ने पैरवी की. राज्य सरकार की ओर से मनोज कुमार, दीपंकर व शिकायतकर्ता की ओर से साहिल ने पैरवी की.

मिली राहत

- प्रतुल पर मंटू राम ने मारपीट करने का मामला दर्ज कराया था
- गवाहों की सूची में एजाज और रविराज का नाम था

उपायुक्त ने नगर परिषद के कार्यों की समीक्षा की

पाकुड़ । समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता में शनिवार को नगर परिषद के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षात्मक बैठक हुई. बैठक में उपायुक्त ने नगर परिषद अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति, राजस्व, स्वच्छ भारत मिशन, पेयजल, प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य योजनाओं की समीक्षा की. इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई नियमित रूप से कराने का निर्देश दिया. शहरी क्षेत्रों में अतिरिक्त लाईट लगाने के लिए प्रशासक, नगर परिषद को कहा गया, ताकि रात में लोगों को आवागमन में परेशानी ना हो. उपायुक्त ने बैंक कॉलोनी स्थित पार्क को साफ-सफाई व शहरी जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया. मौके पर प्रशासक, नगर परिषद राजकमल मिश्रा, नगर प्रबंधक मृत्युंजय पांडे, नगर मिशन प्रबंधक मनीष मिश्रा, कनीय अभियंता निमाय सरकार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

सुविधा यूरो आंकोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी के जरिए होगा अब रांची के मरीजों का इलाज

मेदांता गुरुग्राम के चिकित्सक देंगे मरीजों को परामर्श

संवाददाता। रांची

देश की बढ़ती जनसंख्या के साथ ही यूरो आंकोलॉजी (प्रोस्टेट, किडनी और ब्लैडर के कैंसर) के मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है. इन्हीं समस्याओं को देखते हुए मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम के यूरो आंकोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी के कंसल्टेंट डॉ गोपाल शर्मा झारखंड की राजधानी रांची में ओपीडी सेवा शुरू करने जा रहे हैं. प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान डॉ गोपाल ने कहा कि झारखंड में यूरो आंकोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख करते हैं. ऐसे में झारखंड की राजधानी रांची और जमशेदपुर में प्रत्येक महीने के अंतिम सोमवार को ओपीडी सेवा शुरू करने जा रहे हैं.

रोबोटिक सर्जरी से जल्द ठीक होते हैं मरीज : डॉ गोपाल ने कहा कि जिन मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की जरूरत पड़ेगी, उन्हें मेदांता गुरुग्राम ले जाकर इलाज किया जाएगा. उन्होंने कहा कि ओपन सर्जरी से ज्यादा खर्च रोबोटिक सर्जरी में होता है, लेकिन इस विधि से मरीजों को ज्यादा समस्या नहीं होती है और वह जल्द ही रिकवर करते हैं. इसमें रक्तस्राव बहुत कम होता है. मरीज को दर्द भी कम होता है. वहीं संक्रमण का खतरा भी काम होता है. मरीज को अस्पताल में ज्यादा दिन नहीं रहना पड़ता है. मरीज जल्द ही अपने काम में वापस लौट जाते हैं.

उन्नत होते चिकित्सा के क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी लोगों के लिए वरदान : वहीं मेदांता गुरुग्राम के यूरो आंकोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ गगन गौतम ने कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र उन्नत होते जा रहा है. इसी कड़ी में रोबोटिक सर्जरी विधि से जान को जोखिम बहुत कम है.

होगा इलाज

- यूरो आंकोलॉजी के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है
- डॉ गोपाल शर्मा रांची में ओपीडी सेवा प्रारंभ करेंगे
- ओपन सर्जरी से अधिक खर्च रोबोटिक सर्जरी में होता है

कोयला कर्मियों के बोनस को लेकर दिल्ली में बैठक आज

संवाददाता। धनबाद

कोल इंडिया में 11वें वेतन समझौता के विवाद को सुलझाने व बोनस को लेकर पांच ट्रेड यूनियनों के साथ दिल्ली में 8 अक्टूबर सोमवार को बैठक होगी. अध्यक्षता कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद बैठक करेंगे. दूसरे दिन 9 अक्टूबर को वेतन समझौता को लेकर दायर याचिका पर जबलपुर हाईकोर्ट फैसला सुनाएगा. इंटक व बीएमएस सूत्रों के अनुसार दिल्ली में बैठक के बाद वेतन समझौता का लाभ नहीं मिला तो देशभर के 2.33 लाख कोल श्रमिक 12 अक्टूबर से तीन दिवसीय हड़ताल पर चले जाएंगे.

इसकी पूरी जवाबदेही कोल इंडिया प्रबंधन की होगी. हड़ताल में कोयला उत्पादन व डिस्पैच बंद होने से कोल इंडिया को अरबों का नुकसान हो जाएगा.

8 अक्टूबर को बैठक में कोल इंडिया के चेयरमैन और केंद्रीय मुख्य श्रम आयुक्त के साथ पांच ट्रेड यूनियन बीएमएस के के लक्ष्मा रेड्डी, एचएमएस के नाथुलाल पांडेय, इंटक के जयमंगल सिंह (अनूप सिंह), एटक के रमेंद्र कुमार और सीटू के डीडी रामानंदन मौजूद रहेंगे. जानकारी के अनुसार कोल इंडिया के अधिकारियों ने वेतन समझौते पर रोक लगाने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है. कहा गया है कि इसमें डीपीई की मंजूरी नहीं ली गई है. विगत 29 अगस्त अंतिम सुनवाई के बाद जबलपुर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. यूनियन की ओर से एचएमएस के नाथूलाल पांडेय ने याचिका दायर की है.

ब्रीफ खबरें

आरएएफ 106 बटालियन को किया गया सम्मानित

जमशेदपुर । आरएएफ के 31वें स्थापना दिवस पर दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में आरएएफ 106 बटालियन को अपने परिचालनिक क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिये सम्मानित किया गया है. आरएएफ 106 बटालियन पुरे आरएएफ वाहिनीयों में सर्वश्रेष्ठ परिचालनिक वाहिनी घोषित हुई है. इस कार्यक्रम में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, सीआरपीएफ के महानिदेशक सुजॉय लाल थाउसेन व आरएएफ के महानिदेशक एनी अब्राहम सहित अन्य उपस्थिति थे.

ग्लोबल कंपनी में कार्यरत महिला की मौत

निरसा । एमपीएल की ग्लोबल कंपनी के अधीन कार्यरत डोमभुई निवासी महिला चिंता देवी का निधन शुक्रवार की रात को हो गया, वह शारीरिक रूप से अस्वस्थ थी. उनका निधन उनके पैतृक आवास पर हुआ. शनिवार को झामुमो के जिला अध्यक्ष लक्खी सोरेन, सह सचिव तपन तिवारी व समाजसेवी सह मदनडीह मुखिया प्रतिनिधि सनी सोरेन एमपीएल के अधिकारी प्रदीप कुंडू, ग्लोबल कंपनी के इंचार्ज दोलन सेन गुप्ता मृतक के आवास पर पहुंचे व मदद का भरोसा दिलाया.

डीटीओ ने गिट्टी लदे ट्रकों को किया जब्त

पाकुड़ । हिरणपुर प्रखंड के रानीपुर में जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुजूर ने 6 अक्टूबर की देर रात औचक जांच अभियान चलाया. इस अभियान में गिट्टी लदे तीन ट्रकों को जब्त किया गया. जब्त किये गए ट्रक में गिट्टी संबंधी जरूरी कागजात नहीं थे, साथ ही ट्रक ओवरलोड भी था. इस मामले में आगे की कार्यवाही की जा रही है.

जमशेदपुर सिटी फॉरेस्ट का हुआ उद्घाटन

जमशेदपुर । टाटा स्टील ने कदमा स्थित केएफ-1 फ्लैट के निकट जमशेदपुर सिटी फॉरेस्ट का निर्माण किया है. इसका उद्घाटन शनिवार को टाटा स्टील के उपाध्यक्ष चाणक्य चौधरी एवं टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव चौधरी ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर चाणक्य चौधरी ने कहा कि यहां 5.1 एकड़ भूमि पर सिटी फॉरेस्ट का निर्माण किया गया है. यहां लगभग 38 हजार पेड़ पौधे लगाए गए है. इसका उद्देश्य आवासीय क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के साथ ही लोगों के लिए हरा भरा वातावरण उपलब्ध कराना है. पूरे क्षेत्र को तीन जोन में बांटा गया है.

शुरू हुआ बाल विवाह के खिलाफ महाअभियान

सिमडेगा । छोटानागपुर कल्याण निकेतन ने बाल विवाह के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए 16 दिनों के महा-अभियान की शुरुआत की है. इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बचपन की सुरक्षा और बच्चों के भविष्य का रक्षा करना है. बताया गया कि बाल विवाह समाज की एक कुरीति है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. इस वजह से ही छोटानागपुर कल्याण निकेतन ने कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन के साथ मिलकर सिमडेगा में जागरूकता के लिए महाअभियान की शुरुआत की है.

मनीफिट में हुआ सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन

जमशेदपुर । टाटा स्टील यूआईएसएल ने शनिवार को उड़िया बस्ती, मनीफिट में अत्याधुनिक 500 केएलडी पैकेज्ड सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया. प्लांट का उद्घाटन टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज के उपाध्यक्ष चाणक्य चौधरी, कॉर्पोरेट सर्विसेज चीफ प्रणय सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर चाणक्य चौधरी ने कहा कि यह सुविधा मनीफिट क्षेत्र को कवर करेगी. जिससे उस स्थान के निवासियों को लाभ होगा. यह संयंत्र स्थानीय समुदाय की जरूरतों को पूरा करेगा.

कॉरिडोर ब्लॉक को लेकर कई ट्रेनों के रूट बदले

जमशेदपुर । विजयवाड़ा रेलवे डिवीजन में कॉरिडोर ब्लॉक को लेकर रेलवे ने कई ट्रेनों के रूट में बदलाव किया है. इसमें चक्रधरपुर डिवीजन से होकर गुजरने वाली पांच ट्रेनें भी शामिल है. ट्रेन नंबर 12889 टाटा-एसएमवीबी (बेंगलुरु) एक्सप्रेस 13 अक्टूबर को निड़दवोलू जंक्शन-भीमावरम टाउन-गुड़ीवड़ा जंक्शन से होते हुए विजयवाड़ा पहुंचेगी. इसके अलावा ट्रेन नंबर 13351 धनबाद एलप्पी 9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक, ट्रेन नंबर 12835 हटिया-एसएमवीबी एक्सप्रेस 10 अक्टूबर को और ट्रेन नंबर 12376 जसीडीह-तांबरम एक्सप्रेस 11 अक्टूबर को विजयवाड़ा पहुंचेगी.

सरकार ने स्वरोजगार के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 28659 लोगों के बीच मुद्रा लोन बांटे

नौ वर्षों में जनधन खाते में 357.74 करोड़ रुपये जमा हुए

धर्मेंद्र कुमार । जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिला में जून 2023 तक कुल 8,46,883 जनधन खाता खुला. जिसमें महिलाओं का 4,88,773 व पुरुषों का 3,58,110 और जीरो बैलेंस खातों की संख्या 64,075 है. जून 2023 तक जिले में खुले जनधन खाते में कुल 357.74 करोड़ रुपये जमा हुए.

औसत जमा राशि की बात करें तो लगभग 4224 रुपये प्रति खाता में पिछले नौ वर्षों में जमा हुआ है. जो काफी कम है. जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति का स्वतः ही अंदाजा लगाया जा सकता है. वहीं सरकार द्वारा लोगों को स्वरोजगार के लिए

दिए गए मुद्रा लोन की बात करें तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 28,659 लोगों के बीच कुल 218.26 करोड़ रुपये मुद्रा लोन का वितरण किया गया.

जिसमें सबसे ज्यादा शिशु मुद्रा लोन 19,851 लोगों के बीच 69.50 करोड़, किशोर मुद्रा लोन 7,973 लोगों के बीच 90.44 करोड़ और तरुण मुद्रा लोन 835 लोगों के बीच कुल 58.31 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है. जिला में वित्तीय वर्ष 2023-24 के प्रथम तिमाही तक जिले में अब तक बांटे गए विभिन्न प्रकार के लोन में कुल 1047.30 करोड़ रुपये एनपीए घोषित किया गया है. जिसमें प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी योजना के तहत 264 खाता में कुल 6.24 करोड़, मुद्रा लोन के तहत 12,307 खाता में 101.24 करोड़, स्टैंडअप इंडिया योजना के तहत 79 खाता में 9.71 करोड़ वहीं स्वयं सहायता समूह को दिए गए लोन के अंतर्गत 1100 खाता में 7.96 करोड़ रुपये जबकि कृषि कार्य के लिए दिए गए लोन अंतर्गत 21,119 खाता में 114.54 करोड़ आवासीय लोन के अंतर्गत 248 खाता में 16.65 करोड़, एजुकेशन लोन के तहत 13,110 खाता में 530.64 करोड़, एमएसएमइ लोन अंतर्गत 2947 खाता में 5.19 करोड़ रुपये सहित अन्य प्रकार के दिए गए लोन के अंतर्गत 10,810 खाता में कुल 241.54 करोड़ रुपये एनपीए घोषित किया गया है.

खाते खुले

- महिलाओं के जनधन खातों की संख्या 488773 है
- सबसे ज्यादा शिशु मुद्रा लोन 19851 लोगों के बीच बांटे गए
- पुरुषों के जनधन खातों की की कुल संख्या 358110 है

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- संविधान सभा में छोटानागपुर के कौन से आदिवासी नेता सदस्य थे – जयपाल सिंह
- नौजवान भारत सभा की स्थापना किसने की थी – भगत सिंह
- देश का पहला पशु शवदाह गृह कहां खुलेगा – लखनऊ
- मथुरा के कला स्कूल में किसका प्रयोग किया गया था – लाल बलुआ पत्थर
- ज्ञानपीठ पुरस्कार के पहले विजेता किस प्रदेश से थे – केरल
- सतीपति सम्प्रदाय कहां का आदिवासी समुदाय है – गुजरात
- सैंडलवुड किसके लिए प्रयोग किया जाता है – कन्नड़ सिनेमा
- किस देश को परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए रूसी यूरेनियम मिला – बांग्लादेश
- किस विटामिन से रक्त का थक्का जमता है – के
- आंदी नाम से विवाह किस जनजाति में प्रचलित है – हो

---

21 वर्ष बाद भी चांडिल अनुमंडल में है बुनियादी सुविधाओं का अभाव

अब तक नहीं बना बस स्टैंड

दिलीप कुमार । चांडिल

वर्ष 2003 में चांडिल को अनुमंडल बनाया गया था लेकिन एक अनुमंडल को मिलने वाली सुविधाएं अभी तक पूरी तरह से धरातल पर नजर नहीं आ रही हैं. यह एक त्रासदी ही है कि 21 वर्ष बाद भी चांडिलवासियों को बस स्टैंड की सुविधा नहीं मिल सकी है. बस स्टैंड नहीं होने से मेन रोड पर ही यात्री बसें खड़ी होती हैं.

बस चालक बीच सड़क पर ही सवारियों को उतारते व चढ़ाते हैं. इसका दुष्परिणाम यह है कि लोगों को प्रतिदिन मेन रोड पर सड़क जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है. वहीं ऑटो स्टैंड नहीं रहने के कारण ऑटो वाले भी अपना वाहन सड़क पर ही लगाते हैं. इससे आए दिन दुर्घटनाएं भी होती रहती हैं. उल्लेखनीय है कि चांडिल थाना, कई बैंक, एलआइसी, स्कूल आदि मेन रोड पर स्थित हैं. जमशेदपुर से धनबाद, बोकारो, पुरुलिया, आसनसोल, दुर्गापुर समेत अन्य स्थानों की ओर जाने वाली बसें इसी मेन रोड से गुजरती हैं.

वहीं हाईवे होने के कारण धनबाद, बोकारो, दुर्गापुर व जमशेदपुर से भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन भी होता रहता है. इसके चलते इस सड़क पर भारी दबाव रहता है. सबसे अहम बात है कि बस व ऑटो स्टैंड के साथ चांडिल बाजार में कहीं भी पार्किंग की भी व्यवस्था नहीं है. चांडिल बाजार पहुंचने वालों को पार्किंग करने में मुश्किल होती है.

सुविधा नदारद

- ऑटो वाले अपना वाहन सड़क पर लगाते हैं
- एलआइसी, स्कूल आदि मेन रोड पर स्थित हैं
- चांडिल बाजार में पार्किंग की व्यवस्था नहीं है

बच्चों को होती है परेशानी: मनजीत कौर

एसएस प्लस टू हाई स्कूल के प्रधानाध्यापिका मनजीत कौर ने कहा कि चांडिल में बस स्टैंड नहीं होने के चलते बसें सड़क पर खड़ी होती हैं. इससे आम आदमियों को तो परेशानी होती ही है, साथ ही विद्यालय के बच्चों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. बच्चे समय पर विद्यालय नहीं पहुंच पाते हैं. वहीं दुर्घटना का भय हमेशा बना रहता है. शिक्षकों के साथ अभिभावक भी हमेशा चिंतित रहते हैं.

बस स्टैंड की व्यवस्था हो: देवाशीष

सरायकेला-खरसावां के पूर्व उपाध्यक्ष व जिला परिषद देवाशीष राय ने कहा कि प्रशासन को जल्द से जल्द बस व ऑटो स्टैंड की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि मेन रोड का बोझ कुछ कम हो सके. इससे जहां एक ओर सड़क जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी वहीं दुर्घटनाएं भी नहीं होंगी. जिला परिषद उपाध्यक्ष रहते इसके लिए प्रयास किया गया था. इसके लिए चांडिल गोलचक्कर के पास सर्वे भी कराया गया था.

बस संचालकों को मिलेगी सुविधा: सुकराम

सुकराम हेंब्रम ने कहा कि ऐसी जानकारी मिल रही है कि चांडिल में निर्माणाधीन बाईपास सड़क पर बस डीपो का भी निर्माण होगा. ऐसा होने से जहां बस संचालकों को सुविधा मिलेगा वहीं यात्रियों को भी बस चढ़ने व उतरने के लिए परेशानी नहीं होगी. बाजार में बस स्टैंड के साथ चांडिल में ऑटो स्टैंड और अन्य वाहनों के लिए पार्किंग की भी जरूरत है.

ऑटो स्टैंड होना आवश्यक है: अनाथ मिश्रा

अनाथ मिश्रा ने बताया कि चांडिल बाजार में बस व ऑटो स्टैंड का होना आवश्यक आवश्यकताओं में से एक है. अनुमंडल बनने के 21 वर्ष बाद भी चांडिलवासियों को एक अदद बस व ऑटो स्टैंड का नहीं मिलना दुर्भाग्यजनक है. बस स्टैंड नहीं होने के कारण हमें लगभग रोज ही सड़क पर लगने वाले जाम को झेलना पड़ता है. छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं.

बीसीसीएल की जमीन पर कब्जा

संवाददाता । धनबाद

भूली ए ब्लॉक में दुर्गा मंडप के समीप सब-स्टेशन के बगल में बीसीसीएल की एक करोड़ की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है. बीसीसीएल सूत्रों के अनुसार बीटीए (भूली टाउन एडमिनिस्ट्रेशन) के पूर्व कर्मी उमेश लाल ने 20 डिसमिल जमीन को चहारदीवारी से घेर दिया है.

वह एक दबंग व्यक्ति से एडवांस लेकर जमीन को बेचने की कोशिश भी कर रहा है. यह जानकारी बीटीए के जीएम एडमिनिस्ट्रेशन आनंद प्रकाश को हुई तो उन्होंने भूली थाना में जमीन पर अवैध रूप से कब्जा की एफआईआर करा दी है. जानकारी के अनुसार उमेश लाल ने सेवानिवृत्ति के बावजूद भूली में ही बीसीसीएल के क्वार्टर पर कब्जा कर रखा है. हालांकि सेवानिवृत्ति के बाद सभी तरह का बकाया राशि ले चुका है. भूली ओपी पुलिस जमीन पर कब्जा से संबंधित मामले की जांच कर रही है. भूली में जमीन की कीमत 5 लाख रुपये प्रति डिसमिल है. बीसीसीएल सूत्रों के अनुसार उमेश लाल पर पहले भी भूली में कई क्वार्टरों पर कब्जा कर किराया पर लगाने का आरोप लग चुका है.

बीसीसीएल की जमीन पर कब्जा कर बनाई गई चहारदीवारी.

एनएचएआई ने किया सर्विस रोड का निरीक्षण

बहरागोड़ा । शनिवार को बहरागोड़ा स्थित एनएच-18 तथा एनएच-49 के संगम स्थल पर बने सर्विस रोड का निरीक्षण एनएचएआई के अधिकारियों ने किया. यह सड़क पटवेड़ा से मटिहाना तक दोनों ओर से जर्जर हो चुकी है. इस कारण धूप निकलने पर बदहाल सड़कों से धूल उड़ती रहती है और बारिश होने पर सड़कों के गड्ढों में पानी भर जाता है. इससे आवागमन करने वाले लोगों के साथ आसपास रहने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. इस मामले की शिकायत मिलने के बाद एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पूर्णचंद्र काहिली व अन्य अधिकारीयों की टीम ने उक्त सड़क का निरीक्षण किया और यथाशीघ्र गुणवत्ता पूर्ण रोड निर्माण कराने का आश्वासन दिया.

सूखेटांड़ में बारिश से गिरे मिट्टी के घर, परिवार बेघर

रामडीह पंचायत के सूखेटांड़ में पीड़ित से मिलने पहुंचे मुखिया.

संवाददाता । धनवार (गिरिडीह)

धनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत श्री रामडीह पंचायत के सखेटांड निवासी गनी मियां व गुलाम रसूल का घर पिछले दिनों हुई बारिश से गिर गया. इससे दोनों परिवार बेघर हो गए हैं. सूचना मिलने पर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अंसारी मियां ने शनिवार को पीड़ित परिवार से मिलकर हरसंभव मदद का आश्वासन देकर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग किया. मुखिया प्रतिनिधि ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से उक्त परिवार को जल्द अंबेडकर आवास देने की मांग की है.

कौशल विकास केंद्र पर लगा फर्जीवाड़ा का आरोप

संवाददाता । बोकारो

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के जैनामोड़ में संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के तहत चल रहे मुख्यमंत्री सारथी योजना में फर्जीवाड़ा कर पोषक राशि के गबन का आरोप भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य संजय सिंह ने लगाया है.

उन्होंने इस बाबत बोकारो उपायुक्त को पत्र लिखकर जांच की मांग की है. पत्र में आरोप है कि जैनामोड़ रेफरल अस्पताल के नवनिर्मित भवन में झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से श्रम विभाग के अधीन बेरोजगार लड़कियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है. आरोप लगाया गया है कि इस केंद्र के संचालक वेंचर स्किल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सेंटर में प्रशिक्षण लेनेवाले आवेदकों का पिघले हुए मोम में अंगूठा ले लिया गया है.

जिससे अंगूठे का कृत्रिम निशान बनवाकर फर्जीवाड़ा कर पोषक राशि की गड़बड़ी की जा सके. इससे फर्जी उपस्थिति दिखाकर बैंक खाते से राशि गबन करने की भी संभावना है. इसके अलावा यह प्रशिक्षण आवासीय है, लेकिन शाम में सभी अपने घर चले जाते हैं. उन सभी की फर्जी उपस्थिति दिखाकर पोषक राशि का गबन किया जा रहा है.

भाजपा नेता ने केंद्र के संचालक पर सरकारी राशि के गबन करने के उद्देश्य से कृत्रिम अंगूठे का निशान लेने व फर्जी उपस्थिति दिखाकर भोजन की राशि में गड़बड़ी की निष्पक्ष भौतिक जांच करने की मांग की है. इस संदर्भ में पूछे जाने पर श्रम अधीक्षक प्रवीण कुमार ने कहा कि वे कार्यालय के कार्य से कोर्ट में आये हैं. मामला उनके संज्ञान में नहीं है. फाइल देखने के बाद ही इस मामले पर कुछ बोल सकते हैं.

वाहन मालिकों का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा

निरसा । ईसीएल मुगमा क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे वाहन मालिक व चालकों का आंदोलन शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा. बताते चलें कि वाहन मालिक जेम्स पोर्टल टेंडर का विरोध कर रहे हैं. उनका कहना है कि जब तक जेम्स पोर्टल टेंडर को निरस्त नहीं किया जाता, आंदोलन जारी रहेगा. दूसरे दिन भी पूर्व विधायक अरुप चटर्जी धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारियों का हौसला बढ़ाया. उन्होंने कहा कि क्षेत्र के वाहन मालिकों का रोजी रोजगार न छिन जाए, इसके लिए किसी भी तरह की लड़ाई से उनकी यूनियन पीछे नहीं हटेगी. उन्होंने कहा कि प्रबंधन साजिश के तहत निचले व मध्यम वर्ग के लोगो का रोजगार समाप्त कर पूंजीपतियों को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए जेम्स पोर्टल के जरिये टेंडर निकाल रही है. इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. बीसीकेयू के केंद्रीय सचिव आगम राम ने कहा कि टेंडर में काफी त्रुटियां हैं.

एफसीआई गोदाम की हुई जांच

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता । तोपचांची

तोपचांची प्रखंड के राज्य खाद्य निगम के गोदाम में पानी में भीगे गेहूं की जांच को लेकर शनिवार को जिला आपूर्ति अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद पहुंचे. दरअसल शुभम संदेश अखबार ने तोपचांची के राज्य खाद्य निगम के गोदाम में खराब गेहूं के बोरा की बदहाल तस्वीर को बड़ी ही प्रमुखता से प्रकाशित किया था. इस खबर का असर हुआ और जिला आपूर्ति अधिकारी ने गोदाम की जांच की.

पानी में भीगे गेहूं के बोरों को पावापुर पंचायत स्थित पीडीएस दुकान सूजन रविदास के यहां भेज दिया गया था. टीम वहां पहुंची व दुकान में मौजूद सभी गेहूं के बोरों को जांचा-परखा. पीडीएस दुकानदार ने बताया कि शनिवार की सुबह गेहूं भेजा गया, जिसमें 7 बोरा गेहूं में नमी है. जांच टीम ने खराब गेहूं को वापस करने के लिए कहा है.

जांच में आए जिला आपूर्ति अधिकारी योगेन्द्र प्रसाद ने पत्रकारों को बताया कि अखबार से सूचना मिली थी कि तोपचांची के राज्य खाद्य निगम के गोदाम में अनाज का बोरा पानी में भीग कर अंकुरित हो रहा है. इसी की जांच में पहुंचे हैं. कुछ गेहूं में नमी मिली है. दुकानदार को कहा गया है कि खराब गेहूं को वापस कर देना है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जांच टीम आने से पहले ही गोदाम में पड़े भीगे गेहूं के बोरे को वहां से गायब कर दिया गया था. कुछ बोरों को पीडीएस दुकानदारों के पास भेज दिया गया था तथा कुछ बोरों को खोलकर गेहूं बाहर में रखा गया था.

गोदाम की जांच करने पहुंचे एडीएम सप्लाई सहित अन्य अधिकारी.

हुआ असर

- जांच अधिकारी ने खराब गेहूं वापस करने का निर्देश दिया
- टीम ने पावापुर की पीडीएस दुकान की भी जांच की

एंबुलेंस की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

चांडिल । सरायकेला खरसावां जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा मंगलवार को जिला सचिव मुबारक मोमिन के नेतृत्व में सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में कहा गया कि पारगाम पंचायत में पिछड़ी और गरीब परिवार के लोग रहते हैं. इस पंचायत के गांव वासियों को स्वास्थ्य सुविधा के लिए आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर निर्भर रहना पड़ता है. पर इस गांव में परिवहन की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामवासी जब बीमार पड़ते हैं या महिलाओं को कोई भी समस्या होती है तो बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ता है. इस परिपेक्ष्य में परगामा पंचायत में एक एंबुलेंस की नितांत आवश्यकता है. जिससे रोगी स्वास्थ्य केंद्र में अपना इलाज करा सकें और चिकित्सक द्वारा रेफर करने पर अन्य स्थान में पीड़ित व्यक्तियों को एंबुलेंस द्वारा शहर के अस्पताल में भेजा जा सके. एंबुलेंस उपलब्ध होने से पिछड़े एवं गरीब परिवार के लोग को आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में सही समय पर अपना इलाज करा सके.

इंतजार धनबाद के विभिन्न इलाकों में बिहार व उत्तर प्रदेश के लोग परिवार के साथ रहते हैं

धनबाद के लिए इस बार भी नहीं मिली पूजा स्पेशल ट्रेन

संवाददाता । धनबाद

रेलवे ने धनबाद के साथ फिर छल किया. कई वर्षों से धनबाद को पूजा स्पेशल ट्रेन नहीं मिल रही है तो इस बार भी नहीं मिली. धनबाद के विभिन्न इलाकों में बिहार व उत्तर प्रदेश के कई जिलों के हजारों लोग यहां परिवार के साथ रहते हैं. काफी संख्या में लोग दुर्गापूजा, दिवाली व छठ पूजा में अपने गांव जाते हैं. नवरात्र में भी मां वैष्णों देवी की पूजा समेत अनेक धार्मिक स्थलों पर जाना पसंद करते हैं. नवरात्र से छठ पूजा तक ट्रेनों में काफी भीड़ रहती है. यहां रहनेवाले बिहार व यूपी के लोगों का कहना है कि धनबाद से बिहार व यूपी के लिए कम से कम दो पूजा स्पेशल ट्रेन मिलनी चाहिए. लेकिन हर बार की तरह इस बार भी पूजा स्पेशल नहीं मिलने से सामान्य ट्रेनों में धक्का मुक्की खाकर गांव जाना होगा. तत्काल टिकट व हेड क्वार्टर कोटा के टिकटों में भी भारी मारा-मारी होती है. सामान्य लोगों को कन्फर्म टिकट नहीं मिलता है. ऐसे मौसम में दलालों की चांदी होती है. अधिकतर लोग भीड़ में धक्का-मुक्की खाकर गांव जाते हैं.

धनबाद समेत अन्य रूट से चलेंगी ट्रेनें

एक सप्ताह बाद 15 अक्टूबर से नवरात्र शुरू होने जा रहा है. 24 अक्टूबर को दशहरा, 12 नवंबर को दीपावली व 19 नवंबर को छठ पूजा है. रेलवे बोर्ड ने नवरात्र समेत अन्य पूजा को देखते हुए देशभर के विभिन्न रेल मंडलों में 305 ट्रेन चलाने का फैसला लिया है. रेलवे से अनुसार सबसे अधिक ट्रेनें बिहार, बंगाल, यूपी व कोलकाता को मिल रही हैं. कुछ ट्रेनें चलने लगी हैं और बाकी 15 अक्टूबर से पहले चलने लगेगी, जो दिसंबर तक चलेगी. पूजा स्पेशल 3000 से अधिक फेरे लगाएगी. इसके अलावा देश के कई अन्य रूटों से होकर भी दर्जनों पूजा स्पेशल चलेगी.

16 अक्टूबर से प्रयागराज होकर नहीं चलेंगी ट्रेन

धनबाद । उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज स्टेशन पर रेलवे ट्रैक के निर्माण कार्य को लेकर कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी. रेलवे सूत्रों के अनुसार 16 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक गोमो-गया होकर जानेवाली 18609/18610 रांची-लोकमान्य-रांची व धनबाद-गोमो-गया होकर जानेवाली 12381/12382 हावड़ा-नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस प्रयागराज होकर नहीं चलेगी. पंडित दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर चलेगी. प्रयागराज जानेवाले यात्रियों को प्रयागराज छिवकी में ही उतरना होगा. लगभग ढाई महीने तक हजारों यात्रियों को परेशानी होगी. रांची व बोकारो से प्रयागराज जानेवाले यात्री झारखंड स्वर्णजयंती एक्सप्रेस, नई दिल्ली गरीब रथ व संबलपुर-जम्मूतवी और हावड़ा, आसनसोल, धनबाद, गोमो, पारसनाथ, कोडरमा के यात्री नेताजी एक्सप्रेस, गरबा एक्सप्रेस, प्रताप सुपरफास्ट, कोलकाता-अजमेर, कोलकाता-बीकानेर, जोधपुर एक्सप्रेस, शिप्रा, चंबल व राजधानी एक्सप्रेस का इस्तेमाल कर सकते हैं.

सीआरपी महिलाओं को छह माह से नहीं मिला मानदेय

संजीव मेहता । आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम समेत पूरे राज्य के निकायों में केंद्र प्रदत्त योजनाओं को संचालित करने के लिए कार्यरत सीआरपी (कम्युनिटी रिसोर्सेस पर्सन) महिलाओं को अप्रैल माह (छह माह) से मानदेय नहीं दिया जा रहा है. जबकि इन सीआरपी महिलाओं को हर माह 5935 रुपये प्रति माह के अनुबंध पर बहाल किया गया था. सीआरपी महिलाओं का कार्य क्षेत्र में घूम-घूम कर स्वयंसेवी संगठन बनाना, उन्हें केंद्र प्रदत्त योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें ऋण दिलाना, समय-समय पर उनके लिए कार्यशाला आयोजित करना आदि है. लेकिन अब इन सीआरपी बहनों को बिना मानदेय के ही इस वर्ष दुर्गोत्सव, दीपावली और छठ जैसे त्योहार मनाना पड़ेगा. सीआरपी महिलाओं को नगर विकास विभाग रांची जाने पर भी मानदेय मिलने के आश्वासन के बजाय दो टूक जवाब मिला है, इससे अब ये महिलाएं राज्य स्तर पर आंदोलन की ओर अग्रसर हो रही हैं.

सीआरपी महिलाओं की मांग जायज है. लेकिन नगर विकास विभाग ने तकनीकी गड़बड़ी की है. इसकी वजह से इन्हे मानदेय मिलने में परेशानी हो रही है. यह कहना है नगर निगम आदित्यपुर के नगर प्रबंधक मुकुट मणि सोरेन का. उन्होंने कहा कि सीआरपी महिलाओं ने लक्ष्य के अनुरूप काम किया है और एक-एक महिला ग्रुप ने 50 से अधिक संगठन को संगठित कर उन्हें ऋण आदि की सुविधाएं दिलाई हैं.

ब्रीफ खबरें

ट्रक दुर्घटना में चालक हुआ घायल, भर्ती

बहरागोड़ा । बरसोल थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 49 पर शुक्रवार रात ट्रक दुर्घटना में गिरिडीह जिला निवासी मनोज यादव (27) नामक चालक घायल हो गया. जानकारी के अनुसार ट्रक चालक बहरागोड़ा से कोलकाता की ओर जा रहा ट्रक रात गोहलामुड़ा चौक के निकट दुर्घटनाग्रस्त होने से चालक बुरी तरह से घायल हो गया. जिसे बरसोल पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया जहां स्थिति को गंभीर देखते हुए पीआरएम मेडिकल कॉलेज बरीपदा रेफर कर दिया गया.

आनंदपुर में सड़क दुर्घटना में दो घायल

मनोहरपुर । आनंदपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक छात्रा और एक वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. गंभीर रूप से घायल वृद्ध महिला का मनोहरपुर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए राउरकेला रेफर कर दिया गया है. वहीं, घायल छात्रा का मनोहरपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है. घायल वृद्ध महिला 65 वर्षीय पूर्णिमा देवी आनंदपुर थाना अंतर्गत भालडुंगरी की रहने वाली है.

कोयले की तस्करी में लिप्त वाहन जब्त हुआ

गिरिडीह । जिले के पचम्बा थाना क्षेत्र के ग्राम सुंदरताड़ में एक पिकअप वाहन से अवैध रूप से कोयला के परिवहन की गुप्त सूचना पुलिस को मिली थी. इसी आधार पर पुलिस की टीम ने शुक्रवार की देर रात सुंदरताड़ के पास घेराबंदी कर पिकअप वाहन को कोयला तस्करी करते पकड़ा गया. पुलिस टीम ने मौके पर गाड़ी सहित कोयले को जब्त कर लिया. जब्त कोयला को गाड़ी सहित थाना लाया गया है. पुलिस कानूनी कार्रवाई में जुटी है.

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

घाटशिला । गालूडीह रेलवे स्टेशन के तीन नंबर प्लेटफार्म के रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आकर शनिवार को एक युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान नहीं हो सकी है. इधर, सूचना मिलने के बाद घाटशिला रेल पुलिस (जीआरपी) एवं समाजसेवी कलीराम शर्मा की मदद से युवक के शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेज दिया गया है. जीआरपी ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है. आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर किसी ने भी पहचान नहीं की है.

छात्र ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

पुटकी । पुटकी श्रीनगर निवासी टेम्पो ड्राइवर व जेनरल स्टोर संचालक मोहमद नौशाद के 18 वर्षीय पुत्र मोहमद रेहान ने अपनी ही दुकान में शुक्रवार की रात फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. पिता ने बताया कि रोज की तरह रेहान रात को करीब 9 बजे खाना खाकर छोटा फोन अपने साथ लेकर दुकान सोने चला गया. सुबह करीब 7 बजे दुकान खोलने के लिये गए तो अंदर से कोई आवाज नहीं आ रही थी. जब दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि रेहान गमछा के सहारे लटका था.

सेंधमारी कर नगदी समेत हजारों की चोरी

देवघर । जसीडीह थाना क्षेत्र के लीलुडीह गांव में शुक्रवार रात चोरों ने एक घर में सेंधमारी कर नगदी समेत हजारों के सामानों की चोरी कर ली. पीड़ित जसीडीह थाना क्षेत्र के लीलुडीह निवासी मनोज दास ने थाने में लिखित शिकायत करते हुए बताया कि शुक्रवार की रात में परिवार के सदस्य खाना खाकर अपने कमरे में सो रहे थे. इस बीच अपराधियों ने सेंधमारी कर नगद 30 हजार रुपए नकद, बर्तन, पायल तीन जोड़ा, सिकड़ी चार जोड़ा सहित कई सामान चोरी कर फरार हो गए.

घर में घुसकर मारपीट करने का लगाया आरोप

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के बेंदी पंचायत के जेर गांव निवासी डेबुल उरांव ने घर में घुसकर तोड़फोड़ व परिवार के लोगों के साथ मारपीट एवं फायरिंग करने के आरोप में सदर थाना में एक आवेदन दिया है. डेबुल उरांव ने बताया कि गत पांच अक्टूबर की रात्रि मुकुल उरांव, मुकेश उरांव व दिनेश उरांव के कहने पर तीन से चार अज्ञात लोग घर में जबरन घुस गये और घर में रखे टीवी, साइकिल, कुर्सी, बक्सा व चौकी समेत और सामान को तोड़ दिया.

पुलिस ने चोरी के जेवर खरीदने वाले दो को पकड़ा

संवाददाता । गिरिडीह

नगर थाना पुलिस ने चोरी की जेवरात खरीदने वाले सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर चोरी कांड का खुलासा किया है. इस दौरान पुलिस ने करीब 400 ग्राम चांदी से बनाए गए पांच नए पायल को बरामद किया है. इसकी पुष्टि डीएसपी संजय राणा ने की है. बताया जाता है कि नगर थाना के तिरंगा चौक निवासी केशव कोलिवाल के यहां चोरी हुई थी. इस मामले में 4 अक्टूबर को दर्ज प्राथमिकी में संजय यादव, पिता गुलाब यादव, धरियाडीह थाना नगर निवासी को आरोपित बताया गया था.

पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर धरियाडीह के संजय यादव को शनिवार को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार संजय यादव ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी की गई चांदी के बर्तन आदि को उसने प्रदीप ज्वेलर्स दुकान के मालिक प्रदीप मैती व सुबोजीत मैती की दुकान में बेच दिया है.

प्रदीप ज्वेलर्स में छापामारी चांदी से बनी पायल बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार संजय यादव की निशानदेही पर सुबोजीत मैती की दुकान प्रदीप ज्वेलर्स में छापामारी कर चोरी के चांदी से बनाया गया पांच जोड़ा पायल वजन करीब 400 ग्राम को बरामद किया कर लिया. इसी क्रम में पुलिस ने प्रदीप ज्वेलर्स के मालिक सुबोजीत मैती को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार सुबोजीत मैती ने पुलिस के समक्ष स्वीकारा कि वह व उसके पिता चोरी की सोना-चांदी को कम दाम पर खरीदते हैं.

बोकारो : बाइक की डिक्की से 3 लाख के सोना-चांदी गायब

- बाइक खड़ी कर सब्जी खरीदने गया था आभूषण विक्रेता

बोकारो । बोकारो जिले के जरीडीह थाना इलाके के जैनामोड़ बाजार में शुक्रवार की शाम सड़क किनारे बाइक लगाकर सब्जी खरीदने गए आभूषण विक्रेता की तीन लाख रुपये की सोना-चांदी के जेवर चोरों ने गायब कर दी. जानकारी के अनुसार जरीडीह थाना इलाका के जैना बस्ती निवासी मिथुन कुमार स्वर्णकार शुक्रवार की शाम दुकान बंद कर सब्जी खरीदने जैनामोड़ बाजार आए. इस दौरान वे फल दुकान के सामने मेन रोड में अपनी अचीवर बाइक खड़ी कर सब्जी खरीदने गए. जब लौटे तो बाइक की डिक्की खुली थी और डिक्की में रखी तीन किलोग्राम चांदी व 10 ग्राम सोने के आभूषण गायब थे. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

आओ जानें

सबसे अधिक झारखंड में है बिना टेलीफोन वाले थाने:

राज्य	थाना
झारखंड	211
असम	126
मणिपुर	64
पंजाब	63
मेघालय	60
नगालैंड	36
मिजोरम	26
छत्तीसगढ़	22

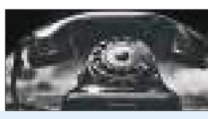

सबसे अधिक झारखंड के 47 थानों में गाड़ी नहीं:

राज्य	थाना
झारखंड	47
मणिपुर	07
मेघालय	05
हिमाचल	02
उत्तराखंड	02

पैर फिसलने से पानी में गिरा, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मछली पकड़ने के दौरान युवक की डूबने से हुई मौत

- युवक परिवार में एकलौता कमाने वाला था. उसके परिवार में पत्नी, तीन छोटे-छोटे बच्चे व बूढ़ी मां है
- युवक की पहचान मैथन एरिया छह निवासी धर्मेन्द्र केवट (28) के रूप में हुई है

संवाददाता । मैथन

मैथन डैम के निचले क्षेत्र एरिया छह में शनिवार की सुबह करीब आठ बजे मछली पकड़ने के दौरान एक युवक की मौत डैम में डूबने से हो गई. युवक की पहचान मैथन एरिया छह निवासी धर्मेन्द्र केवट (28) के रूप में हुई है. सूचना मिलते ही मैथन पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया.

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धर्मेन्द्र मछली पकड़ने के लिए पानी में उतरा था. पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी में चला गया. जब तक आसपास के मछुआरे कुछ समझ पाते, वह डूब चुका था. मछुआरों ने उसे पानी से निकाला और आनन-फानन में डीवीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद उसके घर में मातम पसरा हुआ है. परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है. युवक परिवार में एकलौता कमाने वाला था. उसके परिवार में पत्नी, तीन छोटे छोटे बच्चे व बूढ़ी मां है.

मृतक के घर पहुंचे आसपास के लोग

चंदनकियारी में दस वर्षीय बच्चे की तालाब में डूबने से हुई मौत

- जिउतिया की खुशी मातम में बदली, मां बार-बार हो रही बेहोश

संवाददाता । बोकारो

चंदनकियारी के दुलाल बांध तालाब में नहाने के दौरान दस वर्षीय बच्चा महादेव धर की डूबकर शनिवार की सुबह हो गई. मृतक महादेव धर (10) अपने पिता आनंद धर के साथ सुबह में तालाब नहाने गया था. उसी दौरान गहरे पानी में फिसल कर गिर गया. हालांकि पिता ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह बच नहीं सका. आस-पास के लोगों की मदद से उसे निकाला जा सका, उस वक्त तक मौत हो चुकी थी. घटना की खबर मिलते ही गांव में जिउतिया पर्व की खुशी गम में तब्दील हो गई. टोले में मातम पसर गया. बताया जाता है पर्व को लेकर महादेव की मां उसका इंतजार कर रही थी, लेकिन उसकी मौत की खबर के बाद बेहोश होकर गिर पड़ी. उसका हाल में ही चंदनकियारी के होली क्रॉस स्कूल में नामांकन भी कराया गया था. हालांकि घटना को लेकर पुलिस को जानकारी दी गई.

घाटशिला : स्वर्णरेखा नदी में डूबने से 75 वर्षीय वृद्धा की मौत

संवाददाता । घाटशिला

धालभूमगढ़ थाना अंतर्गत राजबाड़ी के समीप स्वर्णरेखा नदी में डूबने से राजस्टेट निवासी 75 वर्षीय शिबो नामाता की मौत शुक्रवार की देर रात हो गई. पुलिस एवं स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से निकाला गया. शनिवार को शव का पोस्टमार्टम डॉ आरएन टुडू ने किया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. घटना के संबंध में वृद्धा के पोते उद्धव नामाता ने बताया कि दादी शुक्रवार की शाम 4 बजे घर से किसी के घर भोज में शामिल होने गई थी. देर रात तक वापस नहीं आने के बाद खोजबीन किया गया तो पता चला कि नदी के समीप बन रहा पानी टंकी के पास एक शव फंसा हुआ है. वहां जाकर देखा तो दादी पानी में डूबी हुई थी. बाद में घटना की सूचना घाटशिला पुलिस को दी गई. घाटशिला थाना की पुलिस ने पहुंचने पर बताया कि यह सीमा धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़ता है. इसके बाद धालभूमगढ़ पुलिस को सूचना दी गई. जिसके बाद धालभूमगढ़ पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. वहीं पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

नदी में डूबने बच्ची की मौत, दूसरी लापता

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के भटको गांव में औरंगा नदी की तेज बहाव में डूबने से एक बच्ची की मौत हो गयी, जबकि एक बच्ची लापता है. मृत बच्ची की पहचान प्रदीप राम के सात वर्षीय पुत्री पूर्णिमा कुमारी के रूप में हुई है. जबकि शिव कुमार की सात वर्षीय पुत्री चांदनी कुमारी अभी भी लापता है. जानकारी के अनुसार गांव के छह बच्चे औरंगा नदी में नहाने गये थे. वे अक्सर वहां नहाने जाते थे. शनिवार को वे नदी में नहाने गये तो अचानक औरंगा नदी में पानी का तेज बहाव आया और उसमें सभी बहने लगे. आसपास के ग्रामीणों ने जब उन्हें बहता देखा तो बच्चों को बचाने के लिए नदी में कूद पड़े. ग्रामीणों ने छह में से चार बच्चों को सकुशल नदी से निकाल लिया. दो बच्चियां पानी की तेज धार में बह गयी. बाद में पूर्णिमा कुमारी का शव नदी से बरामद किया गया. चांदनी की खोजबीन ग्रामीण कर रहे हैं. सूचना मिलने पर मनिका थाना प्रभारी भानू प्रताप सिंह व एसआई प्रदीप राय दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे. घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है. वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

झारखंड में बढ़ी हैं हत्या की घटनाएं

झारखंड में जुलाई महीने में हत्या की 173 घटनाएं हुईं

संवाददाता। रांची

झारखंड में हत्या की घटनाएं बढ़ गई हैं. स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो झारखंड के मुताबिक, झारखंड में इस साल जून महीने में हत्या की 151 घटनाएं हुई थी. जबकि जुलाई महीने में यह बढ़कर 173 हो गई. पलामू और हजारीबाग जिला में सबसे अधिक हत्या की घटनाएं हुई हैं. इसके अलावा जुलाई महीने में झारखंड पुलिस ने 2835 अभियुक्त को गिरफ्तार किया है. वहीं जून में 1895 अभियुक्त को गिरफ्तार किया है.

किन जिलों में कितनी घटनाएं हुई

जिला	जून	जुलाई
रांची	11	18
खूंटी	02	07
गुमला	06	10
सिमडेगा	06	05
लोहरदगा	01	05
चाईबासा	05	05
सराइकेला	03	07
जमशेदपुर	07	06
पलामू	16	14
लातेहार	04	09
गढ़वा	15	09
हजारीबाग	07	16
रामगढ़	02	03
कोडरमा	03	05
चतरा	11	10
गिरिडीह	10	08
धनबाद	13	07
बोकारो	03	05
दुमका	05	06
गोड्डा	09	05
जामताड़ा	01	02
देवघर	06	08
साहेबगंज	04	02
पाकुड	03	01
कुल	**151**	**173**

बाजार समिति से तेल चोरी के 3 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता । जमशेदपुर

परसुडीह थाना अंतर्गत बाजार समिति में सरसों तेल की चोरी करने के मामले में पुलिस ने खरीददार समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में चोरी करने वाला परसुडीह निवासी राजा प्रसाद और सूरज यादव के अलावा चोरी का सामान खरीदने वाला बागबेड़ा निवासी बंशीलाल शामिल है. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए सरसों का तेल बरामद कर लिया है. वहीं, घटना में प्रयुक्त मिनी ट्रक को भी

बरामद किया गया है. चोरी किए गए सरसों तेल की कीमत 83 हजार रुपये थी. इस संबंध में एक आरोपी अब भी फरार चल रहा है जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है.

चोरी के बाद बेच दिया था तेल

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तीन अक्टूबर की रात वे लोग मिनी ट्रक लेकर गोदाम में पहुंचे थे और वहां रखे तेल को चोरी कर ली थी. दूसरे दिन चोरी किए गए तेल को बागबेड़ा निवासी बंशीलाल को 66 हजार रुपये में बेच दिया था. पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से चोरों की पहचान की और उन तक पहुंची. चोरों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है.

गिरिडीह : दुधारु भैंसों से भरा ट्रक जब्त, तीन लोग गिरफ्तार, जेल

संवाददाता । गावां (गिरिडीह)

गावां थाना पुलिस ने शनिवार को मंझने पुल के पास मवेशियों से भरा एक ट्रक को जब्त किया है. पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है. जब्त ट्रक में 14 भैंस व 5 बछड़े लदे थे. बताया जाता है कि हाजीपुर जिले के जदुआ हाट बाजार से सभी मवेशी को खरीदकर बोकारो के एक खटाल ले जाया जा रहा था. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पसनौर पुल के पास ट्रक को जब्त कर थाना ले गयी. वहीं, मौके पर से चालक समेत 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार आरोपी पटना निवासी छोटू कुमार पिता प्रेम पासवान, चालक फतुहा निवासी अजय कुमार पिता स्व सुनील पासवान व दानापुर निवासी सुजीत कुमार पिता हरी राय शामिल है. मामले में गावां थाना पुलिस ने कहा कि गावां थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है. वहीं जब्त मवेशियों को पचंबा गोशाला भेज दिया गया है.

आईआरबी के हाथों में होगी नक्सल अभियान की कमान

संवाददाता। रांची

अब आईआरबी जवानों के हाथों में नक्सल विरोधी अभियान की कमान होगी. झारखंड-बिहार सीमा पर नक्सल अभियान में सीआरपीएफ की जगह आईआरबी के जवानों को तैनात किया जाएगा. आईआरबी के जवानों की तैनाती बिहार से सटे पलामू के इलाके में की जाएगी. इस संबंध में पुलिस मुख्यालय की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है. दो दशक के बाद बिहार सीमा पर सीआरपीएफ की जगह आईआरबी नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व करेगी. पलामू में सीआरपीएफ 134 बटालियन की सात कंपनियां तैनात थीं. इसके अलावा पलामू, चतरा और लातेहार सीमा पर तैनात थी. इनमें बिहार सीमा पर दो स्थानों को छोड़ दिया जाए तो सभी जगह सीआरपीएफ की कंपनियों को हटा दिया गया है. आईआरबी की टुकड़ी जल्द ही पलामू में तैनात होगी. पलामू के लेस्लीगंज में आईआरबी और जैप का मुख्यालय है.

आदेश जारी

- आईआरबी के जवानों की तैनाती पलामू में होगी
- पलामू में सीआरपीएफ के 134 बटालियन को क्लोज किया

पलामू में सीआरपीएफ का 134 बटालियन क्लोज : पलामू में सीआरपीएफ के 134 बटालियन को क्लोज किया जा रहा है. पलामू से सीआरपीएफ 134 बटालियन को सारंडा के इलाके में शिफ्ट किया जा रहा है. बताते चलें कि 1995-96 में पहली बार नक्सल विरोधी अभियान के लिए पलामू में सीआरपीएफ की दो कंपनी पहुंची थी. वर्ष 2003-04 में पहली बार पूरी बटालियन की तैनाती की गई थी. उस समय 13वीं बटालियन को तैनात किया गया था. वर्ष 2010-11 में सीआरपीएफ की 134वीं बटालियन को तैनात किया गया था.

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार महिला की मौत, पति सहित दो घायल

खूंटी । जियारप्पा गांव के समीप शनिवार को सड़क दुर्घटना में बाइक पर सवार हुस्ना परवीन (37) की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे महिला के पति मो सिराज अंसारी तथा दूसरे बाइक पर सवार कर्रा थाना क्षेत्र के सोमा महतो घायल हो गए. जानकारी के अनुसार कुम्हार टोली डोरंडा रांची निवासी और झालसा रांची के स्टाफ मो सिराज अंसारी अपनी पत्नी हुस्ना परवीन के साथ बाइक से खूंटी के मेलाटांड़ स्थित अपनी ससुराल में बीमार सास को देखने आ रहा था. इसी दौरान घटनास्थल के समीप पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक केटीएम ड्यूक बाइक सवार ने उनकी बाइक को तेजी से ओवरटेक किया. ओवरटेक करने के दौरान तेज रफ्तार केटीएम ड्यूक बाइक से उनकी बाइक को छूते निकल गई, जिससे अनियंत्रित होकर दोनों बाइक सवार लोग बाइक सहित पक्की सड़क पर गिर पड़े. इस दुर्घटना में घायल बाइक सवार दंपती को इलाज के लिए केएस गंगा नामक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परवीन को मृत घोषित कर दिया.

क्राइम मीटिंग में लंबित मामलों पर दिए निर्देश, कहा-

जल्द से जल्द मामलों का निष्पादन करें : एसएसपी

संवाददाता । जमशेदपुर

एसएसपी किशोर कौशल ने शनिवार को पुलिस पदाधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग की. इस दौरान सिटी सह ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग, सभी डीएसपी समेत थाना प्रभारी मौजूद रहे. मीटिंग के दौरान उन्होंने सभी थानों में लंबित पड़े मामलों के बारे में जाना और जल्द से जल्द मामलों के निष्पादन करने का आदेश दिया. इसके लिए सभी को एक टारगेट भी दिया गया.

वहीं एसएसपी ने थानों में चार साल से पुराने मामलों को भी खंगाला. थानों में लंबित पड़े वारंट और कुर्की को भी 15 दिनों में 30 प्रतिशत तक निष्पादित करने को कहा.

उन्होंने मीटिंग के दौरान 450 संगठित अपराधियों की गतिविधि देख उनका सत्यापन करने का निर्देश दिया. मीटिंग के दौरान एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के पीस कमेटी के साथ बैठक करने, पूजा के दौरान पार्किंग की व्यवस्था करने, विसर्जन घाट का निरीक्षण कर घाटों में लाइट की व्यवस्था करने और सेंसेटिव जोन में गश्ती की व्यवस्था करने का भी आदेश दिया.

बोकारो : लोहा चोरी करने पहुंचा पिकअप जब्त, एक गिरफ्तार

संवाददाता । बोकारो

बालीडीह थाना इलाके के बोकारो औद्योगिक क्षेत्र में यूनिवर्सल फाउंडरी कंपनी के गेट पर रखे लोहे के एंगल को चोरी करने चोरों का गिरोह पहुंचा था. जब इसकी भनक सुरक्षा कर्मियों को लगी, तो चोर पिकअप वैन छोड़कर फरार हो गए. घटना शुक्रवार रात करीब 2 बजे की है. बालीडीह पुलिस ने मौके से लोहे के एंगल, वैन, गैस कटर आदि को जब्त कर थाना ले आई है. चोर गैस कटर से लोहे को काट कर पिकअप वैन पर लोड कर रहे थे. इस बीच लोहे की आवाज सुनकर कर्मचारी ने देखा तो सभी भाग खड़े हुए.

इसकी सूचना पुलिस को दी गई. पेट्रोलिंग पुलिस को सूचना मिलते ही वैन को पकड़ा. बताया जाता है कि चार-पांच की संख्या में अपराधी चोरी करने पहुंचे थे. इसमें से एक अपराधी को कम्पनी के लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है. पुलिस मामले जांच में जुट गई है.

मिला न्याय अदालत ने जेल में बंद तीनों आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत कराया

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के 3 अभियुक्तों को उम्रकैद

- तीन आरोपियों बालकिशोर उरांव, मोहनदेव उरांव और मनीष महतो ने सामूहिक दुष्कर्म किया था

संवाददाता । लातेहार

पोक्सो की विशेष अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अमित कुमार की अदालत ने किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई. साथ ही 25-25 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया. मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने जेल में बंद तीनों आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत कराया और उन्हें फैसला सुनाया. पोक्सो अदालत के

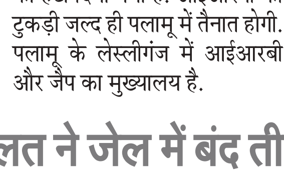

विशेष लोक अभियोजक अशोक कुमार दास ने बताया कि चंदवा थाना क्षेत्र के तीन आरोपियों बालकिशोर उरांव, मोहनदेव उरांव और मनीष महतो ने चंदवा की एक 15 वर्षीय लड़की को उस समय रास्ते में रोक कर सामूहिक दुष्कर्म किया था, जब वह कुछ सामान खरीदने दुकान जा रही थी. तीनों आरोपियों ने उसे रास्ते से पकड़ कर बारी-बारी से दुष्कर्म किया था.

कुल 9 गवाहों को पेश किया : इस मामले में पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था. अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में कुल नौ गवाहों को पेश किया गया. मामले की सुनवाई के उपरांत अदालत ने उक्त आरोपियों को पोक्सो एक्ट के तहत दोषी पाते हुए टील नेचुरल लाइफ उम्रकैद एवं 25- 25 हजार जुर्माना की सजा सुनाया. मालूम हो तीनों आरोपी वर्ष 2020 से ही जेल में थे. पोक्सो अदालत के विशेष लोक अभियोजक अशोक कुमार दास ने बताया कि इस फैसले से पीड़ित पक्ष को काफी राहत मिली है. उन्होंने इस मामले की स्पीडी ट्रायल करा कर अपराधियों को सजा दिलाया है.

गिरिडीह : हत्या मामले में चार आरोपियों को आजीवन कारावास, 10-10 हजार जुर्माना

गिरिडीह । गिरिडीह के तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सौमेन्द्र नाथ सिकंदर के कोर्ट ने शनिवार को जमीन विवाद में हुई हत्या के मामले में चार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ जुर्माना भी लगाया है. जिन चार आरोपियों को सजा मिली है, उनमें पीरटांड थाना क्षेत्र के पालगंज गांव निवासी बजरंगी सोनार, शंकर सोनार, कैलाश सोनार व सुजीत सोनार है.

फिलहाल चारों जेल में ही बंद हैं. शनिवार को अपर लोक अभियोजक सुधीर कुमार और बचाव पक्ष के अधिवक्ता प्रमोद कुमार अमबष्ट की दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने चारों आरोपियों को एक साल और 10-10 साल की सजा सुनाने के साथ 10-10 हजार का जुर्माना भी लगाया है. वहीं, हत्या में आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ 10-10 का जुर्माना बजरंगी सोनार, शंकर सोनार, कैलाश सोनार व सुजीत सोनार के खिलाफ सुनाया गया. बताते चलें कि पालगंज में जमीन विवाद में हत्या का यह मामला साल 2022 का है.

दो सदस्यों की हत्या का आरोपी उग्रवादी सुजीत कुमार गिरफ्तार

संवाददाता । चाईबासा

अपने दस्ते के दो सदस्यों की हत्या में शामिल पीएलएफआई उग्रवादी गिरफ्तार हुआ है. एसपी आशुतोष शेखर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए जोसेफ गुड़िया को गिरफ्तार किया. जोसेफ गुड़िया की गिरफ्तारी आनंदपुर और बानो थाना क्षेत्र के सीमावर्ती घाटबाजार से हुई है. इस मामले में पीएलएफआई उग्रवादी संगठन का एरिया कमांडर दो लाख का इनामी सुजीत कुमार उर्फ साहू जी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. इसकी निशानदेही पर पुलिस ने दोनों शव को जमीन के अंदर से बरामद किया था.

क्या है मामला

मनोहरपुर थाना पुलिस ने आठ सितंबर 2021 को दो उग्रवादी जेम्स डुमडुंग और हुल्ला होरो के शव बरामद किये थे. दोनों शवों की बरामदगी 4 सितंबर 2021 को गिरफ्तार एरिया कमांडर साहू जी की निशानदेही पर की गयी थी. अपनी गिरफ्तारी से पहले साहू जी ने अपने सहयोगी पाहन के साथ मिल कर अपने ही दस्ते के दोनों सदस्यों जेम्स और हुल्ला की हत्या कर दी थी. पुलिस रिमांड में साहू जी से पूछताछ में उसने अपने दस्ते के दो सदस्यों की हत्या किये जाने की बात बतायी. साथ ही वह जगह भी बतायी, जहां दोनों के शव जमीन में गाड़े गये थे. मनोहरपुर थाना पुलिस ने मंगराडोला नाला से दोनों का शव बरामद कर लिया था.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष — माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें. चतुर्थ चंद्रमा के प्रभाव से किसी से विवाद होगा. पराक्रम में वृद्धि होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बताएं. स्वास्थ पर ध्यान दें.

वृषभ — धन कुछ कम मिलेगा और मेहनत ज्यादा करनी होगी. कार्य पूर्ण होंगे. प्रसन्नता तथा उत्साह से काम कर पाएंगे. मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने से मान-सम्मान मिलेगा. नौकरी में सहयोगी सहायता करेंगे.

मिथुन — धन के आगमन से मन प्रसन्न हो जाएगा. उत्साह-वर्धक सूचना मिलेगी. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. व्यस्तता रहेगी. थकान हो सकती है. व्यापार ठीक चलेगा.

कर्क — समय सामान्य है, पर रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें. निवेश शुभ फल देगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. आपके कार्य और प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

सिंह — कोई धार्मिक या सामाजिक यात्रा हो सकती है. खर्च पर नियंत्रण रखें. खर्च अधिक होने से आर्थिक तंगी रहेगी. नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी. मन में दुविधा रहेगी. आय की निश्चितता में बाधा होगी.

कन्या — आय और नया कार्य के लिए दिन बहुत ही शुभ है. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. किसी समस्या का अंत होगा. प्रसन्नता व उत्साह में वृद्धि होगी. भाग्य का साथ रहेगा. पितरों के नाम से अन्न दान करें.

तुला — सरकारी कार्य मे गति आएगी. न्यायालय से लाभ मिलता दिख रहा है. कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन हो सकता है. मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी.

वृश्चिक — ससुराल से कोई लाभ का योग है. धर्म में मन लगेगा. सत्संग का लाभ प्राप्त होगा. कोर्ट व कचहरी के कार्यों में गति आएगी. चिंता में कमी रहेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा.

धनु — कुछ मानसिक तनाव वाला दिन होगा. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. हताशा का अनुभव होगा. आय में निश्चितता रहेगी. कारोबार ठीक चलेगा. नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है. अन्न और जल पक्षियों को दें.

मकर — जीवनसाथी के साथ सम्बंध मधुर होगा. कारोबार मनोनुकूल लाभ नहीं देगा. नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी. बाहरी वातावरण सुखद रहेगा. पर भाग्य का साथ रहेगा. शिव मंदिर में झाड़ू का दान करें.

कुंभ — मौसमी बीमारियों से बचाव आवश्यक है. परीक्षा व प्रतियोगिता आदि में सफलता प्राप्त होगी. आय में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. शारीरिक कष्ट की आशंका प्रबल है.

मीन — शिक्षा में स्वास्थ्य को लेकर बाधा हो सकती है. माता से विवाद हो सकती है. आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे. मान-सम्मान मिलेगा. अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा.

मैथिली भाषा का कवि सम्मेलन आज

आदित्यपुर। अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद सरायकेला-खरसावां के तत्वावधान में 8 अक्टूबर रविवार को संध्या पांच बजे से सामुदायिक भवन श्रीराम मंदिर रोड नंबर 13-14 आदित्यपुर-2 में मैथिली भाषा कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. इसमें शहर के ख्यात कवि/कवियित्री अपनी कविता से श्रोताओं को साहित्य के विभिन्न रसों से सराबोर करेंगे. यह जानकारी परिषद के अध्यक्ष हंसराज जैन और महासचिव गोपाल चंद्र झा ने संयुक्त रूप से दी. उन्होंने बताया कि परिषद मैथिली भाषा, संस्कृति और झारखंड प्रदेश के साथ-साथ मैथिल समाज के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन अनवरत करती आ रही है. इसी कड़ी में एक सार्थक प्रयास किया गया है.

पितृपक्ष पर महाप्रसाद का वितरण

घाटशिला । पितृपक्ष के मौके पर नारायणी सेना घाटशिला द्वारा शनिवार को हनुमान मंदिर के समीप महाप्रसाद का वितरण किया गया. मौके पर नारायणी सेना की रेखा जैन ने बताया कि पितृपक्ष पर आम लोगों के बीच प्रसाद वितरण करने से पितृ देवता प्रसन्न होते हैं. उन लोगों को शांति मिलती है तथा आशीर्वाद प्राप्त होता है. इस आयोजन को लेकर नारायणी सेवा की महिलाओं ने संपूर्ण सहयोग किया. मौके पर रुचि जैन, खुशबू अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, स्वेता गुप्ता, गीतिका अग्रवाल, स्वेता अग्रवाल, मेघा सिंघानिया, मुस्कान आनंद, किरण अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, नीतू गोयल, संगीता अग्रवाल, कांता अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, पायल अग्रवाल, खुशबू अग्रवाल उपस्थित थी.

बिहार क्लब में दो पूजा समितियों का स्वागत

रांची। रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के कार्यालय बिहार क्लब में सत्य अमरलोक दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष एवं श्री दुर्गा पूजा समिति रेलवे स्टेशन नामकुम के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों का महानगर के कार्यालय में अभिनंदन और स्वागत किया गया. सत्य अमर लोक के अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह एवं उनके पदाधिकारी तथा रेलवे स्टेशन नामकुम के अध्यक्ष विनोद सिंह एवं दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारी को माल्यार्पण एवं चुन्नी देकर दुर्गा पूजा में उनकी भूमिका की सराहना की गई.

पर्व-प्रसंग : संतान के लिए निर्जला उपवास करनेवाली महिलाओं ने किया पारण

डाली विसर्जन के साथ संपन्न हुई जिउतिया पूजा

संवाददाता। चांडिल :

पुत्र के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य व परिवार में सुख-समृधि की कामना के लिए की जाने वाली जीवित्पुत्रिका व्रत शनिवार को जितिया डाली विसर्जन करने के साथ ही संपन्न हो गया. चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के लगभग हर गांव में मनाई जाने वाली जितिया, जिउतिया या जीवित्पुत्रिका पूजा को लेकर चारों ओर उत्साह का माहौल है. संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा. आश्विन माह में कृष्ण-पक्ष के सातवें से नौवें चंद्र दिवस तक मनाए जाने वाला जिउतिया पूजा अष्टमी को प्रदोषकाल में शुक्रवार की रात की गई. पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने जीवित्पुत्रिका व्रत की कथा सुनी. इस दौरान महिलाओं ने जिउतिया से जुड़े गीत गाते हुए नृत्य कर जागरण किया. शनिवार सुबह पवित्र जलाशयों व नदियों में जिउतिया डाली का विसर्जन किया. इसके बाद व्रती महिलाओं ने पारण किया.

पूजा करती व्रती महिलाएं.

चील व सियारिन को चढ़ाया गया दही चूड़ा का प्रसाद : धूमधाम से किए जाने वाले जिउतिया व्रत में महिलाओं ने भगवान जीमूतवाहन के साथ चील और सियारिन की भी पूजा की. मिट्टी की सियारिन व चील बनाकर पूजा-अर्चना के दौरान उन्हें चूड़ा-दही का प्रसाद चढ़ाया गया. साथ ही खीरा व अंकुरित चना का प्रसाद चढ़ाया गया. इसी प्रसाद को ग्रहण कर व्रतियों ने पारण किया. मान्यता है कि कुश का जीमूतवाहन बनाकर पानी में उसे डाल बांस के पत्ते, चंदन, फूल आदि से पूजा करने पर वंश की वृद्धि होती है. पारण के दौरान व्रती महिलाएं पवित्र तालाब या अन्य जलाशयों में जीमूतवाहन राजा के प्रतीक स्वरूप गाड़ी गयी डाली के साथ मिट्टी व गोबर से बनी चील को डाली में जाने और सियारिन को बिल में जाने की कामना करते हुए उनकी प्रतिमा का विसर्जन करती हैं. जिउतिया पूजा को लेकर कई प्रकार की कथा प्रचलित है. उनमें से एक कथा चील और सियारिन की है.

आओ जानें

जमशेदपुर का डिमना झील

परिचय–	झारखंड का प्रमुख एवं अत्यंत लोकप्रिय पर्यटन स्थल. बहुत ही खूबसूरत और शांतिपूर्ण का स्थान
स्थान–	जमशेदपुर शहर की सीमा से लगभग 13 किलोमीटर की दूरी पर, दलमा पहाड़ियों की तलहटी में स्थित, इसका स्वास्थ्यप्रद वातावरण पिकनिक और नौकायन के लिए आदर्श है। इस खूबसूरत झील की सुंदरता पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है. इस झील के साफ और शांत पानी में नौका विहार, नौकायन और पानी की अन्य कई गतिविधियों का भरपूर आनंद ले सकते हैं.
स्थापना वर्ष –	17 अप्रैल 1944
परिकल्पना–	डिमना बांध की कल्पना टाटानगर और आसपास के क्षेत्रों में पानी की कमी की स्थिति को दूर करने के लिए की गई थी. टाटा स्टील के तहत निर्मित, यह बांध जमशेदपुर के मिर्जाडीह पंचायत के प्रशासन के तहत खरकई नदी पर बनाया गया है.
स्थिति–	इस झील की कुल भंडारण क्षमता लगभग 120 लाख घन फुट है। झील में पानी का फैलाव लगभग दो वर्ग मील है. झील साढ़े तीन मील लंबी और लगभग एक मील चौड़ी है. मिश्रित प्रकार के दो छोटे बांध हैं, एक 800 फुट लंबा और दूसरा 1,200 फुट लंबा. सबसे निचले स्तर से बांध की अधिकतम ऊंचाई 83 फुट है और तल पर अधिकतम चौड़ाई लगभग 400 फुट है.

शौर्य जागरण : चास के सिजुआ में हुआ रथ का स्वागत

अपनी बेटियों को झांसी की रानी बनाएं : साध्वी

संवाददाता । बोकारो

विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने चास के सिजुआ गांव में शौर्य जागरण रथ का स्वागत किया. मौके पर आयोजित धर्म जागरण सभा को संबोधित करते हुए रथ के साथ चल रही साध्वी लाडली शरण ने कहा कि हम सभी लोग धर्म को जानते हैं, लेकिन मानते नहीं हैं. सभी हिंदुओं को मिलकर धर्म को बचाना है और उसे मानने के लिए प्रेरित भी करना है. दूसरे धर्म के लोग काफी गर्व से अपना धर्म बताते हैं, लेकिन हिन्दू धर्म को मनाने वाले अपनी जाति बताते हैं. हमें जाति नहीं बताकर अपने हिन्दू होने का परिचय देना होगा. तभी हिन्दू समाज मजबूत बनेगा. आजकल हिन्दू लड़कियों का लव जिहाद के नाम पर अपहरण कर लिया जाता है. फिर उसके साथ क्या होता है, ये सब जानते हैं. ऐसे में सभी अपनी बेटियों को झांसी की रानी बनाएं, ताकि बेटियां वैसे बदमाशों से लड़ सके.

विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगरनाथ शाही ने कहा कि हिंदुओं को एकजुट होकर रहना होगा. तभी हिन्दू बच सकेगा. हिंदू अगर एकजुट नहीं होंगे, तो देश का बचना मुश्किल है. शौर्य जागरण रथ का जिस तरह सिजुआ गांव के लोगों ने स्वागत किया है, इस एकता को बरकरार रखना है. मौके पर सुभाष नेत्रगवांकर, संतोष कुमार, कुणाल चक्रवर्ती, दुर्गा सोरेन, स्वरूप दास, महेश सिंह, आशीष मंडल, विवेक ठाकुर, प्रकाश सोरेन, गुरुचरण सिंह, सावन सिंह, महावीर सिंह, ओपीन सिंह, सुभाष सरकार, पवन कुमार ठाकुर सहित गांव के लोग मौजूद थे. वहीं रथ के पहुचते ही महिलाओं ने आरती कर स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ कमलाकांत सिंह ने किया. वही सुबह रथ बोकारो शहर के सेक्टर-2 से रथ निकली थी, जो शहर और कई गांव का भ्रमण कर सिजुआ गांव पहुची थी. सिजुआ के बाद रथ बालीडीह के लिए रवाना हो गई.

मंचासीन लाडली शरण व अन्य.

शौर्य जागरण रथ के स्वागत में निकाली बाइक रैली

कसमार (बोकारो) । बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद की ओर से कसमार प्रखंड में 7 दिसंबर की दोपहर शौर्य जागरण रथ यात्रा सह बाइक जुलूस निकाली गयी. कार्यक्रम की शुरुआत कसमार स्कूल चौक स्थित बजरंगबली मंदिर प्रांगण से हुई, जो मेन रोड, शिवाजी चौक, प्रखंड मुख्यालय रोड, मोचरो होते हुए बहादुरपुर तक आयी. इस दौरान लगभग 125 की संख्या में कार्यकर्ताओं ने बाइक जुलूस में शामिल हुए. इस जुलूस में खैराचातर के कार्यकर्ता भी कसमार में शामिल हुए. रैली के दौरान डीजे व केशरिया ध्वज के साथ युवाओं ने धार्मिक जयकारे लगाए. बजरंग दल के कसमार प्रखंड अध्यक्ष सूरज साव ने बताया कि रैली कसमार प्रखंड के कई गांव-टोले से निकलकर कसमार चौक में एकत्रित हुई, जिसके बाद बाइक जुलूस की शक्ल में बहादुरपुर में बोकारो की ओर से आ रहे धर्म रथ में शामिल होकर कसमार प्रखंड के सभी कार्यकर्ता दांतू जाएंगे.

जदयू प्रवक्ता ने रिसालदार बाबा के मजार पर की चादरपोशी

रांची। उर्स के मौके पर जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा की दरगाह में चादरपोशी कर राज्यवासियों के लिए ख़ुशहाली की दुआ की. दरगाह कमेटी के नव निर्वाचित सदर अय्यूब गद्दी द्वारा पगड़ी बांध कर उनका इस्तकबाल किया गया. इस दौरान उन्होंने दरगाह कमेटी के पदाधिकारियों से मुलाकात की और उर्स मेला से सम्बंधित चर्चा की. मौक़े पर समाजसेवी मो. सरफ़राज़, दरगाह कमेटी के बेलाल अहमद, प्रवक्ता महबूब भाई, जावेद खान एवं अन्य उपस्थित रहे.

भव्य पंडाल बनवा रही नूतन बाजार पूजा समिति

संवाददाता। चाकुलिया

चाकुलिया की नूतन बाजार दुर्गा पूजा कमेटी इस वर्ष भी धूमधाम से दुर्गा पूजा आयोजित करने की तैयारी में जुटी है. कमेटी द्वारा भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है. बहरागोड़ा और पश्चिम बंगाल के कारीगर पंडाल निर्माण करने में जुटे हैं. पश्चिम बंगाल के कलाकारों द्वारा मूर्तियां बनाई जा रही हैं. कमेटी द्वारा भव्य तोरण द्वार भी बनाए जा रहे हैं.

चंदननगर की विद्युत सज्जा आकर्षण का केंद्र होगी. जानकारी हो कि यह कमेटी वर्ष 1990 से पूजा आयोजित करती आ रही है. पूजा को सफल बनाने में कमेटी के अध्यक्ष आलोक लोधा, उपाध्यक्ष अमित भारतीय, सुमित लोधा, सचिव राज मिश्रा, सह सचिव विकाश अग्रवाल और पूजा आयोजन कमेटी के अध्यक्ष राम भक्त दत्त, उपाध्यक्ष सुमित शर्मा, सचिव बिल्टू मल्लिक,सह सचिव संजय सिंह और टिंकु राय, राजा मल्लिक, तापस मल्लिक, हीरा मल्लिक, राहुल दे, कंचन दे, कान्हाई मल्लिक, सौरभ मल्लिक, लखिन्द्र मल्लिक, छोटन मल्लिक, बिरु राय, अनिल सिंह समेत अन्य जुटे हैं.

भारतीय युवा संघ गणपति पूजा समिति को मिला प्रथम पुरस्कार

संवाददाता। रांची

श्री गणेश पूजा रांची महानगर जिला महासमिति का पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार को आयोजित किया गया. इसमें प्रथम पुरस्कार भारतीय युवा संघ गणपति पूजा समिति पिस्का मोड़ लकड़ी टाल को दिया गया. वहीं द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार श्री श्री गणेश पूजा समिति साउथ रेलवे कॉलोनी चुटिया फुटबॉल ग्राउंड तथा श्री कृष्णा नगर कॉलोनी युवक संघ श्री गणेश पूजा समिति रातू रोड मेट्रो गली को दिया गया. पुरस्कार वितरण श्री चैती दुर्गा पूजा मंदिर (भुतहा तालाब) के प्रांगण में श्री गणेश पूजा रांची महानगर जिला महासमिति के द्वारा किया गया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री गणेश पूजा रांची महानगर जिला महासमिति का नेतृत्व कर रहीं राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने तमाम पूजा पंडालों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तमाम पूजा पंडालो इको फ्रेंडली होना चाहिए साथ ही उन्होंने आने वाले समय में पूजा पंडालों को और भी भव्य पूजा करने के लिए अपना पूर्ण सहयोग देने की बात कही. विशिष्ट अतिथि कृष्ण मोहन सिंह, रांची महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष कुमार राजा, मुख्य संरक्षक उज्जवल कुमार सिन्हा, मुख्य संरक्षक वार्ड 18 के प्रत्याशी सोमवित माजी सहित राजू महतो, बंटी यादव, विनय सिंह, संजय सिंह उर्फ लल्लू सिंह, वीरेंद्र जी, नमन भारतीय,अनिल कुमार, बबलू चौधरी,मुकेश शर्मा,आशुतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी शिव किशोर शर्मा,अमृता शर्मा, शिल्पी कुमारी वर्मा,बबीता सिंह, स्वप्ना चटर्जी,मधु सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे. इस दौरान ओवरऑल पुरस्कार न्यू स्टार नवयुवक संघ श्री गणेश पूजा समिति लोअर चुटिया, प्रथम पुरस्कार पंडाल भारतीय युवा संघ गणपति पूजा समिति पिस्का मोड़ लकड़ी टाल (अध्यक्ष- बिट्टू सिंह), द्वितीय पुरस्कार पंडाल श्री श्री गणेश पूजा समिति साउथ रेलवे कॉलोनी चुटिया फुटबॉल ग्राउंड (अध्यक्ष- वीरेंद्र पांडे), तृतीय पुरस्कार पंडाल श्री कृष्णा नगर कॉलोनी युवक संघ श्री गणेश पूजा समिति रातू रोड मेट्रो गली (अध्यक्ष- रौनक ग्रोवर), प्रथम पुरस्कार मूर्ति रांची गणेश पूजा समिति में रोड (अध्यक्ष- अमित माजी, संयोजक- संदीप मुखर्जी), द्वितीय पुरस्कार मूर्ति, देवाधिदेव महादेव मंदिर श्री गणेश पूजा समिति आनंद नगर पंडरा (अध्यक्ष- विक्की कुमार) को मिला. इसी प्रकार रांची ग्रामीण में प्रथम पुरस्कार पंडाल गोल्ड स्टार गणेश पूजा समिति रातू (अध्यक्ष- नितेश ठाकुर), द्वितीय पुरस्कार पंडाल एस.एस.स्पोर्टिंग क्लब पिस्का नगड़ी बाहेर रोड़ (अध्यक्ष- अभिषेक केसरी), प्रथम पुरस्कार मूर्ति श्री उपकार क्लब पुराना बाजार टॉड पिस्का नगड़ी (अध्यक्ष- मनीष केसरी) सहित तमाम पूजा समितियों को शांतिपूर्वक गणेश पूजा के तमाम कार्यक्रमों के साथ विसर्जन शोभा यात्रा को पूर्ण करने हेतु सभी को पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

गणेश पूजा पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित पुरस्कृत प्रतिनिधि.

आदित्यपुर में गोल्डन जुबिली पर होगा पूजा का भव्य आयोजन

संवाददाता। आदित्यपुर

खास बातें

- इस वर्ष पूजा समिति पूरे कर लेगी 49 वां साल
- 1993 जैसा ही बनाया जाएगा भव्य पूजा पंडाल

आदित्यपुर दो स्थित रोड नंबर 13-14 की श्रीश्री राम मंदिर नवयुवक दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष धूमधाम से दुर्गोत्सव मना रही है. चूंकि इस वर्ष इस पूजा कमेटी का 49वां वर्ष है, इसलिए इस वर्ष से ही कमेटी के अध्यक्ष भाजपा नेता विनय कृष्ण राजू गोल्डेन जुबिली की तैयारी में जुटे हैं. उन्होंने बताया कि इस वर्ष को यादगार बनाने के लिए भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है. वे कहते हैं कि वर्ष 1993 में तत्कालीन अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर सिंह ने जिस भव्यता से यहां पंडाल का निर्माण कराया था और शहर के जाने माने पूजा पंडालों में गिनती हुई थी, उसी के तर्ज पर इस वर्ष भी पूजा का आयोजन कॉलोनी वासियों के सहयोग से धूमधाम से किया जा रहा है.

आयोजन के लिए गठित कमेटी के सदस्यों में अध्यक्ष विनय कृष्ण (राजू सिंह), लाइसेंसी सह महासचिव विनोद सिंह, चेयरमैन रिंकू राय, कार्यकारी अध्यक्ष - सोनी सिंह, उपाध्यक्ष दीपक शुक्ला, अजीत सिंह, सागर सिंह, सूरज झा, नीतीश पांडे, सचिव जयेश भारद्वाज, अजय मिश्रा, मिथलेश झा, गणेश प्रसाद, कोषाध्यक्ष अखिलेश झा, उप कोषाध्यक्ष अखिलेश चौरसिया बनाये गये हैं. कमेटी के निर्णय के अनुसार पूजा के आचार्य महेश पाठक. यजमान अमित सिंह तथा संयोजक संतोष चौबे होंगे.

उत्सव आमझरिया में सिद्ध महामंत्र दिए जाने के 53वें वर्ष के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन

‘बाबा नाम केवलम’ कीर्तन की धुन पर झूमे चंदवा के लोग

संवाददाता। चंदवा

आनन्द मार्ग प्रचारक संघ के सेवा धर्म मिशन के तत्वावधान में लातेहार जिला के आमझरिया में सामूहिक ‘बाबा नाम केवलम’ अखण्ड कीर्तन पिछले काफी दिनों से चल रहा है. प्रत्येक दिन कीर्तन ‘बाबा नाम केवलम’ महामंत्र का जाप करने के बाद सामूहिक साधना और ध्यान किया जा रहा है. आठ अक्तूबर के दिन ही सन 1970 में श्री आनन्दमूर्ति जी ने लातेहार जिला के आमझरिया में मानवता के कल्याण हेतु सिद्ध महामंत्र ‘बाबा नाम केवलम’ भक्तों को प्रदान किया था. 8 अक्टूबर को महामंत्र का 53 वां वर्ष हो जाएगा. इसी के उपलक्ष्य में चंदवा में भी कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां ‘बाबा नाम केवलम’ कीर्तन की धुन पर चंदवा के लोग झूम उठे.

बाबा नाम केवलम’ कीर्तन की धुन से झूम उठे चंदवा के लोग.

पूरे विश्व में हो रहा कीर्तन : आचार्य पुणेसानंद अवधूत एवं आचार्य जगदात्मानंद अवधूत ने बताया कि यह मंत्र भारत वर्ष ही नहीं, पूरे विश्व के 180 देशों में कीर्तन दिवस के अवसर पर सामूहिक कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि कीर्त्तन से धनात्मक भाव तरंगों का सृजन होता है, जो वातावरण में स्थित नकारात्मक तरंगों को नष्ट कर पर्यावरण को शुद्ध बनाता है. सामूहिक कीर्तन तथा भौतिक एवं मानसिक शुचिता अति आवश्यक है. कीर्तन समर्पण एवं भगवत प्रेम के लिए अति सरल और सहज साधन है. कीर्तन से मन पवित्र होता है और पवित्र मन और हृदय में परमात्मा का वास होता है.

उन्होंने कहा कि यही आध्यात्मिक विज्ञान है. अगर प्रभु से प्रेम हो गया तो मन की सारी दुविधाओं का नाश हो जाता है. उस स्थिति में सभी मानव ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण विश्व में जीव जगत से नाता जुड़ जाता है. इसी को मानवतावाद कहते हैं.,आज इसी का प्रयोजन है.

खास बातें

- 1970 में आनन्दमूर्ति ने लोगों को आमझरिया में दिया था महामंत्र
- 8 अक्टूबर को पूजा हो जाएगा महामंत्र का 53 वां साल

कीर्तन में ये थे उपस्थित

मौके पर आनन्द मार्ग प्रचारक संघ के आचार्य ब्रजगोपालानंद अवधूत, आचार्य सत्यआश्रयानंद अवधूत ,आचार्य नवतितानंद अवधूत , लातेहार जिला के भक्ति प्रधान शिवप्रसाद जी, अधिवक्ता सुदर्शन जी, श्याम सुंदर देव, शशि नंदन देव, श्याम किशोर देव ,संजय देव एवं अन्य लोगों का भी सहयोग रहा कीर्तन मे शामिल हुए.

दो दिवसीय रंकिणी पूजा प्रारंभ

संवाददाता। चाकुलिया

चाकुलिया नगर पंचायत के जुगीपाड़ा स्थित सार्वजनिन रंकिणी मंदिर में दो दिवसीय रंकिणी पूजा महोत्सव शनिवार को धूमधाम से शुरू हुई. इस अवसर पर मंदिर की भव्य सजावट की गई है. पूजा समारोह के पहले दिन पक्का घाट तालाब से गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गयी. कलश यात्रा में अनेक महिलाएं अपने माथे पर जल से भरा कलश लेकर चल रही थीं.

कलश यात्रा मंदिर पहुंची और कलश की स्थापना हुई. इसके बाद पुजारी प्रसन्न पति ने पूजा अर्चना की. इस दौरान सैकड़ों पुरुष और महिलाओं ने मां रंकिणी की पूजा की. कलश यात्रा में समिति के अध्यक्ष समीर नाथ, उपाध्यक्ष गोविंद गोराई, निमाई नाथ, सचिव संजीव दास, सह सचिव मंतोष सीट, प्रकाश नाथ, कोषाध्यक्ष बलराम दास, बिरु गोराइ,झन्टू नाथ, अभिषेक पति समेत अन्य सदस्य शामिल थे. इसके बाद खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गयी. संध्या 7 बजे बाउल संगीत का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. महोत्सव के दूसरे दिन दशमी पूजा होगी और दोपहर में महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा. महिला और बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा.

खास बातें

- गाजे-बाजे के साथ निकाली गयी भव्य कलश यात्रा
- सैकड़ों पुरुष-महिलाओं ने की मां रंकिणी की पूजा

जांच एजेंसियां स्वतंत्र रुप से काम करें, इसी में देश का होगा भला

केंद्र सरकार पर आरोप-जानबूझ कर विपक्ष के नेताओं को कर रही है परेशान

केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों के गलत इस्तेमाल का आरोप

पक्षपातपूर्ण कार्यशैली लोकतंत्र के लिए घातक

केन्द्र सरकार पर केन्द्रीय जांच एजेंसियों के गलत इस्तेमाल के आरोप लगने लगे हैं. विपक्ष के नेता कह रहे हैं कि मोदी सरकार जानबूझ कर जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्ष के नेताओं को परेशान कर रही है. दूसरी ओर सत्ताधारी दल के लोग विपक्ष के आरोपों को निराधार बताते हुए सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग के स्वतंत्र रूप से काम करने की बात कह रहे हैं. इसमें संदेह नहीं कि हाल के दिनों में सीबीआई और ईडी की गिरफ्त में जितनी भी राजनीतिक पार्टियों को नेता आए हैं, उनमें ज्यादातर विपक्षी दलों के हैं. ऐसे में लोग कह रहे हैं कि अगर धुआं उठ रहा है, तो कहीं न कही आग भी है. यानी अगर आरोप लग रहे हैं तो इसे पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता है. राजनीतिक दलों के नेता सरकार आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं. सत्ता पक्ष पर विपक्ष के नेताओं को किसी झूठे मामले में फंसाकर उसके पीछे ईडी, सीबीआई लगाने के आरोप खुलेआम लगा रहा हैं. भारत दुनिया के विशाल लोकतांत्रिक देशों में एक है. इस लोकतंत्र की अपनी गरिमा है. अगर केन्द्रीय जांच एजेंसियों पर लोग उंगली उठा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं. क्योंकि पक्षपातपूर्ण कार्यशैली लोकतंत्र के लिए घातक है. इससे देश और जनता का भला नहीं होने वाला है. जांच एजेंसियां देश के लिए काफी महत्वपूर्ण होती हैं. इनका स्वतंत्र रुप से काम करना बहुत जरुरी है. शुभम संदेश की टीम ने इस मुद्दे छात्रों, युवाओं व अन्य लोगों से बातचीत कर इस संबंध में उनकी राय जानी. आइए जानते हैं इस संबंध में युवाओं-छात्रों का कहना है...

रांची

जांच एजेंसियों को शिथिल कर रखा था : सदानंद महतो

आजसू पार्टी के धनबाद जिला सचिव किसान प्रकोष्ठ के सदानंद महतो ने कहा कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र होती है.जिन लोगों ने गलत किया है,उन्हें पर कार्रवाई हो रही है.ईडी बिना कारण व बिना तथ्य के खिलाफ जांच नहीं करती है. जांच वही नेताओं पर हुई है जो भ्रष्टाचार व घोटाले में सम्मिलित पाये गए हैं.केंद्र सरकार ने सीबीआई तथा ईडी को काम करने की छूट दी है. इससे पहले की सरकारों ने इन एजेंसियों को शिथिल कर रखा था.

जमशेदपुर

जांच एजेंसियों को पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए : सुमित

छात्र सुमित कुमार सिंह का कहना है कि केन्द्रीय जांच एजेंसियां अक्सर पक्षपातपूर्ण रवैया दिखाती हैं. राजनीतिक संबद्धता या आर्थिक हितों के आधार पर कुछ व्यक्तियों या समूहों का पक्ष लेती हैं. उनका दावा है कि यह पूर्वाग्रह न्याय के सिद्धांतों और कानून के शासन को कमजोर करता है. दूसरी ओर इन एजेंसियों के रक्षकों का कहना है कि उनका प्राथमिक उद्देश्य कानून को बनाए रखना और सबूतों के आधार पर मामलों की जांच करना है, न कि राजनीतिक विचारों के आधार पर. उनका तर्क है कि पक्षपात के आरोप अक्सर इन एजेंसियों और उनके काम को बदनाम करने के राजनीति से प्रेरित प्रयास होते हैं. इसके अलावा वे सत्ता के दुरुपयोग को रोकने के लिए न्यायिक निरीक्षण जैसी जांच और संतुलन की उपस्थिति पर प्रकाश डालते हैं. निष्कर्षतः यह निर्धारित करना कि ईडी, सीआईडी और आईटी सेल के कार्य पक्षपाती हैं या नहीं, बहस का विषय हो सकता है. जबकि पक्षपात के आरोप जारी हैं. जनता का विश्वास बनाए रखने और न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए इन एजेंसियों की पारदर्शिता, जवाबदेही और स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है.

दबाव में काम करती है केंद्रीय जांच एजेंसियां : अमर तिवारी

जमशेदपुर कॉ-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के छात्र अमर तिवारी का कहना है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां राजनीतिक दबाव में हमेशा काम करती हैं. क्योंकि जिस प्रकार वह केवल विपक्ष के नेताओं पर ही कार्रवाई कर रही है, इससे स्पष्ट है कि केंद्रीय जांच एजेंसी दबाव में काम कर रही है. जब देश में सबके लिए है एक कानून है, तब इसका उपयोग सत्ता पक्ष के लिए अलग और विपक्ष के लिए अलग क्यों है. देश में बदले की नीति से कार्रवाई की जा रही है. तभी तो एक तरफ भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई की जा रही है. वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार करवाने वाले खुलेआम घूम कर रहे हैं और उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है.

साहिबगंज

जांच एजेंसी पर सत्ताधारी दल का लगाम न हो : निरंजन मरांडी

साहिबगंज महाविद्यालय के बीए के छात्र निरंजन मरांडी ने कहा कि जांच एजेंसी केंद्र सरकार के कहने पर विपक्षी नेताओं के यहां छापा मार रही है. इंडिया गठबंधन के नेताओं को जांच एजेंसियां बेवजह परेशान कर रही है. लोकतंत्र में देश की सभी जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए. केवल विपक्षी दल के नेताओं को परेशान करना कहीं न कहीं केंद्र सरकार की मंशा को दर्शाता है. विपक्ष को यह मांग करनी चाहिए कि देश की किसी भी जांच एजेंसी पर सत्ताधारी दल का कोई लगाम नहीं हो.

जांच एजेंसियां दबाव में काम कर रही हैं : प्रशांत कुमार

साहिबगंज महाविद्यालय के बीए के छात्र प्रशांत कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार सीबीआई, ईडी व इनकम टैक्स जैसे एजेंसियों का कठपुतली की तरह इस्तेमाल कर रही है. ये एजेंसियां जिस प्रकार से केवल गैर भाजपाई नेताओं को निशाना बना रही है, इससे पता चलता है कि ये केंद्र की कठपुतली की तरह काम कर रही है. केंद्र के दबाव में ही इन एजेंसियों ने झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लेकर कई राज्यों के इंडिया गठबंधन के नेताओं, आईएएस व आईपीएस को परेशान कर रही है. आखिर भाजपा के नेताओं के यहां छापे क्यों नहीं पड़ रहे हैं. इससे साफ है कि ये केंद्रीय एजेंसियां दबाव में काम कर रही हैं.

आदित्यपुर

भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई राजनीति से प्रेरित : आदित्य

को-ऑपरेटिव कॉलेज के बीए फाइनल इयर के छात्र आदित्य कुमार कहते हैं कि हाल के दिनों में देश के कई नामी राजनेता, आइएएस और पुलिस ऑफिसरों पर की जा रही भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है. यह ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग हैं. इन एजेंसियों को सत्तासीन दल कठपुतली की तरह नचाती है. अगर ये एजेंसियां स्वतंत्र हैं तो सत्ता पक्ष के नेताओं के विरुद्ध कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती है, जबकि सत्ता में बैठे दल के लोगों पर कई गंभीर आरोप लगे हुए हैं.

जांच एजेंसियों को पीएमओ से मुक्त किया जाए : मिथुन

आदित्यपुर निवासी बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र मिथुन महतो कहते हैं कि देश की जनता इस बात को जानती है कि सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां प्रधानमंत्री कार्यालय के इशारे पर काम करती है. यही वजह है कि 100 में से 90 लोगों के विरुद्ध इनकी कार्रवाई दुर्भावना से ग्रस्त होकर विपक्षी राजनेताओं और उनके समर्थक अधिकारियों के विरुद्ध की जाती है. अब तक की कार्रवाई इस बात को साबित कर चुकी है. केंद्रीय एजेंसियों को पीएमओ (प्रधानमंत्री ऑफिस) से मुक्त कर दिया जाये. फिर निःस्वार्थ भाव से काम करेगी. नहीं तो आज ये जिनके इशारे पर दूसरों को परेशान कर रही है, कल सत्ता बदलने के बाद यह उन्हें ही दूसरे दल के इशारे पर परेशान करेंगे.

चक्रधरपुर

केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से करती हैं काम : कुंदन

चक्रधरपुर निवासी बीबीए के छात्र कुंदन कुमार ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप काम करती है. इस पर सरकार का किसी प्रकार का दबाव नहीं रहता है.देश के कई राज्यों में गलत तरीके से पैसे कमाने वालों के खिलाफ नेताओं, अधिकारियों,व्यापारियों के खिलाफ ईडी,सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच की जा रही है. पक्ष हो या विपक्ष जो भी गलत कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है.

सत्ताधारी राजनीतिक दल का रहता है दबाव:राहुल कुमार

चक्रधरपुर निवासी जवाहर लाल नेहरू कॉलेज के छात्र राहुल कुमार ने कहा कि सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय जैसी जांच एजेंसियों पर सत्ताधारी राजनीतिक दल का दवाब रहता है.जिसके कारण कुछ लोगों को चिह्नित कर ही कार्रवाई की जाती है.अगर जांच एजेंसियों को काम करने में स्वतंत्रता मिले तो वे बेहतर तरीके से काम कर सकती है. कई ऐसे राजनीतिक दल के नेता हैं जो जांच एजेंसियों के घेरे से बाहर हैं,गलत करने वाले सभी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए.जांच के मामले में भेदभाव न हो.

हजारीबाग

जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रहने देना चाहिए : राहुल

शिवदयालनगर निवासी राहुल कुमार कहते हैं कि जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रहने देना चाहिए. राजनीतिक दबाव से जांच प्रभावित हो जाती है. अक्सर यह आरोप लगता है कि सरकार विपक्षियों के खिलाफ इन जाचं एजेंसियों का इस्तेमाल करती है. यह सही नहीं है. जांच एजेंसियों का राजनीतिक दुरुपयोग नहीं होना चाहिए. यह तभी संभव है जब सरकार के नियंत्रण में जांच एजेंसियां काम नहीं करे.

सत्ता के प्रभाव में नहीं आए जांच एजेंसियां : आकांक्षा

अन्नदा कॉलेज में ग्रेजुएशन की छात्रा आकांक्षा कुमारी कहती हैं कि सत्ता के प्रभाव में जांच एजेंसियां नहीं आए. स्वविवेक, सही तरीके और निष्पक्ष भाव से एजेंसियों को काम करने की जरूरत है. वह सीबीआई हो या ईडी, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट हो या फिर अन्य गठित जांच एजेंसियां. अगर सत्ता पक्ष इसका दुरुपयोग करेगी, तो जनता का विश्वास इन एजेंसियों से भी हट जाएगा. अब तक लोगों में यकीन है कि इन एजेंसियों को जांच मिलेगी, तो सही नतीजे सामने आएंगे.

सत्ता पक्ष के इशारे पर काम करती हैं एजेंसियां : सचिन

ग्रेजुएशन के छात्र सचिन कुमार कहते हैं के सभी को पता है कि जांच एजेंसियां निष्पक्ष जांच नहीं करती हैं. सब कुछ सत्ता पक्ष के इशारे पर होता है. अगर यही हाल रहा, तो वह दिन दूर नहीं, जब वास्तविक न्याय लोगों से कोसों दूर चली जाएगी. ऐसे में न्याय की उम्मीद नहीं रह जाएगी. जांच एजेंसियों को अपने तरीके से काम करने देना चाहिए. उस पर दबाव बनाने से जांच प्रभावित होना तय है.

लोगों को परिणाम की भनक लग जाती है : अभिषेक वैभव

मैथ से पीजी कर चुके अभिषेक वैभव का कहना है कि जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है. बदले की भावना से काम किया जाता है. सत्ता पक्ष विपक्षियों के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करती है. ऐसे में पहले से लोगों को जांच के परिणाम की भनक हो जाती है कि क्या खुलासा होने वाला है. निष्पक्ष जांच के लिए सरकारी को इन जांच एजेंसियों को पूरी तरह छूट देनी चाहिए. नियंत्रण के नाम पर जांच एजेंसियों पर दबाव बनाकर किसी के खिलाफ इस्तेमाल करना कहीं से उचित नहीं है.

अब तो जांच के नाम पर सब गोलमाल है : रवि कुमार

अन्नदा कॉलेज ग्रेजुएशन का छात्र रवि कुमार का कहना है कि जांच के नाम पर सब गोलमाल है. सिर्फ दिखावे के लिए जांच एजेंसियां काम करती हैं. वह वहीं रिजल्ट देती है, जो केंद्र सरकार चाहती है. ऐसे में विपक्षियों में भय का वातावरण तैयार किया जाता है कि अगर वह सत्ता पक्ष के खिलाफ हुआ, तो सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स की जांच बैठा दी जाएगी. इससे देश का हित नहीं होने वाला है. इसके लिए सबको मिलकर आत्ममंथन और चिंतन करने की जरूरत है.

देवघर

विपक्ष को तोड़ने में ईडी का हो रहा इस्तेमाल : अमित कुमार

छात्र नेता अमित कुमार पांडेय ने कहा कि सरकार विपक्ष को तोड़ने के लिये ईडी का इस्तेमाल कर रही है. सुप्रीम कोर्ट ने सही ही कहा है कि ईडी केन्द्र सरकार का तोता है. अजीत पवार का सीएम बनना व केवल विपक्षी नेताओं को निशाना बनाना इसकी मिसाल है. मोदी सरकार की कथनी और करनी में कोई समानता नहीं है. सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरुरत है. नहीं तो उसकी छवि पूरी तरह धूमिल हो जाएगी.

जांच एजेंसियों पर विपक्ष का आरोप निराधार है : शुभम

छात्र नेता शुभम ने कहा कि जांच एजेंसियों पर विपक्ष का आरोप निराधार है. देवघर में शराब कारोबारी व जमीन कारोबारी के ठिकाने पर भी ईडी की छापेमारी हुई है. जिसमें कई दलों के लोग शामिल हैं. झारखंड की पूजा सिंघल का मामला सभी जानते हैं. पूजा सिंघल अधिकारी रही है, किसी राजनीतिक दल के नेत्री नहीं. ऐसे में साफ है कि केन्द्र सरकार भष्टाचारियों के खिलाफ है, न कि विपक्षियों के खिलाफ. यह बात समझने की जरुरत है. कुछ लोग सरकार को बदनाम करने में लगे हैं,जो अच्छी बात नहीं है.

गलत लोगों पर छापेमारी जरुरी है : प्रियतम कुमार

ज्योलॉजी से पीजी कर रहे प्रियतम कुमार ने कहा कि देश की अर्थ व्यवस्था तेजी से बढ रही है. ऐसे में मनी लांड्रिंग जैसे मामलों पर नकेल कसने कसने और गलत लोगों के खिलाफ छापेमारी जरुरी है. लेकिन विपक्ष को लगता है कि निशाने पर केवल वही है. चुनाव सिर पर है तो मौजूदा हालात में प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है. लेकिन यह सच नहीं है. मोदी सरकार आर्थिक अपराध पर अंकुश लगाने में जुटी है.

मनी लॉन्ड्रिंग देश की बड़ी समस्या है : किशन गुप्ता

इतिहास विषय में पीजी कर रहे किशन गुप्ता ने कहा कि कुछ मामलों में लगता है कि ईडी राजनीतिक दुराग्रह से काम कर रही है. मनीष सिसोदिया के मामले में अभी तक जांच एजेंसी साक्ष्य नहीं जुटा पाई है. जब माननीय कोर्ट ने सवाल उठाया तो ईडी के मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है. ऐसे में शक होता है कि कहीं चुनाव के समय केन्द्र सरकार विपक्ष पर दवाब तो नहीं बना रही है. लेकिन इसका साकारात्मक पहलू भी है कि मनी लाउंड्रिंग देश की बड़ी समस्या बनती जा रही है, इस पर रोक के लिए ईडी की कार्रवाई जरुरी है.

सरकार को किसी भी भ्रष्टाचारी को छूट नहीं देनी चाहिएः अमित

छात्र अमित दास मानते हैं कि पहले भी केन्द्र की सरकारें ईडी जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करती थी, पर इस बार संख्या कुछ ज्यादा है. ऐसे में चुनाव से ठीक पहले कार्रवाई होने से लोगों के मन में शंका होना स्वभाविक है. वहीं असम व मध्य प्रदेश के मामले पर ईडी की चुप्पी कहीं न कहीं सोचने पर मजबूर कर रही है. बावजूद केन्द्र सरकार को किसी भी अपराधी या भ्रष्टाचारी को छूट नहीं देनी चाहिये, चाहे वह सता पक्ष का हो या विपक्ष का. क्योंकि कानून के आगे सभी बराबर हैं.

चांडिल

केंद्रीय जांच एजेंसियों का हो रहा दुरुपयोग : उपेंद्र गिरि

गांगुडीह उपेंद्र गिरि ने कहा कि जब से मोदी सरकार केंद्र में बैठी है, तब से केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है. विपक्षी पार्टियों के ऊपर मोदी सरकार दमनात्मक नीति अपना रही है. ये हिटलरशाही का ही प्रमाण है. क्या विपक्षी पार्टियों की सरकार वाले राज्यों में ही घपले-घोटाले हो रहे हैं. भाजपा शासित प्रदेशों में सुशासन चल रहा है. वैसे केंद्र सरकार अपनी नाकामी छुपाने का प्रयास कर रही हैं. इसी का नतीजा है कि जिस नेता से केंद्र सरकार को खतरा महसूस हो रहा है, उसे किसी झूठे मामले में फंसाकर उसके पीछे ईडी, सीबीआई लगा दे रही है.

विपक्ष केंद्रीय एजेंसियों को बदनाम कर रहा : दिवाकर

चांडिल निवासी दिवाकर सिंह ने कहा कि मोदी सरकार पर ईडी का राजनीतिक इस्तेमाल करने के बार-बार आरोप लगते रहे हैं, जो सही नहीं है. केंद्रीय एजेंसियां स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कार्य करने के लिए जानी जाती हैं. इन एजेंसियों को जब अपराध, घोटाला या अन्य किसी प्रकार के भ्रष्टाचार की जानकारी मिलती तो उनके खिलाफ जांच व छापेमारी कर सच का पता लगाती हैं. विपक्ष का केंद्रीय एजेंसियों को बदनाम करना सिर्फ अपने गुनाहों पर पर्दा डालकर राजनीतिक स्टंट करना है.

एजेंसियों की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं : चैतन्य

युवा चैतन्य महतो ने कहा कि जिस प्रकार वर्तमान में जांच एजेंसियां विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ एक्शन ले रही है, इससे उनकी पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं. विपक्षी दलों के नेता अपराधी व भ्रष्टाचारी हो सकते हैं. उनके खिलाफ जांच अवश्य होनी चाहिए, लेकिन क्या सत्ताधारी दल से जुड़े नेता भ्रष्टाचारी व अपराधी नहीं हैं. उनके खिलाफ जांच क्यों नहीं हो रही है. पुलवामा जैसे आतंकी हमले का अभी तक किसी केंद्रीय एजेंसी को जांच का आदेश क्यों नहीं दिया गया.

सभी एजेंसियां बिना पक्षपात के काम कर रही है : नितेश

चांडिल निवासी युवा नितेश तिवारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स सहित सभी एजेंसी बिना पक्षपात के काम कर रही है. विपक्षी पार्टियों को लगता है कि केंद्र सरकार के दबाव में एजेंसी कम कर रही है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि ईडी की तरफ से की जाने वाली कार्रवाई विधि सम्मत है. उनके मिले अधिकारों का समर्थन करते हुए कहा कि धारा 19 के तहत गिरफ्तारी का अधिकार मनमाना नहीं है.

लातेहार

जांच एजेंसियों को स्वतंत्र छोड़ देना चाहिएः ऋषभ रंजन

इंजीनियरिंग के छात्र ऋषभ रंजन ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को स्वतंत्र छोड़ देना चाहिए. इन एजेंसियों के कार्यों में हस्तक्षेप देने से जांच निष्पक्ष नहीं हो सकती है. वैसे भी राष्ट्रीय जांच एजेंसियां किसी के दवाब में काम नहीं करती हैं. यह एजेंसियां पक्का सबूत व तथ्यों पर काम करती है. इन्हें अपना काम करने देना चाहिए. ईडी और सीबीआई ने कई जटिल मामलो को सुलझाया है.

जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल नहीं होः श्रेयांक

एमबीबीएस के छात्र श्रेयांक रंजन ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों का पूर्वाग्रह से गलत इस्तेमाल नहीं होना चाहिए. नहीं तो इन एजेंसियों से लोगों का विश्वास उठ जायेगा. चूकि ये एजेंसियां केंद्र सरकार के अधीन होती हैं तो केंद्र सरकार पर इसका गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगता रहता है. यह सही है पिछले कई वर्षों में केंद्रीय जांच एजेंसियों की सक्रियता बढ़ी है. केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप उचित नहीं.

धनबाद

पपेट बनकर रह गई हैं केंद्रीय एजेंसियां : गोपाल कृष्ण चौधरी

बीबीएमकेयू के पीजी मास कॉम डिपार्टमेंट के छात्र गोपाल कृष्ण चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है. ये एजेंसियां पपेट बन कर रह गयी हैं. जिस तरह यह एजेंसी गैर भाजपाई नेताओं पर छापेमारी कर रही है, उससे पता चलता है कि उनका लक्ष्य पहले से तय है. सवाल उठता है कि क्या भाजपा से जुड़े नेता दूध के धुले हुए हैं.

हर दौर में चलता रहा है आरोप-प्रत्यारोप : अंशु

छात्र नेता सह बीबीएमकेयू पीजी डिपार्टमेंट के छात्र अंशु तिवारी कहते हैं कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को लेकर हर मौके पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा है. पहले भी ये एजेंसियां वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को पूछताछ के लिए बुला चुकी हैं. तब भाजपा की ओर से इसका विरोध नहीं किया गया था. दोनों नेताओं ने जांच में सहयोग भी किया था. लेकिन आज के नेता इन एजेंसियों से बचना चाह रहे हैं. जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं. इससे शक बढ़ता है.

केंद्र की कठपुतली बन गयी हैं एजेंसियां : रवि पासवान

बीबीएमकेयू पीजी विभाग के छात्र रवि पासवान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसी एजेंसियों को कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है. ये एजेंसियां जिस तरह केवल गैर भाजपाई नेताओं को निशाना बना रही हैं, एजेंसियां केंद्र की कठपुतली की तरह काम कर रही हैं. केंद्र के दबाव में ही इन एजेंसियों ने झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लेकर कई आईएएस व आईपीएस को भी टारगेट किया है.

गैर भाजपाई राज्य सरकारों को कर रहे अस्थिर : तारिक

बीबीएमकेयू के कतरास कॉलेज के छात्र तारिक अनवर ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां पूरी तरह से केंद्र के दबाव में काम कर रही हैं. देश में जिस राज्य में भी भाजपा की सरकार है, वहां छापेमारी नहीं चल रही है. लेकिन जिस राज्य में गैर भाजपा सरकार है, वहां येन केन प्रकारेण केंद्र इन जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर राज्य सरकार को अस्थिर करने का काम कर रहा है. इस वजह से राज्य में विकास कार्य प्रभावित हो रहा है. भाजपा नीत केंद्र सरकार केंद्रीय एजेंसियों को कठपुतली की तरह इस्तेमाल कर रही है.

गिरिडीह

विपक्ष को परेशान कर रही हैं जांच एजेंसियां : बबलू मरांडी

गांडेय प्रखंड के छात्र बबलू मरांडी ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी केंद्र सरकार के निर्देश पर काम कर रही है. इंडिया गठबंधन के नेताओं को केंद्र सरकार के इशारे पर जांच एजेंसियां बेवजह परेशान कर रही है. लोकतंत्र में देश की सभी जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से काम करना है. बावजूद केवल विपक्षी दल के नेताओं को परेशान करना कहीं न कहीं केंद्र सरकार की मंशा को दर्शाता है. केंद्र सरकार का विरोध करने वाले नेताओं को ही जांच एजेंसियां टारगेट करती है, यह भारत के लोकतंत्र के लिए शुभसंकेत नहीं है.

एजेंसियों पर आरोप लगाना सरासर गलत : शंकर हजाम

धनवार प्रखंड के एमए के छात्र शंकर हजाम ने कहा कि जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के देखरेख में काम करती है. इसके कुशल संचालन में केंद्र सरकार की भूमिका होती है. सभी जांच एजेंसियां देश की स्वतंत्र इकाई है, जो केंद्र सरकार के इशारे पर काम नहीं करती है. भ्रष्टाचार में शामिल व भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियां कार्रवाई करती है. जांच के दायरे में आने वाले नेता ही एजेंसियों को गलत बात कर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाते हैं.

जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं : सतीश शर्मा

गावां प्रखंड के स्टूडेंट सतीश शर्मा ने कहा कि जांच एजेंसियां प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन है. भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत अपराधों की जांच के लिए इसका अधीक्षक केंद्रीय सतर्कता आयोग के साथ निहित है. सिस्टम की विफलताओं व भ्रष्टाचार की मौजूदगी का पता लगाने को एजेंसियां नियमित रूप से औचक निरीक्षण करती है. जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती है और इसके रडार पर केवल भ्रष्ट नेता ही होते हैं.

विपक्ष का जांच एजेंसियों पर आरोप निराधार : रामानंद

स्टूडेंट रामानंद स्वर्णकार ने कहा कि देश की जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से कम कर रही हैं. केंद्र सरकार का जांच एजेंसी पर कोई नियंत्रण नहीं है. जांच के दायरे में आने के बाद विपक्षी दल के नेता केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हैं, जो बिल्कुल ही निराधार है. पूरे देश में विपक्षी दलों में हजारों नेता हैं, लेकिन सब के खिलाफ जांच एजेंसियां जांच नहीं करती है. विपक्षी दलों की ओर से केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाना गलत और निराधार है. लोगों को इस दिशा में गंभीरता से सोचने की जरुरत है. जांच एजेंसियों का काम काफी महत्वपूर्ण है. ये एजेंसियां भले ही केन्द्र सरकार के अधीन होती हैं. पर इनका काम सोच समझ कर विवेकपूर्ण तरीके से होता है.

डिजाइनिंग : विकास कुमार

चाईबासा

जहां भाजपा नहीं वहीं होती है जांच : पिपुन बारीक

कोल्हान विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधि पिपुन बारीक ने कहा कि जहां तक केंद्रीय एजेंसी की जांच करने की बात है, तो यह सिर्फ उन राज्यों में हो रहा है, जहां भाजपा की सरकार नहीं है. यह कहीं से भी उचित नहीं है. केंद्रीय एजेंसी का काम है जितने भी नेतागण, बड़े-बड़े उद्योगपतियों जो गैर कानूनी तरीके से देश की संपत्ति को लूट रहे हैं, उन लोगों पर बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के कार्रवाई करे. भ्रष्ट लोगों की पहचान करना केंद्रीय एजेंसी का काम है, लेकिन यह सिर्फ बदले की भावना से किया जा रहा है. इसका राजनीति कारणों से इस्तेमाल किया जा रहा है. इससे लोगों का विश्वास स्वतंत्रता से काम करने वाली जांच एजेंसी से घट रहा है.

राजनीतिक दबाव में काम नहीं : सायराम महतो

टाटा कॉलेज के छात्र सायराम महतो ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार वैसे राज्यों को निशाना बना रही है, जहां जबरन सरकार को गिराना चाहती थी. इसमें वह सफल नहीं हो पाई तो वहां जांच एजेंसी के माध्यम से बड़े नेता पर कार्रवाई की जा रही है. यह उचित नहीं है. राजनीतिक दबाव में स्वतंत्र जांच एजेंसी को काम नहीं करना चाहिए. इस पर पूरा फोकस होना चाहिए कि उसी व्यक्ति पर कार्रवाई की जाए जो जांच के दायरे में आता है, लेकिन भाजपा तो बदले की नीयत से जांच करवाने में जुटी है.

बेदाग लोगों को परेशान न करेः रमेश तिर्की

टाटा कॉलेज के छात्र रमेश तिर्की ने कहा कि भाजपा देश में बेहतर काम कर रही है. इसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिए. भ्रष्ट लोगों को जेल भेज रहा है. इससे देश में भ्रष्टाचार रुक रही है. लेकिन वैसे लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए, जो भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं है. भ्रष्टाचार में लिप्त होने वाले लोगों को ही केंद्रीय जांच एजेंसी के माध्यम से कार्रवाई करें. कहीं न कहीं बदले की राजनीतिक भावना से देश के विपक्ष में खड़े बड़े राजनेताओं को निशाना बनाया जा रहा है. इससे ऐसा लगता है कि अपने मन के मुताबिक जांच एजेंसी को चलाया जा रहा है. आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं पर जिस तरह से कार्रवाई की जा रही है, इससे साफ जाहिर होता है कि यह बदला ही है.

पाठक इस विषय पर आज दें अपनी राय

क्या केंद्रीय एजेंसियां राजनीतिक दबाव में काम करती हैं. सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियां राजनीतिक दलों के नेताओं पर शिकंजा कस रहीं हैं. विपक्ष के नेता जहां इसे सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष को केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से परेशान करनेवाली कार्रवाई बता रहे हैं, वहीं सत्ता पक्ष ने उनके आरोपों को निराधार बताते हुए केंद्रीय एजेंसियों के स्वतंत्र रूप से काम करने की बात कही है.

नोट

पाठक 50 से 75 शब्दों में अपनी राय नाम, रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो के साथ वाट्स एप नंबर 8102917469 पर भेजें. आपकी राय 09 अक्टूबर के अंक में प्रकाशित की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

सहायक समाहर्ता ने किया ओल्ड एज होम का निरीक्षण

चाईबासा। जिला उपायुक्त के निर्देश सहायक समाहर्ता श्रुति राज लक्ष्मी के द्वारा झींकपानी स्थित ओल्ड एज होम का औचक निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि संचालित वृद्धा आश्रम में वर्तमान समय में कल 26 वृद्धजन आवासित हैं. इस दौरान सहायक समाहर्ता द्वारा संचार एनजीओ के माध्यम से संचालित ओल्ड एज होम परिसर का भ्रमण कर उपलब्ध संसाधनों तथा संचालन से संबंधित क्रियाकलापों की जानकारी प्राप्त की. निरीक्षण उपरांत सहायक समाहर्ता द्वारा संलग्न एजेंसी को परिसर अंतर्गत उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम प्रयोग करते हुए व्यवस्था में आवश्यक सुधार लाने का निर्देश दिया.

दामुडीह में अधेड़ सबर की मौत, जांच में जुटी पुलिस

डुमरिया। डुमरिया थाना क्षेत्र के खैरबनी पंचायत अंतर्गत दामुडीह में शनिवार को एक अधेड़ व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया है. शव की पहचान रांगा सबर के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबिक मृतक का शव पूरी तरह से कंकाल में में तब्दील हो गया था. लोगों ने बताया कि रांगा सबर क्षेत्र में भीख मांग कर गुजारा करता था. भागाबांदी कोवाली मुख्य सड़क किनारे एक अर्धनिर्मित मकान में उसका शव पड़ा मिला. उसके आधे शरीर में कपड़ा भी मौजूद नहीं था. पुलिस उसके घर का पता लगा रही है. आसपास के ग्रामीणों ने अर्धनिर्मित घर में शव होने की सूचना पुलिस को दी थी.

आरवीएस में 7 दिवसीय एफडीपी कार्यक्रम आरंभ

जमशेदपुर। स्थानीय आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सात दिवसीय फैकल्टी डेवेलपमेंट प्रोग्राम शुक्रवार को आरंभ हुआ. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि ओड़िशा स्थित विशाल टेक्नोलॉजी भुवनेश्वर के निदेशक दिलीप मंगराज थे. अतिथियों ने द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. मुख्य अतिथि श्री मंगराज ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान का विकास तभी होता है, जब वह शिक्षा के उंचे मापदंडों पर खरा उतरता है. इसी क्रम में उन्होंने कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के लिए नैक एक्रिडिटेशन के महत्व पर प्रकाश डाला.

दुर्गा पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

चक्रधरपुर। दुर्गा पूजा को लेकर शनिवार शाम चक्रधरपुर थाना में शांति समिति की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी चन्द्रशेखर कुमार ने की. बैठक में चक्रधरपुर के सभी दुर्गा पूजा कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित हुए. बैठक के दौरान पूजा को बेहतर तरीके से मनाने पर चर्चा की गई. थाना प्रभारी चन्द्रशेखर कुमार ने कहा कि सभी दुर्गा पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य है. इसे लेकर पूजा पंडाल कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य सीसीटीवी कैमरा लगाना सुनिश्चित करें.

भाजपा की बैठक में बूथ सशक्तिकरण पर चर्चा

गिरिडीह। धनवार प्रखंड क्षेत्र के जरीसिंघा व गादी में भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में बूथ सशक्तिकरण को लेकर बैठक आयोजित गई. बैठक के दौरान श्री सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी आम जनमानस का विश्वास जीतने में कामयाबी रही है. पार्टी सबका साथ, सबका विकास चाहती है. कहा कि सबका प्रयास से निरंतर आगे बढ़ रही है. आगामी 2024 का चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अभी से तैयार हो जाए.

वरिष्ठ उद्यमी जयनाथ सिंह का निधन

आदित्यपुर। आदित्यपुर एस टाईप कॉलोनी निवासी वरिष्ठ उद्यमी जयनाथ सिंह 82 वर्ष का निधन हो गया है. उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को बनारस में किया गया. बता दें कि आरआईटी, जमशेदपुर से शिक्षा प्राप्त 82 वर्षीय जयनाथ सिंह का 5 अक्टूबर को ही स्वर्गवास हो गया था. वे अपने पीछे तीन पुत्र विनोद सिंह, विनय सिंह एवं बिपिन सिंह सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं. उनके तीनों पुत्र वर्तमान में अलग-अलग उद्योगों के प्रोपराइटर हैं. आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एसिया) के अध्यक्ष इन्दर कुमार अग्रवाल तथा एसिया परिवार ने स्व. सिंह के निधन पर संवेदना जताया है.

स्वास्थ्य मंत्री को एक बार फिर नहीं आया एसएनएमएमसीएच की सेहत का ख्याल, दी सफाई

अचानक आएंगे व करेंगे औचक निरीक्षण : बन्ना गुप्ता

संवाददाता। धनबाद

कोविड काल के बाद धनबाद में भारत जोड़ो पदयात्रा, कांग्रेस की बैठक व जनसुनवाई के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की धनबाद की यात्रा में अस्पतालों का दौरा कभी शामिल नहीं रहा. हर बार पार्टी का काम निपटा कर वापस लौट गए. उन्हें शायद याद ही नहीं कि वह मात्र धनबाद के प्रभारी नहीं, स्वास्थ्य मंत्री भी हैं. विगत 6 अक्टूबर को भी स्वास्थ्य मंत्री धनबाद आए. परंतु उन्हें एसएनएमएमसीएच की सेहत का कोई ख्याल नहीं आया. एसएनएमएमसीएच व सदर अस्पताल में डॉक्टर हैं या नहीं, समय पर ड्यूटी कर रहे या हैं या मरीजों को कैसा इलाज मिल रहा है, दवाएं हैं या

खास बातें
- हर बार पार्टी का काम निपटा कर वापस लौट गए मंत्री
- धनबाद यात्रा में कभी शामिल नहीं रहा अस्पतालों का दौरा

फोटो खिंचवाने पर भरोसा नहीं

स्वास्थ्य मंत्री से जब शुभम संदेश के संवाददाता ने पूछा कि आप कई बार धनबाद आए. लेकिन, एसएनएमएमसीएच और सदर अस्पताल का निरीक्षण नहीं किया तो उन्होंने जवाब में कहा कि वह फोटो खिंचवाने पर भरोसा नहीं करते. जब भी आएंगे अचानक आएंगे और निरीक्षण करेंगे. परंतु, विगत डेढ वर्ष में कभी औचक निरीक्षण का वक्त क्यों नहीं मिला. यह सवाल अनुत्तरित है. डेंगू, चिकनगुणिया और मलेरिया जैसी बीमारी फैली हुई है. मरीजों को तो अपेक्षा थी कि स्वास्थ्य मंत्री धनबाद आए हैं तो उनका भी हाल-चाल जानने जरूर आएंगे. मगर ऐसा हुआ नहीं.

मंत्री आए तो हो गई साफ-सफाई

बावजूद शुक्रवार को जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएनएमएमसीएच व सदर अस्पताल में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रही. स्वास्थ्य मंत्री के आने की सूचना पर ही डॉक्टर, कर्मचारी सभी सक्रिय रहे. पूरे दिन हलचल बनी रही. स्वास्थ्य मंत्री के धनबाद आगमन की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रबंधन तैयारियों में जुट गया था. शुक्रवार को सुबह से ही डॉक्टर समय पर अस्पताल पहुंच गए थे. दोपहर तक अस्पताल चकाचक हो गया था. प्रबंधन की पूरी मेहनत पर तब पानी फिर गया, जब स्वास्थ्य मंत्री झांकने तक नहीं आए. हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ, इसीलिए किसी को कोई आश्चर्य भी नहीं हुआ.

आओ जानें
झाररखंड सामान्य ज्ञान

महाभारत में झारखंड क्षेत्र को क्या कहा गया है ?
पशु भूमि

किसकी रचनाओं में झारखंड शब्द का उल्लेख एक पद में आया है ?
कबीर दास

झारखंड राज्य के किस ताम्रपाषाणकालीन स्थल से लोहे की आरी प्राप्त हुई है ?
बसिया

किस जनजाति को झारखंड राज्य की सबसे प्राचीन जनजाति माना जाता है ?
बिरहोर

झारखंड राज्य के किस नदी तट से खड़िया जनजाति की प्रथम बस्ती का प्रमाण मिलता है ?
दक्षिण कोयल

किस झारखंडी भाषा की समानता कन्नड़ से पाई जाती है?
कुडुख

अमरकोश पुस्तक में चाईबासा शहर के लिए किस शब्द का प्रयोग किया गया है ?
श्रीवास

झारखंड इतिहास एवं संस्कृति पुस्तक के लेखक कौन है ?

- डॉ. वीरोत्तम

चौपारण में भगत सिंह व चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का हुआ अनावरण

अक्षर बोलेंगे देशभक्ति की भाषा : उमाशंकर अकेला

संवाददाता। चौपारण

शहीद-ए-आजम भगत सिंह के भाई कुलबीर सिंह के सुपौत्र यादविंदर सिंह संधु का चौपारण की धरती पर शनिवार को गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया. हजारों लोगों के हुजूम ने उन्हें चोरदाहा चेकपोस्ट से गाजे-बाजे के साथ कार्यक्रम स्थल केबीएसएस हाई स्कूल तक लाया. यहां उन्होंने अपने दादा शहीद-ए-आजम भगत सिंह के साथ आजादी के महानायक चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमाओं का अनावरण किया. कार्यक्रम में आए उत्तर प्रदेश स्थित मैनपुरी के चर्चित कवि मनोज सिंह चौहान ने अपनी कविताओं के माध्यम से शहीदों के बलिदान का बखान किया. वहीं, उन्होंने आजादी के बाद बनी सभी सरकारों पर निशाना साधते हुए अपने कविता के माध्यम से कहा कितने सरकारें देश में आई और चली गईं. किसी सरकार ने क्रांतिकारियों को शहीदों का दर्जा नहीं दे पायी. लेकिन, बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने झारखंड के चौपारण की धरती पर शहीद-ए-आजम के मान-सम्मान को समाज में और आने वाले पीढ़ियों को देश भक्ति का जज्बा जगाते हुए अपने आवास पर शहीद भगत सिंह और आजादी के परवाने चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का अनावरण कर देशभक्ति का अनूठा संदेश दिया है. उन्होंने कहा कि लेखनी कभी नहीं लिखेगी चाटुकारिता की भाषा, अक्षर बोलेंगे देशभक्ति की भाषा ...

प्रतिमा का अनावरण करते यादविंदर सिंह संधू, साथ में बरही विधायक उमाशंकर अकेला व अन्य.

सच्ची श्रद्धांजलि
- यादविंदर सिंह संधु का गाजे-बाजे से भव्य स्वागत
- कवि मनोज सिंह चौहान ने कविताओं से बांधा समां

संधू ने किया इरफान अंसारी के बेटे का नामकरण

जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी ने अपने बेटे का नामकरण शहीद भगत सिंह के सुपौत्र यादविंदर सिंह संधू से कराया. संधू ने उनके पोते को शहीद अशफाक उल्ला खान का नाम दिया. उन्होंने मंच से इस नाम की घोषणा की.

भगत सिंह कल भी जिंदा थे, आज भी जिंदा हैं : संधू

यादविंदर सिंह संधू ने कहा कि सिर्फ वह भगत सिंह के वारिस नहीं हैं, बल्कि यहां बैठे सभी नौजवान साथी उनके वारिस हैं. साथ ही कहा कि यहां की भीड़ देख उन्हें यह अनुभूति हो रही है कि भगत सिंह कल भी जिंदा थे, आज भी जिंदा हैं और आने वाली पीढ़ियों में भी जिंदा रहेंगे.

बरही विधायक बने भगत सिंह ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष

संधू ने बरही विधायक उमाशंकर अकेला को भगत सिंह ब्रिगेड का प्रदेश अध्यक्ष बनाया. संधू भगत सिंह ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. विधायक के समर्थकों ने उनके इकलौते पुत्र सह जिला परिषद सदस्य रविशंकर अकेला के पुत्र भगत का जन्मोत्सव संधू से मनवाया.

कार्यक्रम में शामिल हुए झारखंड के दस विधायक

इस समारोह में झारखंड के 10 विधायक शामिल हुए. इनमें विधायक मथुरा प्रसाद महतो, विनोद सिंह, नमन विक्सल कोंगाडी, राजेश कश्यप, कालिंदी, पूर्णिमा नीरज सिंह, रामलखन सिंह, जनार्दन पासवान, पूर्व विधायक योगेंद्र बैठा, जानकी यादव, ममता देवी, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता सहित कई प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए.

बिजली चोरी के खिलाफ 38 लोगों पर एफआईआर

धनबाद। बिजली विभाग ने शनिवार को बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया. विभाग ने धनबाद सर्किल में 38 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है. 260 जगहों में छापेमारी की गई, जिसमें 9 लाख 31 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया. बता दें कि धनबाद डिवीजन में 54 जगहों पर छापेमारी व 11 लोगों पर एफआईआर व दो लाख 91 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया. यह जानकारी कार्यपालक अभियंता पंकज कुमार ने दी. महाप्रबंधक हरेन्द्र सिंह ने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी. साथ ही बकाया राशि वालों की लाइन काटी जाएगी.

भोला शरण डीएवी स्कूल में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी

संवाददाता। लातेहार

स्थानीय भोला शरण डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. मौके पर शैक्षणिक सत्र 2023-24 के प्रथम सावधिक परीक्षा परिणाम पत्र का वितरण किया गया. प्रभारी प्राचार्य प्रभात रंजन ने बच्चों के प्रति सकारात्मक सोच रखने, उनके भावों का आदान-प्रदान करने और उन्हें एक जिम्मेदार अभिभावक होने का एहसास दिलाने की अपील अभिभावकों से की. कहा कि विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों के बीच परस्पर तालमेल बैठाए रखने के लिए

प्रत्येक तीन महीने में कक्षानुसार पीटीएम आयोजित किया जायेगा. ताकि छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए एक-दूसरे के साथ सुझावों का आदान-प्रदान हो सके.अभिभावकों ने विद्यालय की शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों पर संतोष जाहिर की. उन्होंने प्रभारी प्राचार्य प्रभात रंजन के कार्यों की प्रशंसा की.

स्टेशन से भारी मात्रा में शराब जब्त

धारिश चंद्र सिंह। चाकुलिया

चाकुलिया से ट्रेनों के माध्यम से देशी शराब पश्चिम बंगाल भेजी जा रही है. इसका खुलासा जीआरपी ने किया है. शराब को प्लास्टिक की बोतलों में भरकर और बोरियों में बंद कर विभिन्न ट्रेनों से पश्चिम बंगाल ले जाया जाता है.

शनिवार को जीआरपी ने स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन से दो बोरी में भरी शराब को जब्त किया है. जीआरपी को देख शराब कारोबारी (पुरुष व महिलाएं) फरार हो गए.

शराब तस्करी में महिलाएं भी हैं शामिल: जीआरपी के ओपी प्रभारी दयानंद दास ने कहा कि प्लेटफार्म संख्या तीन से देशी शराब से भरी दो बोरीयां जब्त की गई है. शराब को जीआरपी द्वारा नष्ट कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि देशी शराब का व्यापार महिलाओं द्वारा किया जाता है. महिलाएं शराब को प्लास्टिक की बोतलों में भरकर और बोरियों में पैक कर ट्रेन से बंगाल ले जाती हैं. रेल पुलिस इस मामले को लेकर गंभीर है और व्यापार करने वालों को चिन्हित करने का प्रयास कर रही है. जानकारी के मुताबिक ग्रामीण इलाके से महुआ शराब को बोतलों में भरकर और बोरी में बंद कर टेंपो से स्टेशन लाया जाता है. स्टेशन से इन बोरियों को विभिन्न ट्रेनों के माध्यम से पश्चिम बंगाल ले जाया जाता है. इस खेल में अधिकांश महिलाएं शामिल हैं.

शराब से भरी एक बोरी पकड़ा हुआ व्यक्ति.

खास बातें
- बोरी में बंद कर पश्चिम बंगाल भेजी जा रही थी शराब
- जीआरपी को देख शराब कारोबारी हो गए फरार

सभी थाना प्रभारी रक्षक ऐप के जरिए करें पेट्रोलिंग : एसपी

संवाददाता। गोड्डा

दुर्गापूजा में जिले की विधि-व्यवस्था बनी रहे इसके लिए पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने सभी थाना प्रभारी को अपने क्षेत्र में मुस्तैद रहने को कहा है. शनिवार को जिला मुख्यालय में अपने प्रकोष्ठ में सभी थानों के पुलिस प्रभारी व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दुर्गा पूजा को लेकर अपने क्षेत्र में असामाजिक तत्वों पर नजर रखें. इसके लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के तहत कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे.

रक्षक ऐप के बारे में उन्होंने बताया कि सभी थाना प्रभारी इस ऐप का उपयोग करते हुए गश्त करें. उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी व जवान थाना क्षेत्र में अधिक से अधिक समय पेट्रोलिंग करें ताकि अपराधी तत्वों की गतिविधि ना हो सके. सप्ताह में एक दिन गुरुवार को थाना में थाना दिवस आयोजित करने का निर्देश देते हुए एसपी ने कहा कि पुलिस गांव में जाकर जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराए, ताकि आम जनों को अगर किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो वह पुलिस से सीधा संवाद स्थापित कर सके. उन्होंने कहा कि जिस कांड में दो साल से काम की सजा है, उन सारे मामलों को अविलंब जांच कर निष्पादित करें. इसी प्रकार मानव तस्करी, डायन प्रताड़ना जैसे मामलों में ग्रामीणों को जागरूक करें.

खास बातें
- दुर्गापूजा के मद्देनजर पुलिस अधिकारियों को दिए गए निर्देश
- अधिक से अधिक समय पेट्रोलिंग करें पुलिस अधिकारी

एमएनसी श्रमिकों को दे रही कम मेहनताना

धनबाद। जिले में श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी से कम पैसे देने वाले संस्थानों के खिलाफ श्रम विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है. शनिवार को श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार के नेतृत्व में मल्टीनेशनल कंपनियों (एमएनसी) का औचक निरीक्षण किया गया. टीम ने डोमिनोज पिज्जा, बर्गर किंग में गड़बड़ी पकड़ी. यहां श्रमिकों को सात हजार पांच सौ से नौ हजार तक ही मेहनताना दिया जा रहा है. इसके अलावा दोनों संस्थानों में कई अन्य गड़बड़ियां मिली. श्रम अधीक्षक ने बताया कि श्रम अधिनियम के तहत अपने संस्थान में श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी देना अनिवार्य है. लेकिन, धनबाद में कई संस्थान इस नियम का उल्लंघन कर रहे है.

इस मेले में कंपनी द्वारा रोजगारपरक शिक्षा दी जाएगी व निबंधन होगा

एलबीएसएम कॉलेज में अप्रेंटिसशिप मेला 9 को

संवाददाता। जमशेदपुर

करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में आगामी 9 अक्टूबर को अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जायेगा. यह आयोजन श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखंड, रांची के सहयोग से किया गया है. मेला की शुरुआत सुबह 10.30 बजे से होगी. यह जानकारी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने दी. उन्होंने बताया कि मेले में 25 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी.

कॉलेज के सभी इच्छुक छात्र-छात्राओं को इस मेले में हिस्सा लेने का अवसर है. उनका इस मेले में निबंधन होगा तथा कंपनी द्वारा रोजगारपरक शिक्षा दी जाएगी. प्रशिक्षण के दौरान स्टाइपेंड भी दिया जाएगा. शुक्रवार को रांची से आये अधिकारी अजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने कॉलेज का दौरा किया. मेले में हिस्सा लेकर विद्यार्थी अपना भविष्य संवार सकते हैं. प्राचार्य डॉ. झा ने कहा है कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए भी यह एक सुनहरा अवसर है. साथ ही जिन छात्र-छात्राओं ने मैट्रिक के बाद कॉलेज में नामांकन कराया है वे भी इस मेले में हिस्सा ले सकते हैं. इस अवसर पर कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जयंत शेखर ने भी अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने की स्वीकृति प्रदान की है. मेले में टाटा स्टील समेत 25 से अधिक कंपनियों ने शामिल होने की स्वीकृति प्रदान की है.

खास बातें
- प्राचार्य ने मेले की तैयारियों की समीक्षा की
- मेले में हिस्सा लेकर अपना भविष्य संवार सकते हैं विद्यार्थी

अतिक्रमण से टूटी सड़क, लोग परेशान

पीरटांड़। पीरटांड़ प्रखंड के पालगंज स्थित नाली अतिक्रमण होने से पालगंज खेताडबर पथ टूटकर नाले में तब्दील हो चुका है. इस कारण लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. हाल यह है कि पालगंज स्थित कुम्हरटोली के पास पहले से नाली बनी थी, जिसका अतिक्रमण होने के कारण अब वह नाली ढक गई है. इस कारण बरसात का पानी सड़क में बहते रहता है. इससे सड़क ही अब नाले में तब्दील हो चुकी है. वही अलकरी नदी के पुल के पास एक बड़ा गढ़ा बन चुका है, जो बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित करता है. इसके बाबजूद न तो किसी जनप्रतिनिधि को इसकी चिंता है और ना ही प्रशासन के अधिकारियों को. इस कारण इस सड़क पर आवागमन करने में ग्रामीणों व राहगीरों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है.

आरोप सीएम के क्षेत्र में डायरिया से तीन लोगों की मौत ने खोल दी सिस्टम की पोल

सरकार ने पार की संवेदनहीनता की प्रकाष्ठा : पवन साहू

संवाददाता। हजारीबाग

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू शनिवार को हजारीबाग पहुंचे. मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार संवेदनहीनता की प्रकाष्ठा को पार कर चुकी है. आज के समाचार ने पूरे झारखंड वासियों का हृदय को तार-तार कर दिया है.

मुख्यमंत्री के विधानसभा जिला क्षेत्र में एक ही परिवार से तीन पहाड़िया जनजाति की मौत हो जाना और बीच कीचड़ में चार-पांच घंटे तक लाश का पड़े रहना, यह मुख्यमंत्री के लिए दुर्भाग्य की बात है.

साधा निशाना
- पीड़ित परिवारों को 10-10 लाख मुआवजा देने की मांग
- विलुप्त जनजाति के संरक्षण में सरकार विफल : अकेला

सीएम की आदिवासियों के प्रति संवेदना मर चुकी है: पवन साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने आप को आदिवासियों का नेता समझते हैं और आदिवासियों के प्रति की संवेदना मर चुकी है. पहाड़िया जनजाति समाज को बचाने के लिए भारत सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चला कर उन्हें संरक्षित किया जा रहा है. दूसरी ओर राज्य सरकार उनकी अनदेखी कर रही है. इसका प्रमाण एक ही परिवार से तीन लोगों की मौत से समझा जा सकता है. उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि पीड़ित परिवार वालों को एक व्यक्ति पर 10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा करें. इस घटना पर जैविक कृषि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अनूप भाई वर्मा ने कहा कि सरकार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था इससे उजागर हुई है. सरकार को राज्य में सरकार चलाने का कोई अधिकार नहीं है.

जनजाति को संरक्षित नहीं कर पा रही राज्य सरकार

प्रदेश मंत्री मनमीत अकेला ने कहा है कि इस घटना ने सरकारी सिस्टम की पोल खोल दी है. सरकार विलुप्त हो रही जनजाति को भी संरक्षित नहीं कर पा रही है. सरकार को अविलंब पीड़ित परिवार को मुआवजा देना चाहिए. इससे पहले हजारीबाग परिसदन प्रमंडलीय प्रभारी राजेश मेहता और जिला कार्यालय मंत्री मिथिलेश सिंह ने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत माला पहनाकर एवं पौधा भेंटकर किया.

बच्चों का निवाला बेचने वाले प्रिंसिपल के खिलाफ जांच शुरू

मध्यान भोजन का चावल बेचते रंगेहाथ पकड़े गए थे प्रधानाध्यापक

संवाददाता। देवघर

देवघर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मसानजोरा के प्रधानाध्यापक महेश राम को मध्यान भोजन का 12 बोरा चावल बेचने स्थानीय ग्रामीणों ने गत दिनों रंगेहाथ पकड़ा था. इसके बाद इसकी जानकारी विभाग अधिकारी व पुलिस प्रशासन को दी गई. 7 अक्टूबर दो अधिकारियों की टीम स्कूल पहुंचकर पूरे प्रकरण की जांच की. देवघर प्रखंड के कार्यक्रम पदाधिकारी व प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के नेतृत्व में जांच टीम हर बिंदु की जांच की.

विभाग को सौंपी रिपोर्ट

मालूम हो कि 5 अक्टूबर को प्रधानाध्यापक जब मध्यान भोजन का चावल पिकअप वाहन में लोड कर बेचने ले जा रहे थे, तभी स्थानीय ग्रामीणों ने वाहन को पकड़ लिया था. इसी मामले में पहुंचे जांच अधिकारियों ने इस वित्तीय वर्ष के प्रारंभ से लेकर अभी तक उपलब्ध कराई गई खाद्य सामग्री व राशन की जांच की. प्रथम दृष्टि ग्रामीणों की ओर से लगाया गया आरोप सही पाया गया लेकिन इस मामले में जांच कमेटी ने कहा कि रिपोर्ट विभाग को सौंपी दी गई है, तत्काल कुछ कहा नहीं जा सकता है.

▼ ब्रीफ खबरें

बच्चा हत्याकांड का मुख्य शूटर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । पुलिस ने जिले के आदापुर थाना क्षेत्र में हुए चर्चित बच्चा पासवान हत्याकांड का पटाक्षेप कर दिया है. पुलिस टीम ने हत्या में शामिल मुख्य शूटर को गिरफ्तार पर सफलता हासिल की है. जानकारी देते एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि गुप्त सूचना मिली कि बच्चा पासवान का हत्यारा आदापुर में घूम रहा है नतीजतन सूचना के सत्यापन के बाद अग्रेतर कार्रवाई के लिए रक्सौल डीएसपी धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में छौड़ादानो पुलिस इंस्पेक्टर अभय कुमार के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था.

डकैती की योजना बना रहे 3 डकैत गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के रजौली में पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे 3 अपराधियों को चार पिस्तौल तथा 13 कारतूस के साथ शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है. एसडीपीओ पंकज कुमार ने रजौली थाना परिसर में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि अर्चना नगर के पास स्थित 8 सितंबर की अहले सुबह में सुमन कुमार के घर में सुबह-सुबह घुसकर हथियार का भय दिखाकर नगदी और जेवरात का लूटपाट किया था और पूरे परिवार को बाथरूम में बंद कर भागने में सफल हो गया था. पुलिस इस घटना को लेकर काफी गंभीर थी.

पारिवारिक कलह में व्यवसायी ने दी जान

रोहतास । रोहतास में पारिवारिक कलह से परेशान एक शख्श ने अपने घर के कमरे में शुक्रवार रात आत्महत्या कर ली. बंद कमरे से जैसे ही परिजनों ने आवाज सुनी तो भागते हुए वो लोग कमरे में पहुंचे, वहां शख्स लहूलुहान पड़ा था. आनन-फानन में परिजन शख्स को सदर अस्पताल इलाज के लिए लाए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना जिला मुख्यालय सासाराम के नगर थाना क्षेत्र स्थित मदर दरवाजे की है. बताया जा रहा है कि सासाराम के नगर थाना क्षेत्र के मदार दरवाजा इलाके में एक शख्स ने आत्महत्या कर ली. मृतक देवेंद्र प्रसाद का पुत्र नीतेश कुमार है.

विष्णुपद में 2 घंटे रुके राज्यपाल

अपने सात गोत्र में 121 कुल के उद्धार के लिए किया पिंडदान

संवाददाता । गया

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शनिवार को अपने पितरों के निमित्त पिंडदान का कर्मकांड किया. उन्होंने अपने सात गोत्र में 121 कुल के उद्धार के लिए विष्णुपद, फल्गु और अक्षयवट का पिंडदान किया. महामहिम आर्लेकर करीब 2 घंटे तक विष्णुपद मंदिर में रूके. 11 बजे के बाद वे पिंडदान का कर्मकांड पूरा कर गया से रवाना हो गए. इस दौरान जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया. राज्यपाल के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम लोगों व पंडा समाज के लोगों से अपील की थी कि उक्त अवधि के दौरान उस सड़क का उपयोग कम से कम करें. राज्यपाल का गया आगमन कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा शनिवार को घुंघड़ीटांड़ बाईपास होते हुए नारायणी पुल, बंगाली आश्रम रोड को उक्त अवधि के लिए बंद किया गया था. उसके बाद राज्यपाल के लौटने के दौरान 11 बजे से 11:20 तक विष्णुपद मंदिर से बंगाली आश्रम होते हुए नारायणी पुल बाईपास तक का रास्ता जिला प्रशासन द्वारा अवरुद्ध किया गया. पितृ पक्ष मेले में पितरों के निमित्त पिंडदान तर्पण कर्मकांड के लिए विशिष्ट अतिथियों का आगमन जारी है.

आओ जानें

बिहार में उद्योगों की स्थिति

चीनी का उत्पादन	लाख क्विंटल में
2006-07	45.12
2007-08	33.90
2008-09	21.44
2009-10	26.71
2010-11	38.51
2011-12	45.10
2012-13	50.85
2013-14	59.22
2014-15	52.67
2015-16	50.33
2016-17	52.48
2017-18	71.54
2018-19	84.02
2019-20	72.29

जातीय गणना को लेकर डिप्टी सीएम ने की मांग

बीजेपी को पूरे देश में जातिगत गणना करानी चाहिए : तेजस्वी

- जो लोग आपत्ति कर रहे हैं, उन लोगों को तो पीएम से बोलकर देश भर में जातीय गणना कराने की पहल करनी चाहिए

संवाददाता । पटना

बिहार में हुई जातीय गणना को लेकर जमकर बयानबाजी हो रही है. वहीं, इसको लेकर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि अब तो पूरे देश में जातिगत गणना की मांग उठी है और होना भी चाहिए. देशभर में जातिगत गणना होनी चाहिए. सरकार उसी हिसाब से तो नीतिगत फैसले लेंगी. सारे क्षेत्रीय दल आज भाजपा का साथ छोड़ रहे हैं.

देशभर में जनता भी भाजपा से परेशान हो गई है. भाजपा को देशभर में जातिगत गणना करानी चाहिए. वहीं, जातीय सर्वे लोकसभा चुनाव के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है. इससे महागठबंधन सरकार काफी खुश है. तेजस्वी ने पूरे देश में जातीय सर्वे कराने की मांग कर भाजपा के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है.

जनगणना को लेकर तेजस्वी का केंद्र पर तंज : तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव में भी पार्टियां राज्यों में जाति आधारित गणना कराने का वादा कर रही हैं. यह कार्य तो मानवता के लिए हुए है. सरकार के पास साइंटिफिक डेटा होने चाहिए, जिसके अनुसार योजनाएं बनाई जा सकें. हम लोग तो कई बार मांग कर चुके हैं. जो लोग आपत्ति कर रहे हैं उन लोगों को तो पीएम से बोलकर पूरे देश भर में जातीय गणना करानी चाहिए, यहां तो जनगणना भी नहीं हो रही है. कौन सी स्थिति में आबादी है? इसकी तो जानकारी होनी चाहिए. इसके अनुसार ही तो सरकार काम करेगी. प्रियंका गांधी की मांग का हमलोग स्वागत करते हैं.

बता दें कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एलान किया कि छत्तीसगढ़ में फिर से कांग्रेस सरकार बनते ही हम जाति जनगणना करवाएंगे. सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट करते हुए इसकी जानकारी दी. कांकेर में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस छत्तीसगढ़ में दोबारा सरकार बनाती है तो हम बिहार की तरह राज्य में भी जातीय गणना कराएंगे.

सर्वे के बाद मुसलमान नेता को सीएम बनाएं तेजस्वी : प्रशांत किशोर

पटना । जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से सीतामढ़ी में शुक्रवार को पत्रकारों ने पूछा कि जातिगत गणना के बाद तेजस्वी यादव बराबरी की बात कर रहे हैं तो क्या वो किसी मुसलमान नेता को मुख्यमंत्री बनवाएंगे, या फिर जितनी आबादी उतना हक दिलाएंगे? इस पर प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव, लालू यादव और नीतीश कुमार को घेरते हुए कहा कि ये लोग पिछले 32 सालों से बिहार में शासन कर रहे हैं. बिहार में कोई इनसे पूछने वाला नहीं है कि बिहार में इन वर्गों के प्रतिनिधित्व के बारे में आप बात कर रहे हैं. पिछले 32 साल से आपने इन वर्गों के लिए क्या किया? जातिगत जो सर्वे आया है उसका कोई महत्व नहीं है. बिहार में किसको नहीं मालूम है कि 35 प्रतिशत अति पिछड़ा समाज के लोग रहते हैं.

पटना पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा

किसानों के बिना नहीं हो सकता विकास

संवाददाता । पटना

किसान नेता राकेश टिकैत शनिवार को पटना पहुंचे और मीडिया से बातचीत की. उनके साथ पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह भी मौजूद थे. राकेश टिकैत ने कहा कि यहां का एग्रीकल्चर सेक्टर पूरी तरह खत्म हो चुका है. बिहार के किसानों को बचाना है तो सबसे पहले बाजार समिति को बहाल करना होगा. हम विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन किसानों को विनाश करके विकास नहीं हो सकता है. इसके लिए आंदोलन करना होगा नहीं तो किसानों की जमीन बेवजह लूटती जाएगी. अब बिहार में जल्द आंदोलन होगा. वहीं, जातीय गणना के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य जाति गणना नहीं है. हमारा उद्देश्य खेतों में काम करने वालों के लिए है. फसलों के लिए उचित दरें प्रदान की जानी चाहिए. क्या कोई व्यापारी किसी जाति विशेष के किसान को अधिक भुगतान करता है? जब फसल पक जाती है, तो कोई नहीं बता सकता कि यह किसके खेत में पैदा हुई है?

नवादा में नदी में डूबने से दो किशोरों की मौत

नवादा । नारदीगंज थाना इलाके में पंचाने नदी में शनिवार को डूबने से दो किशोर की मौत हो गई. थेन के इंटर विद्यालय डोहरा के समीप पंचाने नदी में हुई. मृतक किशोर में एक मसौढा गांव के मो. जाबिद हुसैन उर्फ मुन्ना का 17 वर्षीय पुत्र मिस्टर आलम व दूसरा सरोज प्रसाद का 17 वर्षीय पुत्र धर्मवीर कुमार है. बताया गया की दोनों मृतक अपने 6 दोस्तों के साथ नदी में स्नान करने गया था. इस दौरान गहरे पानी में डूब गया. साथ रहे दोस्तों के शोर-शराबा करने पर काफी संख्या में लोग इकट्ठा हुए.

शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब पर एफआईआर

संवाददाता । सीवान

पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब पर धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज किया गया है. शुक्रवार को छपिया खुर्द गांव में 42 कट्ठा जमीन को लेकर गोलीबारी के बाद शिकायतकर्ता जिम्मी ने आवेदन देकर ओसामा शहाब और सलमान मियां पर मामला दर्ज कराया है. आवेदन में कहा गया है कि जमीन को लेकर बार-बार फोन पर धमकी दी जाती है, जिसके लिए ओसामा और सैफ उर्फ सलमान मियां जिम्मेदार हैं. इस मामले ने पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है. वहीं इस मामले पर पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के करीबी अजय तिवारी कहते हैं कि कुछ घंटे पहले हिना शहाब ने चुनाव लड़ने से संबंधित एक बयान दिया था, जिसके बाद एफआईआर में ओसामा का नाम घसीटा गया है. यह सब राजनीतिक के तहत हो रहा है.

कारोबार

टीसीएस का शेयर बाय बैक पर होगा विचार

नयी दिल्ली । टेक्नोलॉजी दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की अगले हफ्ते होने वाली बैठक में शेयरों की पुनर्खरीद के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा. टीसीएस ने शेयर बाजारों को एक सूचना में यह जानकारी दी. इसके मुताबिक, कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स 11 अक्टूबर को होने वाली बैठक में अपने इक्विटी शेयरों के बायबैक के प्रस्ताव पर विचार करेगा. टाटा ग्रुप की कंपनी ने पहले घोषणा की थी कि वह 18,000 करोड़ रुपये तक के शेयरों का बायबैक करेगी.

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार आई गिरावट

नयी दिल्ली । भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है और शनिवार को आए विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़ों में भी ये ही दिखाई देता है. आरबीआई ने शुक्रवार को जानकारी दी है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 29 सितंबर को खत्म हफ्ते में 3.794 अरब डॉलर घटकर 586.908 अरब डॉलर रह गया है. बताया गया था कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 29 सितंबर को खत्म हफ्ते में 586.908 अरब डॉलर पर आ गया है. इसके पहले के हफ्ते में देश का कुल मुद्रा भंडार 2.335 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 590.702 अरब डॉलर पर था.

वनप्लस पैड गो टैबलेट 19,999 में हुआ लॉन्च

नयी दिल्ली । चाइनीज टेक कंपनी वनप्लस ने वनप्लस पैड गो टैबलेट भारत में लॉन्च कर दिया है. इस डिवाइस में 8एमपी कैमरा और 2.4के रेजोल्यूशन वाला 11.35 इंच का डिस्प्ले दिया हुआ है. यह दो स्टोरेज और दो कनेक्टिविटी ऑप्शन में अवेलेबल है. इसकी शुरुआती कीमत 19,999 रुपए रखी है. इस पैड में 8000 एमएएच की बैटरी दी गई है. कंपनी का दावा है कि वन प्लस पैड गो एक बार चार्ज करने पर 514 घंटे तक स्टैंडबाय पर रह सकता है. वहीं अगर आप वीडियो चलाते हैं तो यह 14 घंटे और म्यूजिक सुनते हैं तो 40 घंटे का बैटरी बैकअप देगा.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक हुई

मिलेट्स प्रोडक्ट्स पर जीएसटी में कटौती

भाषा । नई दिल्ली

जी20 में मिलेट्स को प्रचारित किया गया था

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक हुई. बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के अलावा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री तथा केंद्र सरकार और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए. बैठक में मिलेट्स यानी मोटे अनाज से बने प्रोडक्ट्स पर टैक्स कटौती की गई. इसे 18% से घटाकर 5% कर दिया गया. इसके अलावा मोलासेस पर भी जीएसटी 28% से घटाकर 5% किया गया.

दरअसल पाउडर के रूप में मिलेट्स यानी मोटे अनाज जैसे- ज्वार, बाजरा और रागी आदि से बने फूड को टैक्स से छूट दी गई है. अभी इन पर 18% टैक्स लगता है. मोदी सरकार ने जी20 प्रेसिडेंसी में मिलेट्स को खूब प्रचारित किया था. इससे पहले साल 2021 में यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली में साल 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स घोषित किया गया था.

बताया जाता है कि बैठक में किसी कंपनी के डायरेक्टर या प्रोमोटर जैसे किसी सीनियर कंपनी एग्जीक्यूटिव की ओर से सब्सिडियरीज को सर्विसेज की सप्लाई के रूप में दी गई बैंक गारंटी पर टैक्स कैसे देय होगा, इस पर काउंसिल में फैसला हो सकता है. कहा गया है कि इस बारे में टैक्सेशन का मूल्यांकन या तो डायरेक्टर के मामले में पारिश्रमिक या कुल गारंटी राशि का 1% हो सकता है. वहीं 1 अक्टूबर से, ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग और कसीनो के एंट्री पॉइंट पर किए डिपॉजिट के फुल फेस वैल्यू पर 28% जीएसटी लागू हो चुका है. 2 अगस्त को 51वीं बैठक में इस पर अंतिम फैसला लिया गया था. अब तक इन खेलों पर 18% तक टैक्स लगता था. गेमिंग कंपनियां इसका विरोध कर रही हैं.

टैक्स घटे

- मोलासेस पर जीएसटी 28% से घटा कर 5% हुआ
- 2023 है इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स घोषित

मान लीजिए आपने गेम खेलने के लिए 100 रुपए डिपॉजिट किए. इन पैसों पर 28% जीएसटी लगेगा. अब आप गेम में जीत हासिल करते हैं और ये रकम बढ़कर 200 रुपए हो जाती है. अब इन 200 रुपए को आप विड्रॉ नहीं करते हैं और फिर से गेम खेलते हैं. तो इन पैसों पर दोबारा 28% जीएसटी नहीं लेगेगा. वहीं जीएसटी की फिटमेंट कमेटी ने इलेक्ट्रिक व्हीकलों में उपयोग की जाने वाली लिथियम आयन बैटरी पर जीएसटी को 18% से घटाकर 5% करने, सिगरेट पर कंपनशेसन सेस में कमी करने, बिजनेस द्वारा आपूर्ति की जाने वाली सेवाओं में कटौती, फ्लाइंग इस्टीट्यूट को टैक्स छूट आदि के प्रस्तावों को खारिज कर दिया है. दूसरी ओर काउंसिल स्टील स्क्रैप पर रिवर्स चार्जेस मैकेनिज्म लागू करने पर भी फैसला ले सकती. काउंसिल विज्ञापन सर्विस, डेटा सेंटर, मेल और कूरियर से दी जाने वाली सर्विसेस के मामले में डिटेल्ड एक्प्लेनेशन दे सकती है. काउंसिल पब्लिक पार्कों और लॉन के रखरखाव के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर दी गई बागवानी सर्विस पर जीएसटी से छूट पर भी विचार कर रही है.

बैंक में 96% 2000 के नोट वापस आ गए

- अब ये 2000 के नोट सिर्फ आरबीआई ऑफिस में ही बदले जा सकेंगे

एजेंसी । नयी दिल्ली

2000 रुपए के नोट को बैंक में जमा करने या इसे दूसरे नोट से बदलने का 7 अक्टूबर आखिरी दिन था. इससे पहले शुक्रवार को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि 96% से ज्यादा 2000 रुपए के नोट बैंक में वापस आ गए हैं, जिनकी वैल्यू 3.43 लाख करोड़ है. इसमें से 87% नोट को बैंक में जमा किया गया है. बाकी नोटों को दूसरे नोटों से एक्सचेंज किया गया है. उन्होंने कहा कि अभी लगभग 12 हजार करोड़ रुपए के 2000 के नोट चलन में हैं, जिनका आना अभी बाकी है. इससे पहले नोट बदलने की आखिरी तारीख 30 सितंबर थी, लेकिन आरबीआई ने इस डेडलाइन को बढ़ाकर 7 अक्टूबर 2023 कर दिया था. आज यानी 8 अक्टूबर से ये नोट सिर्फ आरबीआई ऑफिस में बदले जा सकेंगे. बैंक में नोट जमा करने की डेडलाइन खत्म होने के बाद 2000 रुपए के नोट आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में नोट बदले या जमा किए जा सकेंगे. एक बार में 20 हजार रुपए तक के 2000 के नोट बदले जा सकेंगे. वहीं अगर इन्हें अपने बैंक अकाउंट में क्रेडिट करवाना है तो 2000 के कितने भी नोट इश्यू ऑफिस के जरिए जमा करवा सकते हैं. 2000 का नोट नवंबर 2016 में मार्केट में आया था. तब प्रधानमंत्री ने 500 और 1000 के नोट बंद करने का ऐलान किया था.

इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के 24वें वार्षिकोत्सव का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया.

डिजाइन चेंज — कंपनी ने शेयर की तस्वीर, दो महीने पहले लोगो का लोकार्पण किया था

नए लोगो के साथ आया एअर इंडिया का पहला विमान

एजेंसी । नयी दिल्ली

एअर इंडिया ने रीब्रांडिंग के बाद नए लोगो के साथ पहले विमान की फोटो शेयर की. कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, यह फ्रांस के टूलूज में हमारी नए डिजाइन में मैजेस्टिक ए350 का पहला लुक है. हमारे ए350एस इस सर्दी में घर आना शुरू हो जाएंगे. दो महीने पहले 10 अगस्त को एअर इंडिया ने अपना नया लोगो अनवील किया था. नए लोगो में सुनहरे, लाल और बैंगनी रंगों का इस्तेमाल किया गया है.

कंपनी ने कहा था, यह लोगो असीमित संभावनाओं और भविष्य के लिए एयरलाइन का बोल्ड, कॉन्फिडेंट आउटलुक दर्शाता है. लंदन बेस्ड ब्रांड और डिजाइन कंसल्टेंसी फर्म फ्यूचर ब्रांड के साथ पार्टनरशिप में इस लोगो को डिजाइन किया गया है. फ्यूचर ब्रांड ने अमेरिकन एयरलाइंस और ब्रिटिश लक्जरी ऑटोमोबाइल ब्रांड बेंटले के साथ ब्रांडिंग पर काम किया है. एअर इंडिया अपने नए मेकओवर के साथ अमीरात और कतर एयरवेज जैसे कैरियर्स को टक्कर देना चाहता है. एअर इंडिया की पहचान उसका महाराजा मैस्कट रहा है. 1946 में इसे डिजाइन किया गया था. एअर इंडिया के तब के कॉमर्शियल डायरेक्टर बॉबी कूका और विज्ञापन एजेंसी जे.वाल्टर थॉम्पसन के आर्टिस्ट उमेश राव ने मिलकर ब्रांड आइकन बनाया था.

हालांकि, एअर इंडिया के सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन ने फरवरी में कहा था कि एअरलाइन के मेगा मेकओवर के बाद भी महाराजा इस ब्रांड का हिस्सा बने रहेंगे. एयरलाइन अपने एयरपोर्ट लाउंज और प्रीमियम क्लास के लिए महाराजा की इमेज का इस्तेमाल करना जारी रख सकती है. टाटा संस के चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन ने कहा कि नया लोगो असीमित संभावनाओं का प्रतीक है.

उन्होंने कहा कि एयरलाइन को वर्ल्ड लेवल पर कॉम्पिटिटिव बनाने के लिए बहुत सारे प्रयासों की आवश्यकता है. कंपनी अब सभी ह्यूमन रिसोर्सेज को अपग्रेड करने पर फोकस कर रही है. मौजूदा बेड़े को लेकर चंद्रशेखरन ने कहा कि एअर इंडिया ने विमानों का बड़ा ऑर्डर दिया है, लेकिन नए विमान आने में कुछ समय लगेगा. उन्होंने कहा, इस बीच, हमें अपने मौजूदा बेड़े को नवीनीकृत करना होगा और उसे स्वीकार्य स्तर पर लाना होगा.

देंगे टक्कर

- नए डिजाइन में मैजेस्टिक ए350 का पहला लुक है
- नए लोगो में सुनहरे, लाल व बैंगनी रंगों का इस्तेमाल हुआ

4966 करोड़ रुपये में होगी डील

रिलायंस रिटेल में आबू धाबी की कंपनी खरीदेगी हिस्सेदारी

एजेंसी । नयी दिल्ली

आबू धाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) में 4,966.80 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. आबू धाबी की कंपनी इस डील में रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में 0.59 फीसदी की इक्विटी खरीदेगी. यह निवेश आरआरवीएल का प्री-मनी इक्विटी वैल्यू पर किया जाएगा, जिसे 8.381 लाख करोड़ रुपये आंका गया है. गौरतलब है कि देश में इक्विटी वैल्यू के हिसाब से रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड, पहली चार कंपनियों में शामिल हो गई है. मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के तहत संचालित रिलायंस रिटेल की कमान ईशा अंबानी के पास है. रिलायंस रिटेल ने पिछले कुछ सालों में तेजी से अपने कारोबार को बढ़ाया है. आरआरवीएल अपनी सहायक कंपनियों और सहयोगियों के माध्यम से सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे लाभदायक खुदरा व्यापार का संचालन करती है. रिलायंस रिटेल कंपनी के 18,500 से अधिक स्टोर हैं. डिजिटल कामर्शियल प्लेटफार्म रजिस्टर्ड नेटवर्क के साथ कंपनी 26.7 करोड़ ग्राहकों को सेवाएं देती है. आरआरवीएल ने अपने न्यू कॉमर्स व्यवसाय के जरिए 30 लाख से अधिक छोटे और असंगठित व्यापारियों को डिजिटल दुनिया से जोड़ा है, जिससे ये व्यापारी अपने ग्राहकों को अच्छे प्राइस पर प्रोडक्ट प्रोवाइड करा सके.

जब-जब याद मुझे आती है शोभित सौरभ वन-उपवन की

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

चतुर मानवों का समाज अपने स्वार्थ में चूर होता जा रहा है, बुद्धि-विवेक से निरंतर दूर होता जा रहा है. हरे-भरे पेड़ पौधे कटते जा रहे हैं, देश प्रदेश के वन क्षेत्र तेजी से घटते जा रहे हैं. पत्थरों की तस्करी के चलते पर्वतों के भी कलेजे फटते जा रहे हैं. पर्यावरण बेहाल है. मौसम गुस्से से लाल है. मानसून नाराज है और खेतों खलिहानों की तबीयत नासाज है. अन्नदाता किसान जार-ब-जार रो रहा है. खेतों में बीजों की जगह अपने आंसू बो रहा है और आर्त्तनाद करते हुए कहता है-हे भगवान तुम्हारी दुनिया में यह क्या हो रहा है. लुट रही अपनेपन की हरियाली है, रूठती जा रही खुशहाली है. मुंह चिढ़ाती बहार है. इन बातों के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है? चतुर मानव समाज सोच नहीं पा रहा कि उसका यह स्वार्थ उसे कहां पहुंचा देगा और जिसकी कल्पना तक नहीं की है, उस भयानक मंजर को खड़ा कर दिखा देगा. परिस्थितियों की संवेदना कवि हृदयों को किस तरह झकझोर रही है, इसका ललित उदाहरण है जमशेदपुर की कवयित्री **माधवी उपाध्याय** की यह रचना, जिसका शीर्षक है-हरियाली अपनेपन की..!

जब-जब याद मुझे आती है.
शोभित सौरभ वन-उपवन की,
पुलकित अंतर कर जाती है..
हरियाली वो अपनेपन की..
जंगल और पहाड़ भरे थे,
झील, नदी, झरने झरते थे..
आस-पास था हरित बसेरा,
देख नित्य पुलकित रहते थे.
ऊंचे-सखुआ पेड़ खड़े थे,
शीशम, शाल पलाश बड़े थे..
मूक कथानक, किस्से गढ़ते,
वैभव मुख से निकल पड़े थे..
कुदरत की उर्वर तरुणाई,
झाड़ी, झुरमुट, पुटुस सुहाई..
चहुंदिश जंगल ही जंगल थे,
चहक पंछियों की मन भाई..
शांत चित औ सुखद पवन था
अपनेपन से भीगा मन था..
बहुमंजिली इमारत न थी,
संवेदित मन और अमन था..
दशकों बीत गए सब देखे
कितने रीत गए अनदेखे..
मानव अब भी चेत जरा तू
घुटते प्रीत गए बिन देखे..

चतुर मानव समाज, यानी चतुर मानवों का दल. समाज के चतुर मानव, जिन्हें हर समय केवल अपनी पड़ी है, जिनके कृत्यों से जन सामान्य के समक्ष भारी विपदा खड़ी है-उस जन सामान्य के समक्ष जिसकी आंखों में झलक रही एक आस, जिसे देखती और महसूस करती हैं रांची की कवयित्री **मीरा सिंह**. इनकी कविता का शीर्षक है-एक आस.

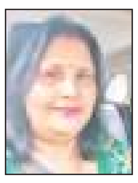

देखा मैंने उसकी आंखों में आज एक आस,
मूसलाधार बारिश के छूटने की आस,
कहीं कोई काम मिलने की आस,
बच्चों को दो निवाले खिलाने की आस,
पेट की अंतड़ियों की क्षुधा
शांत करने की आस,
बुझे हुए चूल्हे को जलाने की आस,
देखा मैंने उसकी आंखों में आज एक आस.

कवयित्री मीरा जी बेबसों की आंखों मे एक आस देख कर चिंतित हो जाती हैं. सचमुच यह चिंता का विषय तो है ही, लेकिन उससे भी अधिक चिंता का विषय है नयी-नयी बीमारियों और महामारियों का आगमन और कोहराम. हाल ही में आयी कोरोना नामक महामारी ने यह संदेश दे दिया है कि अब भी नहीं संभलोगे तो फिर संभल नहीं पाओगे. इसके लिए सबसे अधिक जिस चीज की आवश्यकता है वह है स्वच्छता. इसके बिना स्वस्थ रहना असंभव है. इसकी महत्ता पर प्रकाश डाल रही हैं कवयित्री **अर्पणा सिंह.** इनकी कविता का शीर्षक है स्वच्छता, जिसमें ये कहती हैं-

बस इतनी सी बात है
कि ज़िंदगी बस दो पल की सौग़ात है
जिसमें न आज है न कल
तो रखो स्वच्छ अपने आस पास हरपल
पेड़ों की छांव में पलता वो बचपन
स्वच्छ वायु में मचलता वो यौवन
पहाड़ों से गिरती नदियों की छन छन
नहीं लौटता वो प्यारा अद्भुत जीवन
चाहो जो जीना स्वस्थ लंबा जीवन
तो थाम लो स्वच्छता का दामन
सोचते हमने किया ही क्या था
बस थोड़ा कूड़ा ही तो नदियों में डाला था
पर मत भूल, उस थोड़े का भी फ़र्क पड़ता है
उसमें पलती मछलियों का दम भी घुटता है
तो करो स्वच्छता का दिल से पालन
स्वयं करो सबको समझाओ
स्वच्छ जो रहे गली चौबारा
सुंदर बने शहर हमारा
एक दिन की बात न करो
करो बापू, मोदी के शब्दों का सम्मान
अपने घर के साथ साथ
आस पास की सफ़ाई का रखो ख़्याल
यही है सच्चा स्वच्छता अभियान

अर्पणा जी रांची के डीएवी कपिलदेव स्कूल में शिक्षिका हैं, इसलिए इनकी रचना में भी एक योग्य शिक्षिका बोल रही है. मानव जीवन में बेटियों का किसी भी मायने में कम नहीं होता. इसे तो वही महसूस कर सकता है, जिसे भगवान ने बेटी दी है. यह कैसी विडंबना है कि एक मां बेटी को जन्म देती है. फिर नाना प्रकार के थपेड़ों को झेलती हुई उसे पाल-पोस कर बड़ा करती है. पढ़ाती-लिखाती है. उसे कामयाब बनाती है और एक दिन ऐसा आता है, जब वह अपने दिल के टुकड़ों को धूमधाम के आंखों से अविरल आंसुओं की धारा बहाती हुई बेबसी के साथ अपने घर से विदा कर देती है. मां और बेटी एक दूसरे से अलग हो जाती है और भी सदा के लिए. ऐसे क्षण में कितनी बेबस होती है वह मां, कितनी मजबूर होती है वह बेटी. फिर वर्षों बाद मां मिलने आती है वही बेटी और वह भी दो दिनों के लिए. जब आती है तो मां के लिए होली, दशहरा और दिवाली जैसे सभी त्योहार आ जाते हैं और दो दिनों के बाद फिर सबकुछ पहले जैसा ही हो जाता है. कवयित्री **सुनीता अग्रवाल** की मार्मिक कविता है-दो दिन के लिए बेटी. आइए, एक मां और एक बेटी की बेबसी को हम भी महसूस करते हैं.

दो दिन के लिए बेटी
दो दिन के लिए मिलने आएगी बेटी
सोच कर ही ख़ुशियां छा जाती हैं.
इंतज़ार करती सुबह से ही मां
छज्जे पर कितनी बार झांक आती है.
न दिखती उसकी गाड़ी न दिखती वो
मायूस हो कमरे में आ बैठ जाती है.
कभी नज़र घड़ी पर कभी दहलीज़ पर
एकटक अपलक गड़ाए रहती है.
सीढ़ियों से आती आहट सुन सहसा
तेज़ी से उठ गेट तक आ जाती है.
देख कर बिटिया को, उसके मुखड़े को
स्वर्ग सा सुख मानो मां पा जाती है.
दो ही दिन रहोगी ज़्यादा क्यूं नहीं बेटी
पूछती अंततः मन को समझा देती है.
घर में बेटी को आती-जाती देखती
मन ही मन असीम सुख पा लेती है.
जाने वाले दिन आज ही जाओगी पूछ
मां उदास फिर से हो जाती है.
टिक्का निकालती,लिफ़ाफ़ा देती
देवी-देवताओं को प्रणाम करवाती है
विदाई की घड़ी जब आती है
बेटी को सीने से वो लगाती है.
आंसू न आ जाये मेरी मां को सोच
बेटी कड़ी हो मुस्कुराकर जाती है.
फिर आऊंगी, अपना ख़्याल रखना
बोल बेटी मां को प्यार से देखती है.
चलने में दिक़्क़त फिर भी किसी तरह
साड़ी संभालती दरवाज़े तक आती है
गाड़ी में बैठी बेटी को फिर से देखने
कितनी जल्दी बाल्कनी में आ जाती है
चेहरा पूरा बाहर नहीं निकालती वो
डबडबी आंखें दूर तक निहारती हैं.

ऐसे क्षणों में केवल यही सोच कर संतोष करना पड़ता है कि संयोग और वियोग दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. अगर संयोग है तो वियोग भी आएगा ही. तो क्या बेटियां हमारे जीवन में हमें वियोग देने के लिए ही आती हैं? लेकिन इसमें उनका भी क्या दोष? यही तो समाज रीति है और इसका पालन हमें अपने कलेजे पर पत्थर रख कर करना ही पड़ता है. फिर भी बेटियों का महत्व कम नहीं होता. वे हैं तभी तो संसार है, जीवन है, इन्हीं शब्दो के साथ अगले सप्ताह के लिए आज्ञा चाहूंगा. जय हिंद! जय झारखंड!!

वीर सपूत महाराणा प्रताप की शौर्यभूमि हल्दीघाटी

राजस्थान के उदयपुर ज़िले से लगभग 43.2 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम तथा श्रीनाथ द्वारा से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर पश्चिम में हल्दीघाटी वह ऐतिहासिक घाटी है, जहां 18 जून 1576 में महाराणा प्रताप और मुगल बादशाह अकबर के बीच भीषण युद्ध हुआ था. यद्यपि की इस युद्ध में अकबर की विजय हुई थी और महाराणा प्रताप की पराजय. भाई शक्ति सिंह ने साथ नहीं दिया था, फिर भी महाराणा ने अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की. 14 एवं 15 सितंबर 2023 को हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्य मंडल

यायावर की डायरी

डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय

श्रीनाथद्वारा (राजस्थान) के तत्वावधान में आयोजित हिंदी लाओ-देश बचाओ समारोह में मुझे भी भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. समारोह की समाप्ति के बाद हल्दीघाटी को प्रत्यक्ष देखने की इच्छा जाग गयी, जिसे अभी तक इतिहास और महाकवि श्याम नारायण पाण्डेय रचित महाकाव्य हल्दीघाटी में पढ़ता रहा था. वहां जाने के बाद पता चला जिसे हम हल्दीघाटी के नाम से जानते हैं, उस स्थान को 'गोगंदा' भी कहा जाता है. घाटी की मिट्टी का रंग हल्दी की तरह पीला है, इसलिए इसका नाम हल्दीघाटी पड़ा. वहां के आसपास के लोग इस बात को लेकर गौरवान्वित हैं कि हल्दीघाटी उनकी जन्मभूमि है, जहां मेवाड़ के महाराणा प्रताप स्वाधीनता की बलिवेदी पर अपना सबकुछ कुर्बान कर दिया था. महाराणा प्रताप ऐसे वीर सपूत थे, जिन्हें मुग़ल बादशाह अकबर की मैत्रीपूर्ण दासता पसन्द न थी. इसी बात पर उनकी आमेर के मानसिंह से भी अनबन हो गई थी, जिसके फलस्वरूप मानसिंह के भड़काने से अकबर ने स्वयं मानसिंह और सलीम (जहांगीर) की अध्यक्षता में मेवाड़ पर आक्रमण करने के लिए भारी सेना भेजी. वहां के वैसे लोगों को भी महाराणा प्रताप की वीर गाथा याद है, जो कम पढ़े लिखे हैं या बिल्कुल अनपढ़ हैं. हल्दीघाटी की लड़ाई 18 जून, 1576 ई. को हुई थी. अकबर के पुत्र जहांगीर और मानसिंह मेवाड़ पर हमला कर दिए जाने के बाद राणा प्रताप ने अप्रतिम वीरता दिखाई. उनका परम भक्त सरदार झाला मान इसी युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुआ था. स्वयं प्रताप के दुर्घर्ष भाले से गजासीन सलीम बाल-बाल बच गया. किन्तु प्रताप की छोटी सेना मुग़लों की विशाल सेना के सामने अधिक सफल नहीं हो सकी और प्रताप अपने घायल, किन्तु बहादुर घोड़े पर युद्ध-क्षेत्र से बाहर आ गये, जहां चेतक ने प्राण छोड़ दिये. इस स्थान पर इस स्वामिभक्त घोड़े की समाधि आज भी देखी जा सकती है. इस युद्ध में प्रताप की 22 सहस्त्र सेना में से 14 सहस्त्र काम आई थी. इसमें से 500 वीर सैनिक राणा प्रताप के सम्बंधी थे. मुग़ल सेना की भारी क्षति हुई तथा उसके भी लगभग 500 सरदार मारे गये थे. सलीम के साथ जो सेना आयी थी, उसके अलावा एक सेना वक्त पर सहायता के लिये सुरक्षित रखी गई थी. इस युद्ध के पश्चात् राणा प्रताप को बड़ी कठिनाई का समय व्यतीत करना पड़ा था. किन्तु उन्होंने कभी साहस नहीं छोड़ा और अपने राज्य का अधिकांश मुग़लों से वापस छीन लिया था.

हल्दीघाटी राजपूताने की वह पावन बलिदान भूमि है, जिसके शौर्य एवं तेज़ की भव्य गाथा से इतिहास के पृष्ठ रंगे हैं. भीलों का अपने देश और नरेश के लिये वह अमर बलिदान, राजपूत वीरों की वह तेजस्विता और महाराणा का वह लोकोत्तर पराक्रम इतिहास में प्रसिद्ध है. यह सभी तथ्य वीरकाव्य के परम उपजीव्य हैं.

जनता के हाथ सरकार का दिया झुनझुना

हम सबों ने देखा है, जब बहुत छोटे शिशु रोते हैं तो उनके हाथ में झुनझुना थमा दिया जाता है. उस अबोध शिशु का ध्यान बंट जाता है और कुछ देर तक वह उस झुनझुने को लेकर उत्सुकतावश सोचने, समझने और अनुसंधान करने लग जाता है! भारत की आज़ादी के 76 साल बाद भी इस विशाल लोकतंत्र के तथाकथित 'सेवकों' को सामान्य शिशु से अबोध विशाल जनता और उस 'झुनझुना' विधि से शासन-प्रशासन चलाना पड़ रहा है. भारत में लगभग सभी राजनीतिक दल सत्ता पर काबिज़ हो चुके हैं. अगर उनके प्रशासन में कोई फर्क है तो उस ₹झुनझुने₹के आकार, रंग और बनावट को लेकर. सभी राजनीतिक दल दूसरे दल के ₹झुनझुने ₹ को लेकर रंग- विरंग के वस्त्र विन्यास के संग (मानो कोई फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हो) रोज घंटों विभिन्न टीवी चैनलों पर घूम-घूम कर चीखते, चिल्लाते, मारपीट करते दिखाई देते हैं !

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

लोगों ने सिनेमा हॉल जाकर, टिकट खरीद कर एक्शन फिल्में देखनी छोड़ दी हैं. टीवी वाले रोज की बहस (और एक्शन) में कोई पटकथा नहीं रहती. स्वतःस्फूर्त, स्वाभाविक और तात्कालिक होता है और जीवंत होता है. आइये लौटते हैं उन 'झुनझुनों' की ओर! एशिया के छोटे से देश सिंगापुर में विश्व में प्रतिष्ठित तकनीकी विश्वविद्यालय हैं. दुनिया के छोटे-छोटे देश भी वैज्ञानिक विकास के लिए, शिक्षा के सुधार के लिए खर्च कर रहे हैं, नए शोध संस्थान स्थापित कर रहे हैं, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शोध के लिए छात्रवृत्ति दे रहे हैं. हमारे देश में अब भी ₹झुनझुना₹ का दौर चल रहा है. यही कारण है कि देश के अधिकांश प्रतिभाशाली छात्र दुनिया भर से संतोषजनक शोध छात्रवृति पाकर विदेशों में शोध में संलग्न हैं! उन्हें सफलता, रोजगार भी मिलता रहा है!

भारत एकमात्र लोकतांत्रिक देश है, जहां 'आरक्षण' को पिछले छिहत्तर सालों में ₹झुनझुना₹ की तरह इस्तेमाल किया गया है. किसी भी देश में राजनीति का केंद्र 'आरक्षण' नहीं रहा है, जितना भारत में! पिछले दिनों पड़ोसी राज्य ने 500 करोड़ रुपये खर्च कर 'जातीय जनगणना' की रिपोर्ट तीन महीने में पेश कर दी. इतनी तेजी से काम के लिए उनकी जितनी प्रशंसा की जाय कम है. ऊपर से बड़ा फायदा यह कि आधा देश सारी समस्याओं को भूलकर उसकी प्रशंसा/निंदा में तल्लीन है!

एक आम करदाता नागरिक के रूप में इस गरीब नागरिक की एक अभिलाषा है कि एक सर्वेक्षण यह भी हो कि आज़ादी के बाद कितने लोगों को आरक्षण का लाभ दिया गया, एक ही परिवार के कितने पुश्तों को आरक्षण का लाभ दिया गया! उनकी आर्थिक स्थिति में 1947 से अब तक कितना विकास हुआ. क्या एक ही परिवार के लोगों के चार पांच पुश्तों से आरक्षण के लाभ लिए जाने से बाकी लोगों की हकमारी नहीं हो रही? क्या कोई सरकार ऐसे सर्वेक्षण करवाना चाहेगी? क्या कोई सरकार 'आयकर दाताओं' को सभी तरह के आरक्षण और विशेष सुविधाओं के दायरे से बाहर करेगी?

जिसकी लाठी उसका जंगल

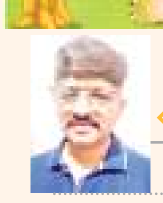

नश्तर

सुधीर राघव

जंगल में चुनाव नजदीक आ रहे थे. सेठ दुलीचंद सुनामी के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ रही थीं. हवा एकदम जंगल के मौजूदा राजा गधे के खिलाफ थी. गधा सेठ दुलीचंद का प्यादा था. गधे को पिछले चुनाव जिताने में सेठ ने करोड़ों खर्च किए थे. यह बात और है कि गधे के राजा घोषित होते ही उसके जरिए खरबों कमाए भी. जंगल के सारे संसाधन औने-पौने लूटकर सेठ दुलीचंद सुनामी सबसे अमीर आदमी बन गया था. उसकी संपत्ति प्रकाश के वेग से बढ़ रही थी और जंगल गरीब हो रहा था. कर्ज के बोझ से दबा जा रहा था. दुलीचंद की चिंता यह नहीं थी कि इस बार गधा हार जाएगा. उसकी चिंता थी कि कहीं इस बार शेर न जीत जाएं, जो उससे पाई पाई का हिसाब लेने को उतारू हैं. वह जानता था कि अगर शेर जीत गए तो वह बर्बाद हो जाएगा. ताऊ चौधरी से तेज दिमाग वाले सेठ की ट्यूबलाइट अचानक जली. उसने कुछ सर्कस वालों को बुलाया और उनसे कहा, जाओ तुम्हें खुली छूट है... जंगल से सारे शेर पकड़कर ले जाओ. सर्कस वाले बोले, हम शेरों का क्या करेंगे? आजकल कोई सर्कस नहीं देखता. हर शेर को खाने के लिए रोज एक बकरा चाहिए. यहाँ हमारा अपना पेट भरने के लाले हैं. सेठ दुलीचंद ने उन्हें समझाया, खाने की चिंता अब तुम मत करो. मैं तुम सबको मोटे पैकेज पर अपने इलेक्ट्रिक डिपार्टमेंट (ईडी) का डायरेक्टर नियुक्त करता हूँ. शेरों को रखने के लिए पिंजरे और बकरे मंगवा दिए हैं, आज से ही काम पर लग जाओ. यह सुनते ही दुलीचंद के सारे नये ईडी डायरेक्टर जंगल की ओर दौड़ गये. शेरों को पकड़ने के लिए चप्पे-चप्पे पर फैल गये.

मनीष के कैनवॉस पर ग्रामीण जीवन का जीवंत चित्रण

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

व्यक्तिगत विचारों में कला एक गम्भीर विषय है, जो व्यक्ति की अन्तर्निहित अभिव्यक्तियों से जुड़ा है. पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से किए हुए सृजन में स्वतः ही भाव प्रस्फुटित होता है. दर्शक इन्हीं भावों को अपने अन्दर के भावों से जोड़ता है और आनंदित होता है और उससे सौन्दर्य का अहसास होता है. सौन्दर्य, जो कला की आत्मा है, उसको एक कलाकार ही मनन, चिन्तन तथा प्रयोगों से जिन्दा रख सकता है और समाज को दिशा दे सकता है. कला इतिहास के साक्ष्यों के अनुसार हमेशा कलाकार चले आ रहे वादों के प्रतिकूल अपनी-अपनी अभिव्यक्तियों का मूर्तरूप प्रदान किये हैं, तब एक नई कला का जन्म होता है. आज झारखंड के कुछ चित्रकारों ने नई पृष्ठभूमि तैयार करने और कला में स्पंदन लाने हेतु अपनी कल्पनाओं को रंगों-रेखाओं के माध्यम से मूर्तरूप दे रहे हैं. इनमें से एक हैं मनीष कुमार महतो.

श्रीनाथ यूनिवर्सिटी से बीएफए कर रहे मनीष कुमार महतो के सधे हाथ कैनवस के फलक पर जो भी चित्र उकेरते हैं, वे वास्तव में वर्षों की कठिन साधना का प्रतिफल है. इनके एक्रेलिक कलर में अपनी एक अलग शैली की झलक मिलती है. चित्रों में रंग संयोजन, रेखाओं के उभार और भावों का अद्भुत मिश्रण दिखता है. बाल्यकाल से ही मनीष महतो का कला के प्रति लगाव रहा. जब ये चौथी कक्षा के छात्र थे, अपने विद्यालय से सरस्वती पूजा के लिये मूर्ति खरीदने गांव के एक मूर्तिकार के पास ये गये थे. मूर्ति बनाते देख उस मूर्तिकार से ये काफी प्रभावित हुए और स्कूल से घर लौटते समय हर दिन यहां जाने लगा. इनके अंदर भी मूर्ति बनाने की उत्सुकता जगी, फिर तालाब के मेड पर जाकर अपना अभ्यास करने लगे. बाद के दिनों में इसे कागज पर उतारने का इनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ा.

2017 से इन्होंने आर्ट स्कूल से प्रशिक्षण लेने लगा. इनके अंदर की सुषुप्त कला धीरे-धीरे पल्लवित और विकसित होने लगी. शुरू से ही अपने गहन विचारों को उन्मुक्त भाव से अपनी सुंदर कलाकृतियों के रूप में अभिव्यक्त करते आ रहे हैं. इस वर्ष फादर्स डे के अवसर पर आर्ट एण्ड क्राफ्ट कंपनी दुबई द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था, जिसमें मनीष की पेंटिंग को बेस्ट पेंटिंग अवार्ड प्राप्त हुआ था. इस प्रतियोगिता में ग्यारह देशों के कलाकारों ने भाग लिया था.

मनीष कुमार महतो के चित्रों में मानव जीवन के विभिन्न पक्षों से संवाद स्थापित करने का प्रयास होता है. ये अपनी एक विशेष शैली को प्रतिष्ठित और प्रस्तुत करने का प्रयास किया है. इनकी कलाकृतियों में ग्रामीण परिवेश की झलक स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है. ये अपनी कलाकृतियों में जहां जीवन के अंधेरे पलों की गाथा कहते नजर आते है, वहीं ग्रामीण जीवन के भाग दौड़ तनाव, अवसाद, व्यस्तता को कैनवास पर उतार कर एक नया संसार रचने का प्रयास करते रहते हैं, जिसमें कोई भी कला प्रेमी एक बार डूबता है तो चाहकर भी उस संसार से बाहर निकल कर यथार्थ की दुनिया में वापस लौटना ही नहीं चाहता. सच कहा जाय तो मनीष की कलाकृतियां अपने आपमें पूरी दास्तां बयां करती है और इनकी कलाकृतियों में संवेदनशीलता की आंतरिक दृष्टि स्पष्ट झलकती है.

आखर

अब नहीं टूटेगा पुल

कहानी

राकेश कुमार सिंह

जब धरती सोलह सिंगार करती है और जवान होते हैं खेत तो रसोई घर में झूमर नाचने लगती हैं बटलोहियां. स्टेशन से बाहर निकलते ही लहलहा उठा मन, जैसे क्वार के धनखेत.कचराए कतिका धान के सिहरते हरे संगीत की लय पर झूम रही थीं धान की स्वस्थ बालियां.

स्टेशन से दस फलांग पश्चिम इंदर का दस कट्ठे का रकबा है. मां-बाबूजी के देहांत के बाद रांची में बैंक की नौकरी करते हुए खेती-बारी करना संभव नहीं था. बटाई पर देने हेतु इंदर को हर साल यहां आना पड़ता था. वे सवेरे वाली गाड़ी से गांव आते. बंटाईदारों से अनाज तुलवाते. स्थानीय बनिए बिहारी साहू के हाथ अनाज बेच कर पए खड़े करते और शाम की गाड़ी से वापस..! इंदर को अब तो याद भी नहीं कि गांव की भोर या डूबते सूरज की ललछौंह आभा पिछली बार कब देखी थी. इस बार तो पांच साल बाद आना संभव हुआ था.

गांव से दूर, गोतिया-समाज की आंखों से परे ये खेत इंदर के लिए समस्या बने हुए थे. बटाईदार उपज का मोटा हिस्सा हड़प कर बहाने गढ़ लेते थे. बारिश की कमी, फसली कीड़े, नीलगायों का उत्पात या फसलचोरों का बहाना..! धोखेबाजी से आजिज इंदर ने खेत बटाई पर देना ही बंद कर दिया था. भले परती पड़े रहें खेत, कम से कम अपने छले जाने की ग्लानि और आत्महीनता से तो बचे रहेंगे.

इंदर को इस झंझट से उबारने हेतु बिहारी साहू इंदर की पूरी जमीन खरीद लेने को तैयार था परन्तु पिता की नसीहत इंदर को जमीन बेचने से रोक लेती थी..“मर्द की मर्दानगी माटी से सोना काढ़ने में है न कि माटी बेचने में.”

ऐसे में इंदर की समस्या का हल बन कर आए थे नाहर सिंह. जवानी में इलाके के नामी लठैत रहे नाहर सिंह ने निर्द्वन्द जीवन जिया था. बिगड़े नाहर सिंह से बेटी कौन ब्याहता ? छठे-छमाहे देहात में फेरियां लगाने वाली बिसातिनों, चूडीहारिनों और नट्टिनों में घरनी का सुख ढूंढते नाहर सिंह आजीवन कुंवारे रह गए थे.

जब तक हरे रहे नाहर सिंह, पुरखों की अर्जित चल - अचल संपत्ति खाते-उड़ाते पहलवानी करते रहे. जब नसें ढीली पड़ने लगीं तब लगा, जीवन जो उन्होंने जिया, बेकार जिया. देह गिरते ही चार दानों के लाले पड़ जाएंगे. मरने पर न अर्थी के लिए चार कंधे जुटेंगे, न हाड़ मे हरदी लगेगी, न मुंह में आग..!

जीवन की सांझ में किसी ठौर -ठहराव की खोज करते नाहर सिंह ने इंदर के सामने प्रस्ताव रखा था. “लालगढ़ की जमीन हमें बटाई पर दे दो. हमसे कोई दिक्कत कभी नहीं होगी तुम्हें. गंगा में खड़ा कर कसम उठवा लो.”

नाहर सिंह की बूढ़ी हड्डियों में अब भी इतना दम था कि वे खेती कर सकते थे और फसल की सुरक्षा भी. इंदर ने नाहर सिंह का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था. नाहर सिंह इंदर की जमीन पर सब्जियों की खेती करने लगे थे. सब्जियों की कच्ची फसल की रोज-रोज बटाई तो संभव थी नहीं. सोचा,सालाना हिसाब होता रहेगा. इस बीच इंदर का तबादला पटना हो गया. पांच सालों के पटना प्रवास में न तो नाहर सिंह कभी पटना आए, न ही कोई खबर दी और न ही कोई रुपया-पैसा भेजा.

बिहारी साहू इस बार पटना आया और खेतों के लिए उम्मीद से अधिक कीमत का प्रस्ताव दिया तो इंदर गंभीर हो उठे. बेटी की शादी तय कर चुके थे. लिहाजा रुपए तो चाहिए ही थे. उम्र में बड़े पर रिश्ते में छोटे नाहर सिंह से पांच सालों की बटाई का हिसाब मांगने से अधिक सुविधाजनक लगा था कि जमीन बेच ही दी जाए. बैंक की नौकरी और बढ़ती उम्र की मुश्किलें अब यात्राओं की इजाजत भी कहां देती हैं. परंतु एक अंतिम बार तो जमीन पर आना ही था. जमीन की रजिस्ट्री करनी थी. जमीन का कब्जा नाहर सिंह से लेकर बिहारी को दिलवाना था.

नाहर सिंह ने जमीन को मेंहदी-बनजलेबी की झाड़ियों से घेर कर बढ़िया फार्म हाउस बना डाला था. खपरैल वाली मिट्टी की कोठरी भी खड़ी कर ली थी. बटाई की पराई जमीन पर स्थायी निर्माण..! अच्छा किया जो जमीन बेचने का निर्णय कर लिया था वर्ना तो जमीन पर कब्जा ही कर चुके थे नाहर सिंह.

हहराते पंपिंग सेट से उफनते पानी को गोभी, करेले, टमाटर, शिमला मिर्च की क्यारियों तक पहुंचने में तन्मय नाहर सिंह को इंदर की औचक उपस्थिति ने चौंका दिया.

“कैसे हो नाहर?”

“इं...न..दर ! सांझ के बखत?तुम तो सवेरे वाली गाड़ी से आते हो.” नाहर सिंह अकबका गए.

“फसल तो खूब लगी है।”

“फसल नहीं इंदर, जीने का बहाना है. पौधे रोपो, सींचो फिर उन्हें फूलता-फलता देखो... बड़ा सुख मिलता है. समय कैसे बीत जाता है, पता ही नहीं चलता.”

नाहर सिंह ने बाहर ही खाट बिछा कर चटपट चाय बना डाली.

डूबते सूरज की तांबई धूप हल्दी के महीन बुरादे-सी चहूं ओर छितरा रही थी. धूप से नहाते, चाय पीते इंदर सोचते रहे. जमीन को लेकर नाहर सिंह कितने भावुक हो रहे थे तो जमीन बिक्री की बात नाहर को कैसे बताएं? कब बताएं? अभी या सुबह?

“मैं तो मर ही जाता इंदर पर मुझे जिलाए रखा तुमने. मुझ बेठौर को ठौर दिया इस माटी ने. अपने बाल-बच्चे तो थे नहीं, पौधों को जवान होते देखा तो समझ में आया कि मैंने क्या कुछ खो दिया है. इस जमीन से जुड़ कर जाना इंदर कि परिवार क्या होता है.”

“अकल भी आई तो कब ?जब जमीन मालिक से बटाईदार बन गए. “इंदर ने हंसते हुए कहा.

“बटाईदार कैसा? कभी उपज का हिसाब भी मांगा तुमने ? मुझे तो जमीन का मालिक ही बना दिया तुमने. इतना भरोसा तो सगे भाई भी नहीं करते इंदर.”

“क्योंकि हम सगे भाई जो नहीं हैं. “”इंदर ने चाय खत्म की.

“न सही पर मैं तो अब इसी भरम में जीने लगा हूं इंदर कि तुम मेरे अपने हो. तुम्हारा परिवार, तुम्हारे बच्चे, यह जमीन...सब अपनी... बिटिया का ब्याह देखने की साध जाग उठी है अब तो. लड़का देख लो तो बताना मुझे. मैंने भी कुछ रुपए डाकखाने में जोड़ रखे हैं.”

शाम के भोजन हेतु क्यारियों से सब्जियां चुनते नाहर सिंह. पूछ बैठे इंदर,

“डाकखाने के रुपयों में मेरा हिस्सा कितना बनता है नाहर?”

“यह तेरा-मेरा क्या है?”इंदर को कुछ पल एकटक ताकने के बाद बोले नाहर “मैं नदी की कछार पर खड़ा सूखा पेड़... रुपए साथ लेकर चिता पर चढूंगा क्या? जो भी है,सब तुम्हारा ही तो...”

“फिर भी. कितने रुपए जमा होंगे?”

“होंगे कोई पचास-साठ हजार के लगभग.”

इंदर अवाक्...! वह तो मात्र पचास हजार रूपयों में सारी जमीन बिहारी साहू के हाथों बेचने का सौदा तय कर चुके थे. दस हजार अग्रिम ले भी चुके थे.

नाहर सिंह रोटी की तैयारी में जुट गए थे और इंदर खुले आकाश तले खाट पर चित लेटे सुरमई सांझ के आकाश में उड़ते बगुलों की पांत निहारते रहे. खेतों पर टिंहकती रही थीं टिटहरियां.

इतनी खुली खुली सीमाएं, इतनी साफ हवा, और इतना फैला नीला आकाश निहरे जमाना गुजर गया था. बेशुमार भीड़, मुखौटे लगाए लोग, अवसरवाद, धोखाधड़ी और भागमभाग के शहरी जीवन से दूर यहां कितनी शांति और कितना चैन..! मां -बाबूजी के बाद तो गांव जैसे पराया ही हो गया था. बस जमीन का यह टुकड़ा मानो कोई पुल था जो इंदर को अपने गांव से जोड़े हुए था. काश... बिहारी से सौदा पक्का करने से पहले वह एक बार नाहर सिंह से बात कर लेते जिसके पास आज पचास हजार रुपए हैं.

खेतों पर सोने का बुरादा छींटता सूरज पहाड़ों में जा छुपा और ठंड से पहाड़ियों की किनारियां नीली पड़ने लगीं तो नाहर ने इंदर की खाट कोठरी में खींच दी. खाट पर कंबल ओढ़े बैठे इंदर नाहर सिंह को भोजन बनाते देखते रहे. भोजन तैयार करने के बाद नाहर सिंह कोठरी में बिखरे अपने कपड़े-सामान अपने टीन के बक्से में करीने से सहेजने लगे तो चौंके इंदर. पूछा,

“अब अभी यह क्या करने लगे नाहर?”

“सामान समेट लेता हूं. सुबह सुविधा रहेगी.”

“क्यों भाई?”

“तुम्हें पता नहीं क्यों?” नाहर बोले “अपने घर की बात बाहर वालों से सुननी पड़ती है तो बड़ी तकलीफ़ होती है इंदर.”

“कौन सी बात?”

“पुरखों की थाती बाजार चढ़ाने की बात. रुपयों की जरूरत आ पड़ी थी तो जमीन के मालिक हो तुम, रुपए मुझसे वसूल करते पर बिहारी ने हंस हंस कर दो दिन में जमीन खाली कर देने का तकाजा किया तो मेरा तो कलेजा कट गया इंदर. बताओ इंदर,क्या मैं बिहारी साहू से अधिक पराया हूं ?”

हक्के-बक्के इंदर!

जिस वार्तालाप को वे घंटों से स्थगित करते रहे थे, स्वयं नाहर सिंह ने छेड़ कर मानो उन्हें निहत्था कर दिया था. अपराधबोध से भर उठे इंदर. पूछा, “नाहर,माना कि भूल तो हो गई मुझसे पर क्या तुम्हें विश्वास है कि यह जमीन बिक ही जायगी?”

“क्यों ?रजिस्ट्री करने ही तो आए हो.” नाहर सिंह की उलाहना देती कातर आंखें.

“तुम मुझे रोकोगे नहीं?”

“यह हक शायद मैं खो चुका हूं या बस खोने ही वाला हूं.”नाहर सिंह की आवाज भींग उठी.

खाट से उठे इंदर. नाहर सिंह के कंधे थाम कर बोले, “आज जाना नाहर कि यह जमीन मिट्टी का रकबा भर नहीं है. यह एक रिश्ता है मेरे तुम्हारे बीच. मिट्टी का रिश्ता. मेरे लिए यह जमीन गांव और शहर के बीच एक पुल है नाहर. मैं यह पुल तोड़ नहीं सकूंगा. यदि तुम्हें एक घर-ठिकाने की जरूरत है तो मुझे भी परिवार में एक बुजुर्ग की जरूरत है भाई.”

“तो क्या करार से फिर जाओगे. सौदे से मुकर जाओगे?”

“कोई करार या सौदा इस पुल से ज्यादा मजबूत और कीमती नहीं है नाहर. फिर पराई चीज का सौदा करने का हक मुझे है ही कहां?जमीन तो उसकी होती है जो जमीन को जिलाए रखता है. इस जमीन पर यदि कभी मेरा हक था भी तो नाहर, यह अधिकार भी आज मैं तुम्हें सौंपता हूं..”

“तुम बौरा तो नहीं गए इंदर?” नाहर सिंह इंदर की आंखों में झांकते रहे जहां स्नेह, विश्वास और समर्पण के सिवा और कुछ नहीं था.

“मुझे दस हजार रुपए उधार दोगे नाहर?”

“उधार..? सारा रुपया तुम्हारा ही तो है पर इतने रुपयों का अभी तुम करोगे क्या?”

“अभी नहीं. सुबह. बिहारी को लौटाने हैं या ऐसा करो, कल तुम्हीं उसे रुपए फेर आना. कहना,यह जमीन नाहर सिंह की है फिर इंदर इसे बेचने वाला होता कौन है?”

“तुम्हारा दिमाग तो ठीक है न ?”

“एकदम ठीक है. कल तुम मेरे साथ डाल्टनगंज चल रहे हो. यह जमीन अब बिहारी के हाथ नहीं बिकेगी. मैं कल ही यह जमीन तुम्हारे नाम लिख देना चाहता हूं...कल ही. आदमी की नीयत और दिमाग का क्या भरोसा नाहर ?”

नाहर सिंह की आंखें डबडबा आईं. जीभ तालू से जा सटी. अब क्या कहें कुछ समझ न आया तो कोठरी से बाहर निकल पड़े नाहर सिंह.

बाहर पूरनमासी का चंद्रमा खेतों पर चांदनी के अक्षत बिखेर रहा था. चांदी चांदी नहाते खेत खिलखिला रहे थे. चांदनी में भीगी नहाती टिटहरी आकाश में टिंहक रही थी. कोठरी की चौखट पर खड़े मौन इंदर बाहर ताकते रहे. माटी के उस पुल पर खड़े नाहर सिंह हिलक हिलक कर बच्चों की भांति रो रहे थे.

व्यंग्य >> बर्बरीक

मत बोल कि लब गुलाम हैं तेरे

वैसे तो कवि उदय प्रकाश कहते हैं कि - आदमी मरने के बाद कुछ नहीं सोचता/आदमी मरने के बाद कुछ नहीं बोलता/कुछ नहीं सोचने और कुछ नहीं बोलने पर /आदमी मर जाता है...

लेकिन मुश्किल यह है कि बोलता हुआ आदमी किसी को अच्छा नहीं लगता है. घर में आई नई बहू अगर बोले तो सास को अच्छा नहीं लगता, बहू को बोलने वाली सास अच्छी नहीं लगती. लेकिन सिर्फ बोलना समस्या नहीं है शायद. बोल तो बहुत लोग रहे हैं. दुनिया जहान के बाबा लोग बोल रहे हैं, टीवी चैनलों के एंकर दिन रात बोल रहे हैं, सरकारें हर वक्त बोल रही हैं, -इन सब बोल वचन से कोई समस्या नहीं हो रही है. यही बोलना जब सवाल उठाने के रूप में सामने आता है तब परेशानी शुरू होती है. सवाल उठाने पर कान बाल सब खड़े हो जाते हैं. वो चुटकुला आपने भी सुना ही होगा-एक तानाशाह महोदय बाल कटवा रहे थे. नाई बीच बीच में जनता के सवाल, बगावत आदि का ज़िक्र करता था. तानाशाह महोदय बिगड़ कर बोले -क्यों तू बार बार यह बातें करता है नामुराद? हुज़ूर! यह सब कहने से आपके बाल खड़े हो जाते हैं और काटने में आसानी होती है. यहां तक कि जिनको बोलना बहुत पसंद है वो भी सवालों से कतराते हैं. दरअसल एकतरफा बोलना हो तो इससे सुविधाजनक कुछ भी नहीं. लेकिन सवाल लेना हो, संवाद करना हो तो सटकदम! अब लोकतंत्र की दिक्कत है कि संवाद करना पड़ता है, सवालों के जवाब देने पड़ते हैं. दो दो टके के टुच्चे पत्रकार सवाल उठाने चले आते हैं. हड़काने की कोशिश तो होती है. सीबीआई, ईडी ये लोग तो तैयार रहते ही हैं- खाली इशारा भर करने की देर है. बहुतों को सड़ा भी दिया है. लेकिन रक्तबीज है सब. फिर खड़ा हो जाता है. मुश्किल यह भी है कि पूरी तरह कुचल नहीं सकते. अभिव्यक्ति की आज़ादी, प्रेस की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन आदि का हल्ला मचाने दुनिया के देश चले आते हैं. लोकतंत्र का भौकाल तो बनाये रखना है न. नहीं तो विश्व गुरु का चांस ही खतम हो जायेगा. अब आदमी मनमर्जी का काम करे कि सवालों का जवाब देता चले. यह ऐसे क्यों किया, वैसे क्यों नहीं किया वगैरह. क्या फायदा राजा बनने का? अठारह अठारह घंटे मेहनत करने का. चुप कराने के दो ही रास्ते होते हैं-एक तो रोटी डाल दो, अधिकतर इससे भौंकना बंद कर देते हैं. लेकिन तब भी कुछ चिल्लाते हैं तो ईडी का डंडा मारना पड़ता है. ज़बांदराज़ी का इलाज तो ज़बांतराशी ही है, ऐसा सब हुक्मरान सोचते हैं. मत बोल कि लब गुलाम है तेरे- दिक्कत है कि जनता उलट सोचती है बल्कि फैज़ की तरह कहती है कि बोल के लब आज़ाद हैं तेरे...

प्रतीक्षा में है समय, कब खुल कर हंसोगी तुम

समीक्षा

मुकेश प्रत्युश

झरने, बिखरने से पहले/ जी भर जी लेना चाहती रही घर-परिवार को अपना जीवन और लक्ष्य समझने वाली है एक आम स्त्री की यह अदम्य इच्छा अक्सर तृप्त रह जाती है. अनिता रश्मि ने अपने नए काव्य-संग्रह 'अब ख्वाब नए हैं' में हर दिन बदलती दुनिया में एक आम स्त्री के सुख-दुख को पूरी शिद्दत से उभारने की कोशिश की है क्योंकि एक स्त्री होने के नाते उन अनुभवों से वे खुद को बड़ी सहजता से जोड़ लेती हैं और यह कहते हुए एक रागात्मक संबंध बना लेती हैं - प्रतीक्षा में है समय/ कब खुल कर हंसोगी तुम/ सारी कायनात को/ अपनी मुट्ठी में/कस कर बांधे हुए निर्द्वंद, भयमुक्त.

मां बनना एक स्त्री के जीवन का सबसे गौरवशाली क्षण होता है. बच्चे के साथ वह केवल अपना ममत्व नहीं, अपना भविष्य जोड़ देती है. अपने बच्चे के साथ जुड़ी हर घटना को संजोना चाहती है. अनिता रश्मि के शब्दों में कहें तो - अंचरा में बांधकर रख लेती है मां/ बच्चे की हंसी-खुशी/ स्नेह प्यार-दुलार, गम-खार/ डगमगाती चाल/ रतजगे की सौगात.

तालाब या पोखर एक दायरे में बंधे होते हैं और अपने बच्चे के सुखद और सुरक्षित भविष्य के लिए मां किसी बंधन को स्वीकार करने को तैयार नहीं होती. वह समुद्र की तरह विशाल और नदी की तरह सतत प्रवाहमान मीठे जल का स्रोत होना चाहती है. अपने बच्चे के लिए - वह वृक्ष नहीं, जड़ है/ पहाड़ नहीं, मिट्टी है..वह जानती है कि जड़ जितनी मजबूत होगी, वृक्ष उतना ही विशाल होगा और मिट्टी जितनी मुलायम होगी, प्रतिमा उतनी ही खूबसूरत बनेगी. अपने बच्चे की खातिर वह अपना अस्तित्व मिटा देने को सदैव तत्पर रहती है. इसी क्रम में बच्चे कब बड़े हो जाते हैं इसका पता उसे तब चलता है जब - उड़ जाते हैं बच्चे/ कभी नहीं लौटने के लिए अनिता रश्मि की कविताओं में परिदृश्य से ओझल जीवन, रीति-रिवाज, चीजें बार-बार आती हैं क्योंकि वे अपने आसपास को देखना और उसे उसकी तमाम विसंगतियों के साथ दिखाना चाहती हैं। क्योंकि वे मानती हैं कि - जहां कोई रास्ता उगता नहीं/ वहां उग आती है/ लचीली-लचीली/ टेढ़ी-मेढ़ी पगडंडी/चौड़ी-चिकनी सड़क के/घमंड को तोड़ती हुई जीवन के खुरदुरे सच की अक्सर देखकर भी अनदेखा करने की कोशिश की जाती है. साइकिल पर कोयला ढोने वाले मजदूर ऐसे ही सच में शुमार हैं. उनपर अनिता रश्मि की कलम प्रकाश डालती हैं- कतारबद्ध चीटियों की भांति / सरकता जत्था आगे बढ़ता जाता है/चीटियों के श्रम को/मात करता हुआ है ये पंक्तियां श्रम का शोकगीत नहीं बल्कि उसके प्रति रागात्मकता का परिचायक है.

पुस्तक : अब ख्वाब नए हैं
(काव्य संग्रह)
कवयित्री : अनिता रश्मि
प्रकाशक : रवीना प्रकाशन, दिल्ली
पेपरबैक मूल्य - 370 रुपए
पृष्ठ - 154

इस भेद-भाव पूर्ण समाज के प्रति अनिता के मन में गहरा क्षोभ है. वे कहती हैं- न हो कोई धर्म / न संप्रदाय/ न जात-पात / और न कोई वर्ण-व्यवस्था/सब हों / बस हों/ एक जनक-जननी की / निश्छल, मासूम, प्यारी संतानें.

वनवासियों के सबसे बड़े त्यौहार सरहुल की चर्चा करते हुए वे लिखती हैं- सूरज बाबा और धरा के ब्याह का/ यह परब कितना अजूबा है / सरहुल ने रंग डाले / सारे वनवासियों के मन अनिता की कविताओं में भावनाओं की एक ऐसी दुनिया है जिसका कोई आकार नहीं है और जिसकी तलाश वो खामोशी से किसी बच्चे की हंसी में करती दिखाई देती हैं- उसकी दुधिया हंसी और फेनिल बातों में/ छिपी है बसंत की मीठी गुनगुनाहट/ और, इस तरह/ कभी चुपके से/ कभी खुलकर/ उसके आंगन में/ उतर आता है अनगिन बसंत अनिता रश्मि अपनी कविताओं में ठूंठ को जिलाने की कोशिश करती दिखाई देती हैं क्योंकि वे मानती हैं- सपनों की दुनिया में खोए रहना/आज किसी को शोभा नहीं देता.

कविता/गज़ल

विनोद राज विद्रोही

छापामार कविताएं

मेरे मन के किसी कोने में
छुपकर बैठी हैं
छापामार कविताएं
तुम डाल आओ उन्हें
सलाखों के पीछे
या अंडमान के किसी
अंधेरी कालकोठरी में,
नहीं तो
हुजूम के साथ
निकलेंगी मेरी कविताएं
चिपेंगी तुम्हारी नरेटी,
घरघराहट के साथ
उबलने लगेंगी तुम्हारी आंखें,
हद से गुजरकर
लांघ जाएंगी मेरी कविताएं
संसद की दीवारों को
और तुम्हारे कानों में घुसकर
करेंगी एक विस्फोट.
बन जाएंगी कविताएं क्रांतिकारी
बहुत भारी पड़ेगा तुम्हें
शब्दों का विस्फोट.

अनामिका प्रिया

बस इसी तरह

बस इसी तरह
कैलेंडर में उड़ती रहे
कोई चिड़िया
शीशों से छन छन कर धूप
सहलाती रहे माथा,
सिहरती हुई हवा में
बहते रहें गीत,
चिड़ियों की चुनचुन टुनटुन
वृक्ष पंक्तियों से
फिसल कर आती रहे पास,
बस इसी तरह
मन बुनता रहे अपने भीतर
ढेर सारी अजानी बोलियां,
बस इसी तरह
किवाड़ पर टंगा स्वेटर सूखता रहे,
उतरता रहे
एक कुनकुना एहसास
मेरे भीतर
बस इसी तरह थमा रहे समय
और मैं रच सकूं
एक गुलजार दुनिया
अपने एकांत की.

अनिल किशोर सहाय

तिरस्कार का सुख

कहां से हो सकते तिरस्कृत
प्रेम से, वैभव से, निजता से
धर्म से, समाज से, मित्रता से.
प्रेम में तिरस्कार से
तुलसी और कालीदास ने
रची अमूल्य कृतियां
सौन्दर्य और वैभव का तिरस्कार कर
बन पाये उद्धारक-बुद्ध और
महावीर कर गये संसार का उत्थान.
समाज के पाखंड का तिरस्कार कर- भीमराव
और धर्म के पाखंड को तिरस्कृत कर-कबीर.
निजता का तिरस्कार असंभव नहीं परिवार में
और मित्रता का अविश्वसनीय व्यवहार में.
तिरस्कृत जीवन से उपजते हैं
त्याग, कठोरता, निस्पृहता और विचार
इसलिए तिरस्कार भी
जीवन का बहुमूल्य उपहार.

रेणु त्रिवेदी मिश्रा

गजल

बड़ा खामोश मंज़र है
के इक तस्वीर अंदर है.
हुनर जो थोड़ा सा आया
हुए दरिया, समंदर है.
गले मिलता वो हंस-हंसकर
लिए हाथों में खंज़र है.
मेरे दिल में है इक बच्चा
यही इक बात बेहतर है.
भरी है आंख रेणु की
न जाने उसको क्या डर है.

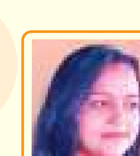

अंशिता सिन्हा

खंडहर का दर्द

दूर एकांत निर्जन में
जहां शाम ही नहीं बल्कि
दिन के उजालों में भी
पसरा होता है मरघट सा सन्नाटा
बस झींगुरों का है बसेरा और,
कभी कभी कोई चमगादड़ कराता है
अपने अस्तित्व का अहसास.
वहां उस खंडहर में जहां दिन के उजाले भी
लोग जाने से घबराते हैं
जाने कितने किस्से बनाते हैं
वो खंडहर जो वीरान पड़ा है
जाने कितनी सदियों से.
दीवारें रोती है, छतें सिसकती हैं
आंगन का दामन भींग चुका है
उनके आंसुओं से,
बस याद करती है अपने उस अतीत को
जो कभी हुआ करती थी
एक विराट भव्य रिहायश
जिसके आसपास रहती थी
चहल-पहल, लोगों का मेला.
पर आज उपेक्षित पड़ा है
लोग कतराते हैं गुजरने से भी
सोचती हूं कभी
इसका अतीत कितना सुंदर होगा
लेकिन वर्तमान कितना बेबस.
सचमुच वो जीर्ण-शीर्ण इमारत
रोए नहीं तो क्या करे
एक अंतहीन से दर्द दिल में दबाये
एक इतिहास अपने अंदर समाये
बस मूक हो देखने को मजबूर है
कण-कण हो धूल में मिलता हुआ
दिन ब दिन अपने अस्तित्व को.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

कबड्डी: भारतीय महिला टीम का स्वर्ण पर कब्जा

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने रोमांचक मुकाबले में चीनी ताइपै को 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया. एशियाई खेलों में 2010 में कबड्डी को शामिल किये जाने के बाद महिला कबड्डी का यह तीसरा स्वर्ण पदक था. भारत ने 2010 और 2014 में स्वर्ण जीता था लेकिन 2018 फाइनल में ईरान से हार गई. इस बार भारत का सामना कबड्डी में उदीयमान टीम चीनी ताइपै से था जिसने उसे कड़ी चुनौती दी. दोनों टीमें ग्रुप चरण में 34-34 से बराबरी पर थी और दोनों को पता था कि फाइनल आसान नहीं होगा. भारत ने हाफटाइम तक 14- 9 से बढत बना ली थी. पूजा ने कई अंक बनाये.

- भारत ने चीनी ताइपै को 26-25 से हराया

कबड्डी: विवादित फाइनल में पुरुष टीम जीती

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शनिवार को यहां एक विवादास्पद फाइनल में अंपायर, खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के बीच लगभग एक घंटे की बहस के बाद गत चैंपियन ईरान को 33-29 से हराकर एशियाई खेलों का खिताब दोबारा हासिल किया. मैच के आखिरी मिनटों में अंकों को लेकर हुए विवाद के बाद इसे अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था. पुरुषों के फाइनल मुकाबले में जब एक मिनट और पांच सेकंड का खेल बचा था तब दोनों टीमों का स्कोर 28-28 से बराबर था. लेकिन आखिरी मिनट में विवाद तब खड़ा हो गया जब भारतीय कप्तान पवन सहरावत करो या मरो वाली रेड के लिए उतरे.खिलाड़ी को छुए बिना लॉबी में (सीमा से बाहर) चले गए.

- विवादित फाइनल में ईरान को हराया

तीरंदाजी : ज्योति, देवताले की स्वर्णिम हैट्रिक

भारत की अनुभवी कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस देवताले ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई और इसके साथ ही भारतीय तीरंदाजों ने इन एशियाई खेलों में रिकॉर्ड नौ पदक अपनी झोली में डाल लिये. कंपाउंड तीरंदाजों ने सभी पांच पदक जीतकर कोरिया का दबदबा तोड़ा. वहीं अभिषेक वर्मा को रजत और अदिति स्वामी को कांस्य पदक मिला. रिकर्व तीरंदाजों ने शुक्रवार को दो पदक जीते थे जो ओलंपिक खेल में 13 साल में पहली बार हुआ है.

अबकी बार 100 पार

एशियाड 2023 में भारत ने कुल 107 मेडल जीते

हांगझोउ। चीन के हांगझाऊ में चल रहे 19वें एशियाई खेल में भारत के एथलीटों ने अपने वादे को पूरा करते हुए पदकों के आंकड़े का शतक पूरा करने में कामयाबी हासिल की. भारत ने अब तक हुए एशियाई खेलों में इस बार सबसे ज्यादा एथलीट भेजे थे, जिनकी कुल संख्या 655 थी. भारत ने अपनी शुरुआत शानदार तरीके से करते हुए रोइंग के इवेंट से अपने मेडल का खाता खोला था. इसके बाद शूटिंग के विभिन्न इवेंट्स में भारत ने कई मेडल अपने नाम किया. वहीं देश ने अपने पदकों का शतक गोल्ड मेडल के साथ पूरा किया जो महिला कबड्डी के इवेंट में आया. भारत ने 19वें एशियाई खेलों में अब तक 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए हैं. भारत ने एथलेटिक्स, एथलेटिक्स आर्चरी और स्क्वैश के इवेंट्स में सर्वाधिक मेडल अपने नाम किए हैं. हॉकी के पुरुष इवेंट में भी भारत ने लंबे समय के बाद एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने में कामयाबी हासिल की. भारत ने इससे पहले साल 2018 में जकार्ता एशियन गेम्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, जब कुल 70 मेडल देश ने जीते थे. इसमें 16 गोल्ड, 23 सिल्वर और 31 ब्रॉन्ज मेडल शामिल थे.

क्रिकेट: भारत का स्वर्ण पर कब्जा

बारिश के कारण रद्द हुआ मैच

- उच्च वरीयता के कारण भारतीय टीम बनी चैंपियन

भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार को यहां एशियाई खेलों के क्रिकेट मैच का फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया जिससे रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम को उच्च वरीयता के कारण विजेता घोषित किया गया. पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगानिस्तान की टीम ने 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 112 रन बनाये थे. इसके बाद लगातार बारिश के कारण यहां के 'झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी' क्रिकेट मैदान में खेल नहीं हो सका. अफगानिस्तान की शुरुआत काफी खराब रही. टीम ने शुरुआती चार ओवर में 12 रन पर तीन विकेट गंवा दिये. शिवम दुबे (1-0-4-1) जुबैद अकबरी (पांच) को आउट किया जबकि अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजाद (चार) अर्शदीप सिंह (3-0-17-1) का शिकार बने.

बैडमिंटन

सात्विक-चिराग ने एतिहासिक स्वर्ण जीता

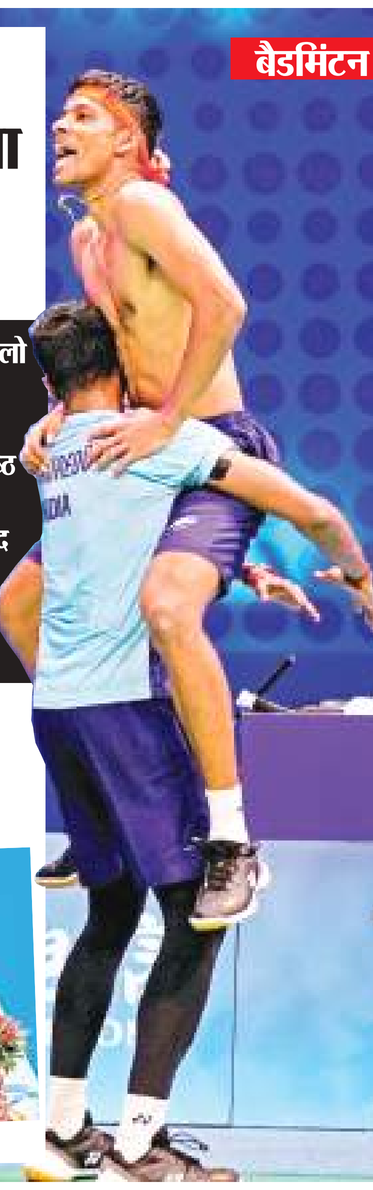

भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोइ सोलग्यु और किम वोन्हो को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराकर एशियाई खेलों की बैडमिंटन पुरूष युगल स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया. दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने कई बार वापसी करते हुए पहला गेम 29 मिनट में जीता. दूसरे गेम में उन्होंने 15वीं रैंकिंग वाली विरोधी टीम पर दबाव बनाते हुए 57 मिनट में जीत दर्ज की. इस साल मार्च में एशियाई चैंपियनशिप में 58 साल बाद भारत को पदक दिलाने वाले सात्विक और चिराग ने भारत को 41 साल बाद एशियाई खेलों में पदक दिलाया है. लेरॉय डिसूजा और प्रदीप गंधे ने 1982 में कांस्य पदक जीता था. एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की पहली भारतीय जोड़ी है. एशियाई खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा में भारत का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. भारत ने पुरूष युगल स्वर्ण, टीम रजत और पुरूष एकल कांस्य जीता. जकार्ता में भारत ने एक रजत और एक कांस्य जीता था.

- एशियाई खेलो में बैडमिंटन में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा
- 41 साल बाद सात्विक व चिराग ने पदक दिलाया

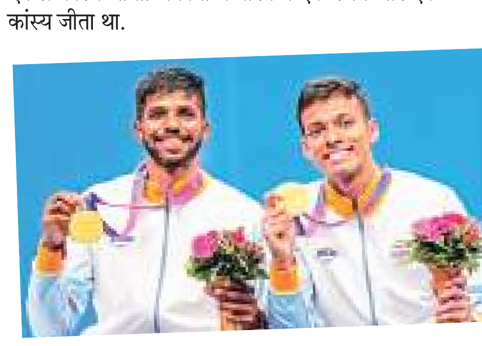

शतरंज: भारतीय महिला व पुरुष टीमों ने जीते रजत

भारत की पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने शनिवार को वहां एशियाई खेलों में रजत पदक जीते. भारतीय महिला टीम ने अपने अंतिम दौर के मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-0 से हराया. ग्रैंडमास्टर हरिका द्रोणावल्ली, अंतरराष्ट्रीय मास्टर वैशाली रमेशबाबू, अंतरराष्ट्रीय मास्टर वंतिका अग्रवाल और महिला ग्रैंडमास्टर सविता श्री बस्कर ने अपनी अपनी बाजियां आसानी से जीती.

- शनिवार को भारत ने 6 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य के साथ खत्म किया कैंपेन

क्लोजिंग सेरेमनी आज

दक्षिण अफ्रीका का रिकॉर्ड स्कोर

428 रन बनाए द.अफ्रीका ने पहली पारी में

49 गेंदों में मार्कराम ने विश्व कप का सबसे तेज शतक जड़ा

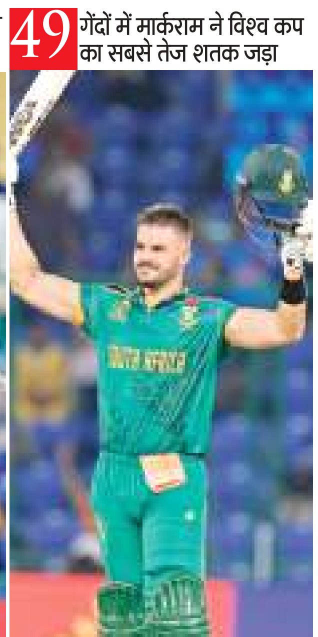

भाषा । नई दिल्ली

एडेन मार्कराम ने केवल 49 गेंदों पर विश्व कप क्रिकेट के इतिहास का सबसे तेज शतक बनाया, जबकि क्विंटन डिकॉक और रासी वान डेर डुसेन ने भी शतकीय पारियां खेली जिससे दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ शनिवार को यहां पांच विकेट पर 428 रन बनाए, जो टूर्नामेंट का नया रिकॉर्ड है।

दक्षिण अफ्रीका की तरफ से शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों डिकॉक (84 गेंदों पर 100), डुसेन (110 गेंदों पर 108) और मार्कराम (54 गेंदों पर 106) ने शतक जमाए। इससे दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में सर्वाधिक रन के ऑस्ट्रेलिया के रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल रहा जिसने 2015 में पर्थ में अफगानिस्तान के खिलाफ छह विकेट पर 417 रन बनाए थे. डिकॉक और डुसेन ने जहां दूसरे विकेट के लिए 204 रन जोड़कर मजबूत नीव रखी, वहीं मार्कराम ने 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से तूफानी पारी खेली. डिकॉक ने अपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाए, जबकि डुसेन की पारी में 13 चौके और दो छक्के शामिल हैं. दक्षिण अफ्रीका के इन तीनों बल्लेबाजों का विश्व कप में यह पहला शतक भी है. इन तीनों के अलावा हेनरिक क्लासेन ने 20 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन और डेविड मिलर ने 21 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन का योगदान दिया.

विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मुकाबला आज

आत्मविश्वास से भरपूर होगा भारत

भाषा । चेन्नई

एशियाई खेलों में सौ पदक जीतने के जश्न में डूबे भारतीय खेलप्रेमियों की नजरें अब अपने सबसे चहेते खेल क्रिकेट के महासमर पर टिकी होंगी जिसमें रोहित शर्मा की अगुवाई में आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी. पैट कमिंस की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराना आसान नहीं है. चेपॉक पर दोनों टीमों के बीच यादगार मुकाबले खेले गए हैं चाहे वह 1986 में टाई रहा टेस्ट हो या 2001 की टेस्ट श्रृंखला का निर्णायक मैच या रिलायंस कप का करीबी मुकाबला.

भारत की बल्लेबाजी जहां विश्व स्तरीय है तो ऑस्ट्रेलिया का तेज आक्रमण भी कुछ कम नहीं. चेन्नई की भीषण गर्मी उनके लिये हालांकि बड़ी चुनौती साबित होगी. भारत के पास ऐसा कप्तान है जो 19 नवंबर को कप थामकर भारतीय क्रिकेट के इतिहास का नया अध्याय लिखना चाहेगा. वहीं इस पीढी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज 35 वर्ष के विराट कोहली को सचिन तेंदुलकर से आगे निकलने के लिये तीन वनडे शतक और बनाने हैं. बारह साल पहल तेंदुलकर को कंधे पर उठाने वाले कोहली आज उसी मुकाम पर खड़े हैं. फर्क सिर्फ इतना है कि कोहली विश्व कप जीत चुके हैं. रोहित भी 2007 टी-20 विश्व कप और रविचंद्रन अश्विन 2011 विश्व कप जीत चुके हैं.

विश्व कप में आमने-सामने

टीम	मैच	जीत	हार
भारत	12	4	8
ऑस्ट्रेलिया	12	8	4

वनडे में आमने-सामने

टीम	मैच	जीत	हार	टाई
भारत	149	56	83	10
ऑस्ट्रेलिया	149	83	56	10

टीमें

- **भारत** : रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, शार्दुल ठाकुर.
- **ऑस्ट्रेलिया** : पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कारी, जोश इंगलिस, सीन एबोट, एश्टोन एगर, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा, मिचेल स्टार्क.

चेपॉक में भारतीय स्पिनरों से निपटना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी : कमिंस

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि रविवार को यहां होने वाले विश्व कप मैच में चेपॉक की धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाने वाली पिच पर भारतीय स्पिनरों से निपटना उनकी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी. भारत इस मैच में अपने तीनों स्पिनर कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के साथ उतर सकता है. कमिंस ने कहा कि उनके पास बहुत अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है विशेष कर घरेलू परिस्थितियों में उनके गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करते हैं. इसलिए हमारे लिए यह एक चुनौती होगी. हालांकि कमिंस को उम्मीद है कि भारत के स्पिनरों के खिलाफ खेलने का पिछला अनुभव उनके लिए फायदेमंद होगा.

हार्दिक के कारण हम तीन स्पिनरों को टीम में शामिल कर सकते हैं: रोहित

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप में जब टीम अपने पहले मैच के लिए मैदान में उतरेगी तो हरफनमौला हार्दिक पंड्या की तेज गेंदबाजी के कारण उनके पास एकादश में तीन स्पिनरों को शामिल करने का विकल्प होगा. भारत के पास बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव, ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और वामहस्त स्पिनर रविंद्र जड़ेजा का विकल्प हैं. रोहित ने संकेत दिया कि ये तीनों चेपॉक में अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं. चेन्नई के मैदान की पिच को स्पिनरों के लिए मददगार माना जाता है.

आओ जानें

एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन

साल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1951	15	16	20	51
1954	5	4	8	17
1958	5	4	4	13
1962	10	13	10	33
1966	7	3	11	21
1970	6	9	10	25
1974	4	12	12	28
1978	11	11	6	28
1982	13	19	25	57
1986	5	9	23	37
1990	1	8	14	23
1994	4	3	16	23
1998	7	11	17	35
2002	11	12	13	36
2006	10	17	26	53
2010	14	17	34	65
2014	11	10	36	57
2018	16	23	31	70

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 6 विकेट से पराजित किया

भाषा । धर्मशाला

मेहदी हसन मिराज के हरफनमौला खेल के बूते बांग्लादेश ने शनिवार को यहां कम स्कोर वाले मुकाबले में अफगानिस्तान पर छह विकेट की जीत के साथ एकदिवसीय विश्व कप के अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की. मिराज ने नौ ओवर में 25 रन तीन विकेट लेने के बाद बल्ले से 73 गेंद में 57 रन का योगदान दिया. बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 37.2 ओवर में 156 रन पर आउट करने के बाद 34.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया. मिराज को गेंदबाजी में कप्तान शाकिब उल हसन (30 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला जबकि बल्लेबाजी में उन्होंने नजमुल हुसैन शंटो (नाबाद 59) के साथ 97 रन की साझेदारी कर टीम की जीत की नींव रखी.

एक और जंग... इज़राइल-हमास आमने-सामने

शनिवार को गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी आतंकवादियों ने दक्षिणी इजराइल में घुसपैठ की और देश में हजारों रॉकेट दागे. वहीं, इज़राइल ने जवाब में गाजा को लक्ष्य बनाना शुरू कर दिया है. इजराइल के दक्षिण से उठते हुए धुएं के गुबार की तस्वीर. **फोटो : पीटीआई**

हमास ने इजरायल पर दागे 5 हजार से ज्यादा रॉकेट, 40 इजरायली नागरिकों की मौत, 545 घायल

नेतन्याहू ने किया ऐलान-ए-जंग

भाषा। तेल अवीव

मिडिल ईस्ट में इजराइल और फिलिस्तीन के बीच एक बार फिर स्थिति खराब हो गई है. गाजा पट्टी में हमास के चरमपंथियों ने शनिवार को तड़के सुबह हमला कर दिया. सबसे पहले उन्होंने इजराइल में हजारों की संख्या में रॉकेट दागे उसके बाद जमीन के रास्ते लगातार हमला करते हुए इजराइल में घुस चुके हैं. कुछ चरमपंथी पैराग्लाईडर्स का इस्तेमाल करके सीमा में दाखिल हो गए. कुछ चरमपंथी सड़क मार्ग के रास्ते से इजराइल में घुस गए और उन्होंने जिसको देखा उसी को गोली मार दी. अचानक बड़े पैमाने पर हुए इस हमले के बाद इजराइल में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुरंत आपातकालीन बैठक बुलाई है और देश में युद्ध का ऐलान कर दिया है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास ने इजराइल पर पांच हजार से भी अधिक रॉकेट दागे हैं. फिलिस्तीन चरमपंथियों ने गाजा पट्टी के रास्ते से इजराइल पर हमला कर दिया और उसकी सीमा में घुस आए.

इजराइल के लोगों को घर में रहने का आदेश : जानकारी के मुताबिक, रॉकेट हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि पीएम और रक्षा मंत्री तेल अवीव में उच्चस्तरीय मीटिंग कर रहे हैं. देश के सभी नागरिकों को अलर्ट कर दिया गया है. सभी को घर के अंदर रहने को ही कहा गया है. हमास के हमले के बाद मीडिया के सामने आए इजराइल के रक्षा मंत्री ने एक वीडियो जारी किया है. उन्होंने कहा कि हमास के आतंकियों ने आज सुबह एक गंभीर गलती की और इजराइल के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया. इजराइल सुरक्षा एजेंसियों के जवान हर स्थान पर दुश्मन से लड़ रहे हैं. मैं इजराइल के सभी नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने का आह्वान करता हूं. इजराइल इस युद्ध को जीत लेगा. वहीं, अमेरिका ने इस हमले के बाद कहा है कि वह स्थिति पर लगातार नजर बनाकर रख रहा है.

हमास के लड़ाकों ने इजराइली सेना की बख्तरबंद गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया.

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच क्यों है तनाव?

- प्रथम विश्व युद्ध के बाद मध्य पूर्व में ऑटोमन साम्राज्य के खत्म होने के बाद इस इलाके पर ब्रिटेन का कब्जा हुआ.
- यहां अधिकतर यहूदी और अरब समुदाय के लोग रहते थे. दोनों में तनाव बढ़ा जिसके बाद ब्रिटेन शासकों ने यहां यहूदियों के लिए फिलिस्तीन में 'अलग जमीन' बनाने की बात कही. यहूदी इस इलाके को अपने पूर्वजों की जमीन मानते हैं. इस पर अरब समुदाय भी अपना दावा करता है. नतीजा ये हुआ कि दोनों के बीच तनाव बढ़ने लगा.
- 1947 में संयुक्त राष्ट्र ने फिलिस्तीन को दो हिस्सों में बांटने के फैसले पर मुहर लगी, एक हिस्सा यहूदियों का और दूसरा अरब समुदायों का.
- अरब के विरोध के बीच 14 मई 1948 को यहूदी नेताओं ने इसराइल राष्ट्र के गठन का एलान किया और ब्रिटेन यहां से चले गए. इसके तुरंत बाद पहला इजराइल-अरब युद्ध हुआ, इस कारण यहां करीब साढ़े सात लाख फिलिस्तीनी बेघर हो गए.
- इस युद्ध के बाद ये पूरा क्षेत्र तीन हिस्सों में बंट गया- इजराइल, वेस्ट बैंक (जॉर्डन नदी का पश्चिमी किनारा) और गाजा पट्टी.
- फिलिस्तीनी आबादी गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में रहती है. करीब 25 मील लंबी और 6 मील चौड़ी गाजा पट्टी 22 लाख लोगों की रिहाइश की जगह है. आबादी के लिहाज से ये दुनिया की सबसे अधिक घनत्व वाला इलाका है.
- इजराइल और फिलिस्तीनियों के बीच संघर्ष अब तक हो रहा है. इजराइल का मकसद दुनिया के मंच पर यहूदी राष्ट्र के रूप में मान्यता पाने का है. वहीं फिलिस्तीन इसका विरोध करता रहा है.

अबतक क्या-क्या हुआ

- गाजा पट्टी से हुए हमले के बाद फिलिस्तीन इस्लामी चरमपंथी ग्रुप हमास के दर्जनों हथियारबंद लड़ाके दक्षिणी इजराइल में घुस गए हैं.
- गाजा पट्टी से इजराइल में हज़ारों रॉकेट दाए गए. इस हमले में कम से कम 22 इजराइली नागरिक मारे गए हैं.
- हमास के लीडर मोहम्मद दाइफ़ ने कहा है कि, हमने ये ऐलान करना तय किया है कि अब बहुत हो चुका.
- इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने कहा कि ग़ज़ा से कई आतंकवादी इजराइली क्षेत्र में घुस गए हैं.
- इजराइल के सुरक्षा प्रमुखों की बैठक में पीएम नेतन्याहू ने घुसपैठियों के सफाए के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा है कि यह एक जंग है और हम इस जंग में जीतेंगे.
- आईडीएफ़ ने हमास के ठिकानों पर जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं.
- इजराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि हमास ने बड़ी ग़लती कर दी है.
- इजराइली मीडिया के अनुसार, दक्षिणी इजराइल के कई जगहों पर इजराइली सुरक्षा बलों और फिलिस्तीनी लड़ाकों के बीच गोलीबारी हो रही है.
- एक अधिकारी ने कहा कि हमले में पांच सौ से ज्यादा लोगों के घायल होने की सूचना है, जिनमें कई की हालत गंभीर है.

भारत ने इजरायल में मौजूद भारतीय नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। इजरायल के हालात पर भारत सरकार लगातार नजर बनाए हुए है. भारत सरकार ने इजरायल में मौजूद भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है. उनसे हालात पर नजर रखने और सतर्क रहने को कहा गया है. लोकल अर्थॉरिटीज के सुझाव मानें, गैर-जरूरी काम से बाहर न निकलें और सेफ्टी शेल्टर्स के पास रहें. भारतीय नागरिकों से इजरायली होम फ्रंट कमांड की वेबसाइट देखने को कहा गया है. आपातकाल में तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क करने को कहा गया है. दूतावास का हेल्पलाइन नंबर 97235226748 और ईमेल आईडी consl.telaviv‹bha›@‹/bha›mea.gov.in है.

अमेरिका ने अपने नागरिकों को दी सचेत रहने की सलाह

इजराइल पर हमास के हमले के बाद अमेरिकी दूतावास की तरफ से कहा गया है कि हमें पता है कि इन घटनाओं की वजह से लोग हताहत हुए हैं. दूतावास की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी नागरिकों को अपनी सुरक्षा बढ़ाने और सुरक्षा के प्रति सचेत होने की सलाह दी जाती है. ऐसी सुरक्षा संबंधी घटनाएं, जिनमें मोर्टार और रॉकेट भी दागे जाते हैं, आमतौर पर बिना चेतावनी के होती हैं. इजराइल में अमेरिकी दूतावास की तरफ से कहा गया है कि उसके कर्मचारी फिलहाल दूतावास में सुरक्षित हैं.

इजराइल के साथ खड़ा है भारत : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल के प्रति संवेदना और अपना समर्थन जताया है. पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल साइट 'एक्स' पर पोस्ट किया कि इजराइल में आतंकवादी हमलों की खबर से बेहद स्तब्ध हूं, हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं. हम इस कठिन समय में इजराइल के साथ एकजुटता से खड़े हैं.

हमास ने 20 मिनट में दागे 5 हजार रॉकेट

जानकारी के अनुसार, तेल अवीव के आसपास के इलाकों और गाजा के आसपास के इलाकों में धमाकों की आवाजें सुनाई दी हैं. वहीं, इन हमलों में अब तक 22 इजराइली नागरिकों की मौत की खबर है. हमलों की जिम्मेदारी फिलिस्तीन से जुड़े विद्रोही समूह हमास ने ली है. हमास ने दावा किया है कि उसने 20 मिनट के भीतर इजराइल पर 5,000 रॉकेट दागे हैं.

मनरेगा के तहत काम की मांग दबा रही मोदी सरकार : कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

बोले जयराम

- मनरेगा बजट का 60000 करोड़ खत्म हो गया है
- बढ़ती असमानता को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है

कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मजदूरी के भुगतान में परोक्ष रूप से देरी करके महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मांग को दबा रही है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला भी दिया, जिसमें कहा गया है कि मनरेगा के बजट की कमी हो गई है और ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसके लिए और आवंटन की मांग की है. रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि एक तरफ, अप्रैल-सितंबर 2023 के दौरान भारत में कुल वाहन बिक्री का 48 प्रतिशत एसयूवी का था.

दूसरी ओर, इस वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में ही वर्ष 2023-24 के लिए मनरेगा के तहत बजट का 60,000 करोड़ रुपये खत्म हो गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह न केवल देशभर में गहराते ग्रामीण संकट और बढ़ती असमानता को स्पष्ट रूप से इंगित करता है, बल्कि मोदी सरकार की प्राथमिकताओं को भी दर्शाता है, जो मजदूरी भुगतान में परोक्ष रूप से अत्यधिक देरी करके मनरेगा के तहत काम की मांग को दबा रही है. रमेश ने कहा कि मामले को बदतर बनाने के लिए मोदी सरकार ने पारदर्शिता के नाम पर डिजिटलीकरण के लिए मजबूर कर दिया है, जबकि वास्तव में इसे उन लोगों के बीच मनरेगा की मांग को हतोत्साहित करने के वास्ते एक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिन्हें हकीकत में इस कार्यक्रम की आवश्यकता है.

राहुल गांधी का गारंटी मॉडल विफल हो गया है : अनुराग

भाषा। भोपाल

खास बातें

- बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने में विफल रही कांग्रेस सरकार
- चुनावों के दौरान झूठी गारंटी देने आती है कांग्रेस सरकार

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर सत्ता हासिल करने के लिए झूठे वादे करने का आरोप लगाया और कहा कि गारंटी पूरी नहीं करने का उनका मॉडल कांग्रेस शासित राज्यों में विफल हो गया है. कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में मुफ्त और रियायती बिजली उपलब्ध कराने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, कृषि ऋण माफ करने, महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देने और कुछ अन्य गारंटी की घोषणा की है. ठाकुर ने शुक्रवार रात यहां एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा कि ये गारंटी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विफल हो गईं. वे (कांग्रेस नेता) उन राज्यों में मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं. जब मध्य प्रदेश में उनकी सरकार थी, तब राज्य में हाहाकार मच गया था. केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि इन राज्यों में कांग्रेस सरकार कृषि ऋण माफ करने और बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने में विफल रही, जैसा कि पार्टी ने पहले घोषणा की थी. उन्होंने गोबर खरीदने और रोजगार देने जैसे अन्य वादों का जिक्र करते हुए कहा कि वे केवल चुनावों के दौरान लॉलीपॉप और झूठी गारंटी देने आते हैं.

इसरो गगनयान मिशन के लिए परीक्षण की तैयारियां अंतिम चरण में

इसरो मानवरहित उड़ान का परीक्षण शुरू करेगा

भाषा। बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि वह देश के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के लिए मानवरहित उड़ान का परीक्षण शुरू कर रहा है और परीक्षण यान 'एबॉर्ट मिशन-1' (टीवी-डी1) की तैयारी जारी है. अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इसरो गगनयान मिशन के लिए मानवरहित उड़ान का परीक्षण शुरू करेगा. परीक्षण यान 'एबॉर्ट मिशन-1' (टीवी-डी1) की तैयारी जारी है. इसरो के मुताबिक, टीवी-डी1 की तैयारी अंतिम चरण में है. अधिकारियों ने पहले संकेत दिया था कि टीवी-डी1 के इस महीने के अंत तक प्रक्षेपित किए जाने की संभावना है.

गगनयान मिशन के टीवी-डी1 की तैयारी चल रही है.

एक एकल-चरण रॉकेट परीक्षण यान

परीक्षण यान एक एकल-चरण रॉकेट है, जिसे इस मिशन के लिए विकसित किया गया है. इसके पेलोड में 'क्रू मॉड्यूल' (सीएम) और 'क्रू एस्केप सिस्टम' (सीईएस) के साथ तेजी से काम करने वाले मोटर, 'सीएम फेयरिंग' (सीएमएफ) और 'इंटरफेस एडेप्टर' जैसे उपकरण शामिल हैं. इसरो ने कहा कि सीएम के साथ सीईएस को लगभग 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर परीक्षण यान से अलग किया जाएगा. सीईएस को अलग करने के बाद श्रीहरिकोटा तट से लगभग 10 किलोमीटर दूर समुद्र में परीक्षण संपन्न होगा. बेंगलुरु स्थित इसरो की इकाई में विभिन्न इलेक्ट्रिकल परीक्षण के बाद सीएम को 13 अगस्त को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, हरिकोटा भेजा गया था.

खास बातें

- परीक्षण यान एबॉर्ट मिशन-1 की तैयारी जारी
- इस महीने के अंत तक प्रक्षेपित किए जाने की संभावना

सिक्किम में बाढ़ से 1200 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त

अबतक 27 मौतें, 141 लापता

भाषा। गंगटोक/जलपाईगुड़ी

सिक्किम में बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ के बाद मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 27 हो गई. इस बीच, लापता 141 लोगों की तलाश का काम जारी है. भू राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव एवं राज्य राहत आयुक्त की ओर से शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार बुधवार तड़के बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में आठ सैनिकों सहित 27 लोगों की मौत हो चुकी है और 25,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं. इसके अलावा बाढ़ से 1,200 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 13 पुल बह गए हैं. इस बीच, एक और सैनिक का शव पश्चिम बंगाल से शनिवार को बरामद हुआ.

25,065 लोग प्रभावित

अब तक विभिन्न इलाकों से 2,413 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है. वहीं, 6,875 लोगों ने राज्य भर में बनाए गए 22 राहत शिविरों में आश्रय ले रखा है. रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ से 26 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. इसमें कहा गया है कि अचानक आई बाढ़ से चार जिलों – मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची में 25,065 लोग प्रभावित हुए हैं.

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की अनुग्रह राशि की घोषणा : सिक्किम के मुख्यमंत्री तमांग ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि और राहत शिविरों में शरण लिए प्रत्येक व्यक्ति को दो-दो हजार रुपये की तत्काल राहत देने की घोषणा की है.

महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

गडचिरोली। महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले में कई मुठभेड़ों, आगजनी और हत्या की घटना में शामिल रही एक महिला नक्सली ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है. उसपर कुल 11 लाख रुपये का इनाम घोषित था. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. गडचिरोली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक ,पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के बीजापुर की रहने वाली रजनी उर्फ कलावती समैया वेलादी ने बताया कि नक्सल कमांडर उस जैसे कार्यकर्ताओं से गतिविधियों के लिए जबरन वसूली करने को कहते हैं, लेकिन वे उन पैसों का उपयोग अपने लिए करते हैं. बयान में वेलादी के हवाले से कहा गया है कि वरिष्ठ माओवादियों द्वारा महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है.

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा ग्लेशियर झीलों के टूटने का खतरा

वर्षा सिंह । भाषा

उत्तरी सिक्किम में दक्षिण ल्होनक झील के टूटने यानी ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड से जुड़े कई सवाल हैं, वैज्ञानिक जिनके जवाब तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं. लेकिन स्पष्ट तौर पर एकमत हैं कि इस प्राकृतिक आपदा की एक बड़ी वजह जलवायु परिवर्तन है, और भविष्य में ग्लेशियर झीलों के बनने और टूटने का खतरा बड़ा हो रहा है. ल्होनक झील समुद्र तल से करीब 5200 मीटर की ऊंचाई पर है. आमतौर पर 4500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर बारिश नहीं बल्कि बर्फबारी होती है, तो क्या ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने की घटना हुई, जिससे झील में अचानक पानी की मात्रा बढी?

सितंबर, 2023 का औसत वैश्विक तापमान 1991-2020 के औसत से 0.93 डिग्री सेल्सियस अधिक था. इसरो का सैटेलाइट डाटा दिखाता है कि सितंबर महीने में ल्होनक झील का आकार बढ़ा है. तो क्या ग्लेशियर के पिघलने से झील में पानी बढा?

पिछले एक साल में हिमालयी क्षेत्र में 3 बड़े भूकंप आ चुके हैं. 3 अक्टूबर की रात पश्चिमी नेपाल और पूर्वी उत्तराखंड में 6 तीव्रता के भूकंप का असर क्या करीब 700 किलोमीटर दूर सिक्किम हिमालयी क्षेत्र पर भी रहा?
क्या हिमालयी ग्लेशियर क्षेत्र में खतरे के लिहाज से संवेदनशील मानी जाने वाली प्रोग्लेशियल झीलों (जिनके तटबंध मोरेन यानी ढीली धूल-मिट्टी से बनते हैं) की मॉनिटरिंग और नुकसान से बचाव के लिए अर्ली वॉर्निंग अलर्ट सिस्टम विकसित है?

4 अक्टूबर को सिक्किम में ल्होनक झील टूटने की वजह फिलहाल क्या समझ आती है?

इसरो की सेटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि 17 सितंबर को ल्होनक झील का आकार 162.7 हेक्टेयर था, 28 सितंबर को झील बढकर 167.5 हेक्टेअर में फैल गई और 4 अक्टूबर को झील टूटने के बाद उसका आकार 60.4 हेक्टेयर ही दिखाई दे रहा है. यानी उस दौरान झील के 100 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र से पानी निकल कर सीधा नीचे की ओर आया. ल्होनक झील भी मोरेन तटबंध से बनी है. झील का पानी करीब 50 किमी नीचे तीस्ता नदी पर बने चुंगथांग हाइड्रो बांध तक आया. ल्होनक झील का आकार इस हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट की झील से 6 गुना से भी अधिक है. उस समय वहां बादल फटने और अत्यधिक भारी बारिश की भी सूचना है. बांध की झील पानी के इस दबाव को झेल नहीं सकी जिससे डैम टूट गया और भारी मात्रा में पानी नीचे की ओर आगे बढ़ा. मौसम विभाग की सूचना बताती है कि सितंबर के आखिरी हफ्ते में गर्मी बहुत ज्यादा थी. एक अनुमान यह है कि ग्लेशियर पिघलने की वजह से ल्होनक झील में पानी बढ़ा होगा. फिर बादल फटने और भारी बारिश की रिपोर्ट है. झील में क्षमता से अधिक पानी भरने की वजह से उसके मोरेन तटबंध टूट गए और झील टूट गई.
जलवायु परिवर्तन की वजह से बहुत सी मौसमी अनियमितताएं हो रही हैं. वाडिया संस्थान मौसमी घटनाओं का अध्ययन नहीं करता. लेकिन समुद्रतल से 4500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई पर बर्फबारी होती है बारिश नहीं. करीब 5200 मीटर ऊंचाई पर ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने की घटना की भी जांच की जरूरत है. इसके अलावा हम यह भी देखने-समझने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या 3 अक्टूबर की रात पश्चिमी नेपाल और पूर्वी उत्तराखंड में पिथौरागढ़ सीमा के पास दोपहर 2:51 मिनट पर 6 तीव्रता से अधिक के भूकंप का भी असर रहा होगा. इस भूकंप से करीब 25 मिनट पहले 4.3 तीव्रता का एक छोटा भूकंप आया था. दोपहर 2:51 बजे के भूकंप के बाद भी रात करीब 9 बजे तक भूकंप के (आफ्टर शॉक) झटके 6 बार महसूस किए गए. उन सबकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5 से अधिक थी. इससे पहले 12 नवंबर 2022 को भूकंप (5.4 तीव्रता) और 24 जनवरी 2023 को (5.8 तीव्रता) भूकंप के झटके महसूस किए गए. हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इन भूकंपों ने पहले से संवेदनशील ल्होनक झील को उत्प्रेरित किया और क्या भूगर्भीय वजहों के चलते भी झील टूट सकती है. सिक्किम से पहले उत्तराखंड के चमोली में फरवरी 2021 में ग्लेशियर टूटने के चलते एक बड़ा हादसा हो चुका है. उस समय भी गर्मी बहुत ज्यादा रिकॉर्ड की गई थी. क्या मौजूदा समय में ग्लोबल वार्मिंग या चरम मौसमी घटनाएं ग्लेशियर झीलों के बनने और टूटने के खतरे को बढा रही है?

बढ़ सकती हैं सिक्किम जैसी आपदाएं

सिक्किम में आई बाढ़ के कारणों को समझने के लिए देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ कलाचंद सैन से बातचीत की

भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 10 हजार से अधिक ग्लेशियर और 20 हजार से अधिक ग्लेशियर झीलें हैं. अकेले उत्तराखंड में 1250 ग्लेशियर और करीब 350 मोरेन ग्लेशियर झीलें हैं. ग्लेशियर क्षेत्र में झीलें बनती और टूटती रहती हैं. सभी झीलें खतरनाक नहीं होतीं. खतरा मोरेन झीलों के साथ होता है. उदाहरण के तौर पर उत्तराखंड में भागीरथी बेसिन की सहायक भिलंगना बेसिन में भिलंगना ग्लेशियर पर झील बनी हुई है. हम पिछले कई सालों से इस झील को मॉनिटर कर रहे हैं और हमें पता चल रहा है कि ग्लेशियर पिघलने से ये झील लगातार बड़ी हो रही है. वर्ष 1976 की सेटेलाइट तस्वीरों के आधार पर झील के आकार को शून्य मानें तो मौजूदा सेटेलाइट तस्वीरों में यह करीब 0.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र (4 लाख वर्ग मीटर) में फैली हुई है. अभी हमें झील की गहराई का अंदाजा नहीं है इसलिए पानी की सही-सही मात्रा का आकलन मुश्किल है। 47 वर्षों में एक विशाल झील तैयार हो गई है. यह भविष्य के लिए खतरा हो सकती है. हमने सरकार को इस पर रिपोर्ट भी सौंपी है. तापमान बढने के चलते ग्लेशियर पिघल रहे हैं और ग्लेशियर झीलें बढ रही हैं. ऐसे में कोई चरम मौसमी घटना होती है, जैसे कि बहुत भारी बारिश या भूकंप, तो आपदा की आशंका भी बढ़ जाती है.

चमोली 2021 और सिक्किम 2023, दोनों ही मामलों में कोई अर्ली वॉर्निंग सिस्टम काम करता हुआ नहीं दिखा. क्या ग्लेशियर झीलों को लेकर अर्ली वॉर्निंग सिस्टम मौजूद है?

सिक्किम में राज्य सरकार के साथ ही बहुत सी संस्थाएं ल्होनक झील को मॉनिटर कर रही हैं. वाडिया संस्थान भी इस पर अध्ययन कर चुका है. हमें पता था कि झील से कभी भी खतरा हो सकता है. इसी तरह भिलंगना झील से आपदा की आशंका को लेकर हमने राज्य सरकार को रिपोर्ट दी है. आपदा की स्थिति में बचाव के इंतजाम और तैयारी सरकार को करनी है. लेकिन अचानक भारी बारिश या भूकंप जैसी घटनाएं प्रोग्लेशियल झीलों के टूटने के खतरे के बढा सकती हैं. हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अलर्ट सिस्टम बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं. (साभार : डाउन टू अर्थ)

क्या हम खतरे के लिहाज से संवेदनशील झीलों की मॉनिटरिंग करने में सक्षम हैं?

वाडिया संस्थान या कोई भी अन्य संस्थान सभी झीलों को मॉनिटर नहीं कर सकता. हमने अपनी क्षमता और संसाधनों के हिसाब से कुछ ग्लेशियर झीलों का चयन किया है. खतरे के लिहाज से जिसका असर नजदीकी आबादी पर पड़ सकता है. भिलंगना झील, चमोली आपदा के बाद धौलीगंगा ग्लेशियर क्षेत्र की झील समेत उत्तराखंड के 10 ग्लेशियर झीलों को मॉनिटर कर रहे हैं. इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में दो झील और लद्दाख के काराकोरम रेंज में एक ग्लेशियर की मॉनिटरिंग कर रहे हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

कॅरियर के लिए सीएमए भी बेहतर विकल्प

एजुकेशन रिपोर्टर।रजनीश प्रसाद

द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट ऑफ इंडिया या सर्टिफाइड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए/आईसीडब्ल्यूए) एक प्रोफेशनल कोर्स है. इस कोर्स के अंतर्गत छात्र कॉस्ट मैनेजमेंट और फाइनेंस के विषयों को पढ़ता है. सीएमए की पढ़ाई पूरी करने के लिए तीन साल का समय लगता है .यदि छात्र सीएमए की पढ़ाई इंटरमीडिएट करने के बाद करते है तो उन्हें 2 साल चार महीने लगते है. सीएमए को पूर्व में कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट के नाम से जाना जाता था. इसके बाद इसे सीएम के नाम से जाना जाने लगा वहीं अब इसका नाम कोस्ट अकाउंटेंट (सीए) के नाम से जाना जा रहा है .सीएमए विश्व की दूसरी सबसे बढ़ी कॉस्ट अकाउंटिंग बॉडी है और एशिया की सबसे बड़ी कॉस्ट एकाउंटिंग बॉडी है.

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

- सबसे पहले आईसीएमएआई की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर सीएमए फाउंडेशन, इंटरमीडिए या फाइनल को चुने.
- जिसके बाद जो भी जानकारियां मांगी जा रहीं है उसे भरें. उसके बाद सेव कर आगे बढ़े
- जो डॉक्यूमेंट मांगा जाएगा उसे अपलोर्ड करें, फिर सबमिट करें.
- सीएमए की फीस ऑनलाइन जमा करे.
- फीस जमा करने के बाद जो स्क्रिन पर आएगा उसे प्रिंट कर ले.

कितनी है फीस

- फाउंडेशन की फीस 6000 रुपए है.
- इंटमीडिएट की फीस 23100 रुपए है.
- फाइनल की फीस 25000 रुपए है.

समय

- फाउंडेशन 8 महीने का होता है.
- इंटरमीडिएट 10 महीने का होता है
- फाइनल 18 महीने का होता है

तीन भाग में होती है सीएमए कोर्स

- सीएमए फाउंडेशन- 10वीं पास करने के बाद सीएमए फाउंडेशन में रजिस्ट्रेशन करवा सकते है. सीएमए फाउंडेशन की परीक्षा में बैठने के लिए 12वीं पास होना आवश्यक है.
- सीएमए इंटरमीडिएट- सीएमए फाउंडेशन कोर्स को पास करने वाले विद्यार्थी सीएमए इंटरमीडिएट में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं. किसी भी क्षेत्र से ग्रेजुएशन डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थी डायरेक्ट सीएमए इंटरमीडिएट में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं.
- सीएमए फाइनल-सीएमए फाइनल परीक्षा के लिए विद्यार्थी का सीएमए इंटरमीडिएट पास करना आवश्यक है. साथ ही 15 महीनों की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी पूरी करनी आवश्यक है.

सीएमए ऑफिस, धनबाद.

योग्यता

- फाउंडेंशन - फाउंडेशन में नामांकन के लिए 12वीं पास होना चाहिए.
- इंटकमीडिएट- सीएमए फाउंडेशन क्लियर, कैट, ग्रेजुएशन, कंपनी सेकेट्री और सीए फाउंडेशन क्लियर करने के बाद आप इंटरमीडिएट में नामांकन ले सकते है.
- फाइनल-सीएमए क्लियर करने के बाद नामांकन ले सकते है

जानिए सिएमए का प्लेसमेंट रेट

- 60 प्रतिशत विद्यार्थियों का चयन कैमपस से होता है.
- सीएमए का एवरेज पैकेज 10 लाख रुपए प्रति वर्ष होता है.
- अधिकत्म पेकेज 22 लाख रुपए प्रतिवर्ष है
- ऑफ कैंपस प्लेसमेंट 85 से 90 प्रतिशत है.

इंस्टॉलमेंट में भी दे सकते है फीस

- फाउंडेशन कोर्स के लिए इंस्टॉलमेंट उपलब्ध नहीं है.
- इंटमीडिएट में दो किस्त में फीस दे सकते है, पहली किस्त-12000 रुपए, दूसरी किस्त-11100 रुपए
- फाइनल के लिए भी दो किस्त उपलब्ध है,पहली किस्त में 15000 और दूसरी किस्त में 10000 रुपए दे सकते है.
- सीएमए का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन होता है.

करियर ऑप्शन

- कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग
- फाइनेंस एंड अकाउंटिंग
- टैक्सेशन
- इंटरनल कंट्रोल एंड ऑडिटिंग
- ट्रेजरी एंड इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट
- प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- फाइनेंस/बीजनेस एनालिस्ट
- सिस्टम एनालिस्ट एंड मैनेजमेंट
- बैंकिंग
- रिसोर्स मैनेजमेंट
- रिस्क मैनेजमेंट
- इंडिअन इकोनॉमिक सर्विस
- इंडियन कॉस्ट अकाउंटिंग सर्विस
- इंडियन ऑडिट एंड अकाउंट सर्विस
- कॉस्ट ऑडिट
- इंटरनल ऑडिट
- वेल्यूएशन एंड ऑडिट अंडर जीएसटी
- इंशोलवेंसी फ्रोफेशनल
- रजिस्टर वेल्यूअर
- टैक्स कंसलटेंट एंड प्रैक्टिशनर
- एडवाइजर ऑन फंड मैनेजमेंट
- फाइनेंशियल सर्विस
- इंफॉर्मेशन सिस्टम ऑडिट फोरेंसिक ऑडिट

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)